Vol.18, Issue 11 | Annual Subscription ₹ 420

September 2019

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

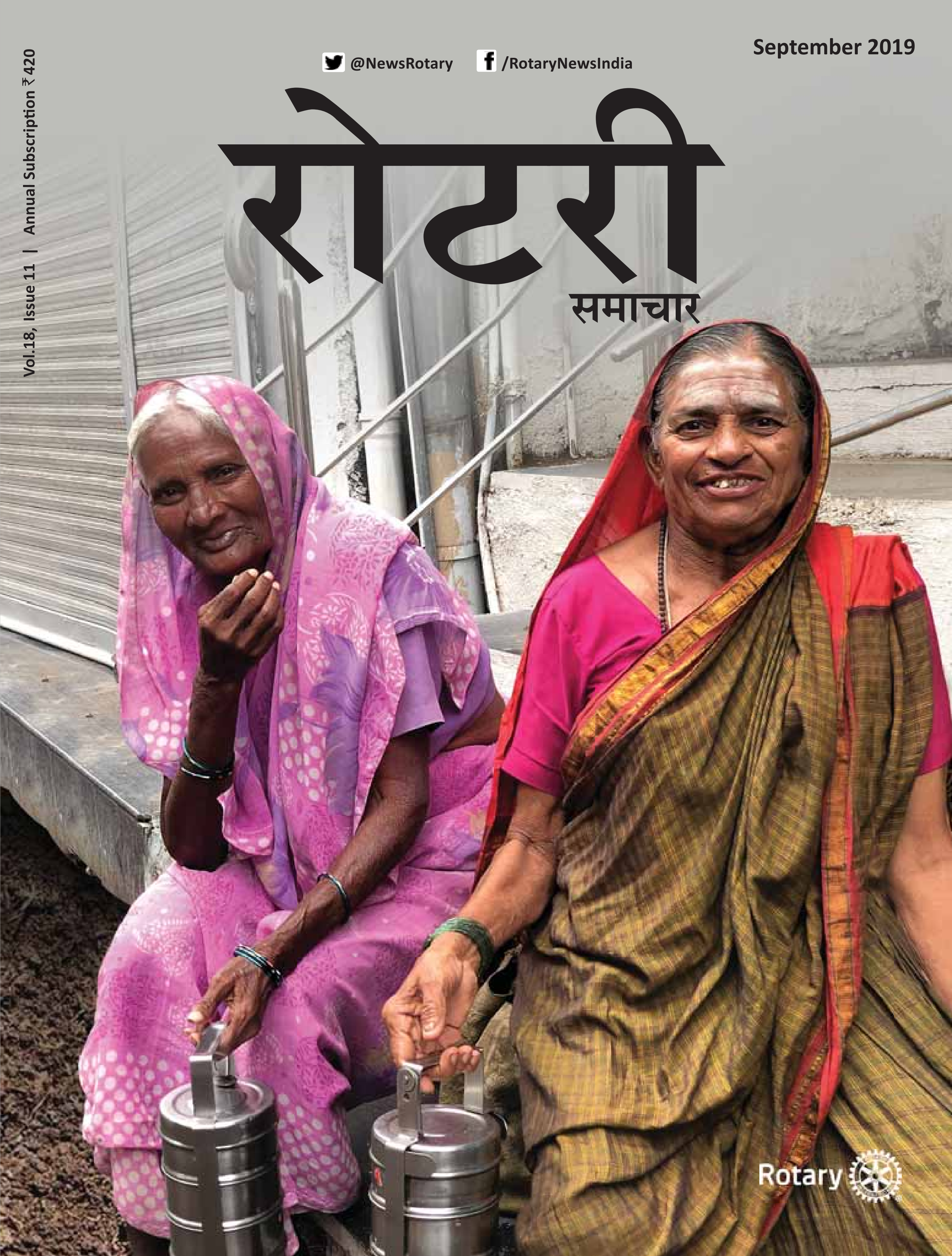

Rotary

इस चित्र ने द रोटेरियन द्वारा आयोजित वार्षिक फोटो प्रतियोगिता जीती। इसमें पंढरपुर वारी तीर्थयात्रा के दौरान मानवता के प्रवाह को दर्शाया गया हैं।

चित्र : संतोष काले, रोटरी क्लब शिरोल, रो ई मंडल 3170

विषयसूची

12 **भारत के चौथे RI अध्यक्ष (2021–22)**

14 **रोटरी क्लब सोलापुर की टिफिन-आहार परियोजना ने 12 वर्ष पूर्ण किये**

बुजुर्ग नागरिकों के लिए सोलापुर में टिफिन में पौष्टिक भोजन दिया जाता है।

24 **रोटरी क्लब नागपुर द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष समारोह**

नागपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए वेलेंटाइन डे बहुत ही अधिक खास रहा।

30 **स्टॉप एनसीडी - सकारात्मक स्वास्थ्य के लिए रोटरी की योजना**

32 **अपनी SUV निकालो, गांव की ओर चलो**

DG दीपक गुप्ता ने अपने मंडल 3012 के लिए इसके स्थापना समारोह में योजनाओं को साझा किया।

36 **सफलता और असफलता दोनों को गले लगाए: पांड्या ने रोटरेक्टरों से कहा**

रो ई मंडल भारत पांड्या ने रोटरेक्ट मंडल सभा में रोटरेक्टरों को एक प्रोत्साहनपूर्ण भाषण द्वारा संबोधित किया।

38 **कुष्ठ रोगियों के जीवन में सुधार**

एक रोटी मेकर और वॉशिंग मशीन ने कुष्ट मिशन अस्पताल के लोगों के जीवन को आसान बनाया।

42 **ब्रिटिश भारत का छोटा इंग्लैंड**

कर्नाटक के कोलार गोल्ड क्षेत्र के बारे में एक दिलचस्प कथा।

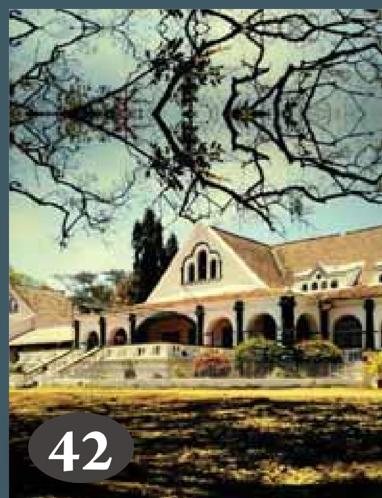

कवर पर : रोटरी क्लब सोलापुर के टिफिन-आहार प्रोजेक्ट के लाभार्थी।

चित्र: रशीदा भगत

सुदर्शन की विरासत जीवित रहेगी

PRID सुदर्शन अग्रवाल, जो दया एवं सरलता की मूरत है, पर मृत्युलेख अच्छा लिखा गया है। हालाँकि वह एक उच्च संवैधानिक पद पर आसीन थे, फिर भी उन्होंने रोटरी के प्रति उनके लगाव को साबित करते हुए चार-मार्ग-परीक्षण को लागू किया।

इस दिग्गज की कहानी रोटरी के दिग्गजों, PRIP साबू, के आर रविन्द्रन और PRID सुशील गुप्ता द्वारा अच्छी तरह सुनाई गई।

रो ई निदेशक कमल संघवी ने नए सदस्यों को आकर्षित करने और रोटरी में कुशल कार्यबल को विकसित करने हेतु उन्हें अवसर प्रदान करने पर ज़ोर दिया। रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल द्वारा स्थापित बोन बैंक एक सराहनीय कदम है, जिसका उपयोग हड्डी के कैंसर या दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों के इलाज हेतु किया जा सकता है।

नवीन आर गर्ग
रोटरी क्लब सुनाम
रो ई मंडल 3090

हमारे नेतृत्वकर्ता PRID अग्रवाल पर मृत्युलेख के लिए PRIP राजेंद्र साबू और संपादक रशीदा भगत को धन्यवाद। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है; राज्यपाल के उच्च पद पर सेवारत होने के बावजूद भी, उन्होंने जरूरतमंद लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए बहुत अधिक प्रयास

किये थे; वह वाकई में एक सच्चे समाज सुधारक थे।

प्रदीप कृत्ताला
रोटरी क्लब अल्लेप्पी ग्रेटर
रो ई मंडल 3211

PRID सुदर्शन अग्रवाल पर मृत्युलेख *अग्रवाल की विरासत जीवित रहेगी* के लिए धन्यवाद। रोटरी क्लब रानीपुर के अन्य सदस्यों के साथ मैंने उनका स्वागत हरिद्वार स्टेशन पर किया था, जब वह उत्तराँचल के राज्यपाल का कार्यभार सँभालने के लिए देहरादून जा रहे थे। स्वयं को "एक पेशेवर याचक" बुलाते हुए उन्होंने हिम ज्योति स्कूल खोलने के लिए चंदा देने की अपील की। हमारे अनुरोध पर उन्होंने बाद में ग्रामीणों की सेवा करने के लिए खोले गए चिकित्सीय केंद्र का उद्घाटन किया।

उनके आदर्श और उनका जूनन समुदाय की सेवा करने के लिए रोटेरियनों को प्रोत्साहित करेंगे।

टी डी भाटिया
रोटरी क्लब दिल्ली मयूर विहार
रो ई मंडल 3012

RIDयों की तरफ से विचारशील सन्देश

पत्र अनुभाग में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी के विचारों की प्रशंसा करती हुई घाना और पाकिस्तान के रोटेरियनों की दो प्रतिक्रियाओं को पढ़कर मैं प्रसन्न हुआ। सभी पेशेवर श्रेणियों से प्रतिनिधित्व के साथ सदस्यता को बढ़ाने का PRIP बैरी रेसिन का विचार अच्छा है।

स्वर्गीय सुदर्शन अग्रवाल के नेक कार्यों को दर्शाता हुआ संपादक का सन्देश प्रभावी है। RIDयों के संदेश अर्थपूर्ण है, जिसमें बदलते चलनों, एक मित्र को शामिल करने और सदस्यता अवरोधन पर ध्यान दिया गया है, जो सभी चुनौतीपूर्ण कार्य है। अफ्रीका मिशन के बारे में पढ़कर गर्वित महसूस किया जिसकी प्रशंसा सभी ने की थी। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मई के अंत तक टीआरएफ दान 331.9 मिलियन डॉलर तक पहुँच गया था।

लेख शूरवीर रोटरी में PRIP के आर रविन्द्रन की दिलकश कहानी रोचक है।

लेख हैम्बर्ग से कुछ यादें और क्लब गतिविधियों के तस्वीरों से भरे पन्ने शानदार है। *नेट द्वारा सशक्त पीढ़ी, फिर भी अकेली*; *जन्मजात दोषों से नवजातों को बचाने के लिए रोटरी साझेदारी*, किरण ज़ेहरा द्वारा लिखित *पांडिचेरी की एकल यात्रा* पर, और *गाम्बिया के बच्चों की नेत्र-ज्योति को बहाल करना*, पढ़ने योग्य है। *ऑन दी रेक्स*, उपयोगी है। *रोटरी न्यूज़* के एक और शक्ति से भरपूर अंक के लिए संपादक और उनके दल को बधाइयाँ।

फिलिप मुलप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

समृद्ध, रोचक सामग्री

हर महीने *रोटरी न्यूज़* को पढ़कर परमानन्द की प्राप्ति होती है, विशेष रूप से रशीदा भगत की सम्पादकीय को पढ़कर जो वर्तमान मुद्दों और रोटरी परियोजनाओं पर आधारित होती है। जुलाई अंक में समृद्ध सामग्री है; प्रभावी लेखन के साथ रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे की रंगबिरंगी तस्वीरें पत्रिका को पढ़ने योग्य बनाती है। रोटेरियनों को पथप्रदर्शक बनने और सेवा करने के लिए दूसरों को प्रेरित करने का RID भरत पांड्या का सन्देश सामयिक है। टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी असंतुलन की बात करते है जो कॉर्पोरेट द्वारा सीएसआर के माध्यम से उनके धन को खर्च करने एवं सामुदायिक जरूरतों के आंकलन के मध्य है जिसे करने की आवश्यकता रोटरी को है। इसे समझकर वैश्विक अनुदानों की अस्वीकृति को खत्म किया जा सकता है। मेरे गृह क्लब, रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर, रो ई मंडल 3054, की जीवन के उतार-चढ़ावों को ज़ारी रहने दीजिए, वास्तव में सार्थक है।

पी सी सांघी
रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर
रो ई मंडल 3054

आपके पत्र

एक बार फिर, जुलाई अंक रोचक था। रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी छाये हुए थे और सच में रोटरी दुनिया को आपस में जोड़ेगी। ताज़े, सक्रिय नेतृत्वकर्ताओं का एक दल रोटरी को ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मोहक उपाख्यानों के साथ टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी का साक्षात्कार प्रेरक था। दक्षिण एशियाई रोटेरियनों के लिए PRIP बेरी रेसिन की प्रशंसा नए नेतृत्वकर्ताओं को प्रोत्साहित करेगी। हैम्बर्ग से यादगार पल आनंदकर था।

रोटेरियन अरुण उम्मेन
रोटरी क्लब कोचीन वेस्ट
रोई मंडल 3201

उल्लेखनीय वैश्विक अनुदान परियोजनाएं

लेख अब *चेन्नई में एक बोन बैंक*, ने मुझे रोटरी के कार्यों पर गर्व महसूस करवाया। हम रक्त और नेत्र बैंकों के बारे में तो जानते है, लेकिन इस प्रकार का बोन बैंक हमारे लिए नया है।

यह जानकर अच्छा लगा कि हड्डी की बैंक वैश्विक अनुदान के समर्थन के माध्यम से संभव हो पाई जिसमें काताराकी किंग्स्टन, निपिगन, कम्पाला नॉर्थ, सनराइज कम्पाला के रोटरी क्लब और टीआरएफ शामिल थे।

जुलाई अंक में मुझे वैश्विक अनुदानों के बारे में एक उपयोगी जानकारी मिली। लेख रोटरी ने एक नया ऑपरेशन थिएटर स्थापित किया हमें हरियाणा के भगोला में स्थित सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में गरीब बच्चों के इलाज के लिए शुरू की गई एक अन्य वैश्विक अनुदान परियोजना के बारे में बताता है।

मुझे यह जानकर गर्व हुआ कि 413,068 डॉलर की परियोजना लागत में से लगभग 85 प्रतिशत लागत रोटरी क्लब फरीदाबाद के वैश्विक साझेदार रोटरी क्लब फोर्ट वायने, यूएस, रो ई मंडल 6540, द्वारा समर्थित थी। अस्पताल बच्चों का इलाज नि:शुल्क करता है; यह परियोजना दिखाती है कि कैसे रोटरी दुनिया को जोड़ती है।

एन जगथीसन
रोटरी क्लब एलुरु
रोई मंडल 3020

युवाओं को रोटरी की ओर आकर्षित करना

जुलाई की सम्पादकीय शानदार थी। दो लेख और सम्पादकीय रोटरी में सकारात्मक बदलावों को प्रतिबिंबित करती है, और आपने भारत के साथ-साथ दक्षिण एशिया के रोटेरियनों की प्रशंसा भी हासिल की है। भारत में रोटरी को परेशान करने वाले मुद्दों पर आपका विश्लेषण बहुमूल्य है।

दक्षिण एशिया से PRIP रेसिन की उम्मीदें एक आह्वान है जिसका उत्तर हम सभी को देना चाहिए। रोटरेक्टरों की महत्ता पर ज़ोर देते है। रोटरी स्वयंसेवा घंटों और उसके वित्तीय मूल्य पर जॉन होपकिंस के आंकड़े बहुत से युवाओं को मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

अरुण कुमार दास
रोटरी क्लब बारीपदा
रो ई मंडल 3262

लेख कसरत में शरीर और मन का संबंध के लिए शीला नाम्बियार को मेरी शुभकामनाएं, जिसमें वह कहती है सभी प्रकार की तंदरुस्ती की गतिविधियों में मन-शरीर का संबंध होता है। यह अधिक स्पष्ट तब होता है जब एक व्यक्ति चालू गतिविधि पर ध्यान केन्द्रित करता है। जब एक व्यक्ति सीखने और समझने के लिए तैयार होता है; और जब एक व्यक्ति सतर्क और सचेत होता है; एक उत्कृष्ट विचार जिसे अनुमोदित करने की आवश्यकता है।

ए एस अय्यर
रोटरी क्लब इरोड नॉर्थ - रो ई मंडल 3202

आइये भारत में रोटरी के 100 वर्षों का उत्सव मनाएं

उत्कृष्ट सम्पादकीय के साथ देश एवं विदेश की अन्य दूसरी खबरों से परिपूर्ण जुलाई अंक पढ़ने में रोचक था। RID संघवी द्वारा लिखित *आइये भारत में रोटरी के 100 वर्षों का उत्सव मनाएं* ने दिल को छू लिया। यह मील का पत्थर वाकई में भारत के सभी रोटेरियनों के लिए एक गर्व का पल है, इसलिए चलिए इस विशाल उपलब्धि का जश्न मनाएं।

मानवता की भलाई के लिए 100 वर्ष पूर्व शुरू हुई *स्वयं से बढ़कर* सेवा की महान यात्रा याद करने योग्य है। हम उस शानदार विरासत को निष्ठा के साथ आगे ले जा रहे है।

अशीम भट्टाचर्जी
रोटरी क्लब ग्रीन लैंड सिलचर
रोई मंडल 3240

रोटरी को दुनिया भर के नागरिकों तक पहुंचकर योग और आध्यात्मिक अभ्यासों को प्रोत्साहित करना चाहिए। मुझे आशा है कि मेरे विचार अवश्य ही रोटरी के शीर्ष नेताओं तक सामयिक कार्यवाही करने हेतु पहुंचेंगे।

जगदीश जे मालू
रोटरी क्लब गुलबर्ग सनसिटी
रोई मंडल 3160

टीआरएफ न्यासी प्रमुख गैरी सी के हुआंग का सन्देश विचारोत्तेजक है जिसमें रोटेरियनों के लिए प्रेरक शब्द है ताकि वे उनकी प्रतिक्रिया, विचारों और परियोजना सुझावों को उनके फेसबुक पेज पर साझा कर सकें। उनका लेखन उपयोगी सुझाव देने के लिए रोटेरियनों को प्रेरित करता है।

एम वी सुब्रमण्यम
रोटरी क्लब प्रोद्दतूर
रोई मंडल 3160

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

अपने परिवार को रोटरी से परिचित कराएं

प्रिय रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

यहाँ अमेरीका में, एक और गर्मी का समापन हो रहा है। और मलोनी परिवार के लिए, हर गर्मी वार्षिक पॉपकॉर्न डे उत्सव मनाने के लिए मेरे गृहनगर रिजवे, इलेनॉइस, लौटने के साथ खत्म होती है, जहाँ पर मैं दिन के कार्यक्रमों के प्रबंधक ''पॉपकॉर्न किंग'' के रूप में सेवा देकर सम्मानित होता हूँ।

चाहे त्यौहार जो भी हो, हर परिवार की अपनी स्वयं की परंपरा होती है। मैं आपके लिए एक नई परंपरा को सुझाना चाहता हूँ: अपने परिवार का रोटरी से परिचय करवाने का अवसर ढूंढिए। मेरे परिवार के रिवाजों में से एक है मेरी बेटियों एवं पोतों को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में लेकर जाना। रोटरी की अंतर्राष्ट्रीयता से अपने बच्चों एवं पोते-पोतियों का परिचय करवाने के लिए होनोलुलु में होने वाला 2020 का सम्मेलन एक बेहतरीन तरीका होगा। सभी के मनोरंजन के लिए हम बहुत से परिवार-उन्मुख कार्यक्रमों की योजना बना रहे है।

किसी भी रोटरी सेवा परियोजना या अनुदान संचयन समारोह में अपने परिवार जनों को लाने का हर समय शानदार होता है। परन्तु शायद आपने अपने क्लब में बहुत से परिवार-उन्मुख समारोहों को होते हुए नहीं देखा है। ठीक इसलिए ही इस वर्ष मेरी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है रोटरी के अधिकतर कार्यक्रमों को परिवार जनों के लिए अभिलषित बनाना।

हमें एक ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करना होगा जहाँ रोटरी परिवार से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय उसका पूरक बने। हमें कभी भी अपने सदस्यों से इनमें से एक का चुनाव करने की अपेक्षा नहीं करना चाहिए। इसका मतलब है हर एक स्तर पर हमारी उम्मीदों में यथार्थवादी होना, समय निर्धारण में दूसरों का ध्यान रखना, और रोटरी कार्यक्रमों में बच्चों को स्वीकार करना।

21वीं सदी का एक ऊर्जस्वी सेवा संगठन बने रहने के लिए रोटरी को अक्सर जिन युवा पेशेवरों को आकर्षित करने की जरूरत होती है वे वही लोग होते है जिनके कंधे पर परिवार की जिम्मेदारियां सबसे अधिक होती है। हमें इन संभावित युवा सदस्यों को शाम में या सप्ताहांतों पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करके उनके परिवारों से दूर नहीं रखना चाहिए जहाँ पर उनके बच्चों को ना बुलाया गया हो।

एक लम्बे समय से, हमने बच्चों और कभी-कभार साथियों के लिए भी रोटरी कार्यक्रमों के दरवाज़ों को बंद कर रखा है। ये कितने व्यर्थ अवसर है! यदि हम रोटरी को बढ़ाना एवं यह सुनिश्चित करना चाहते है कि हमारे मिशन में अगली पीढ़ी पूरी तरह से संलग्न हो, तो युवाओं को रोटरी का उपहार देने के हर एक मौके को हमें पकड़ना चाहिए।

तो चलिए अपने दरवाज़ों को खोलें और इसे मजेदार तरीके से करें, उन अवसरों के साथ जिससे हमारे बच्चे एवं पोते-पोतियाँ इंटरैक्ट, रोटरेक्ट, और रोटरी सदस्यता के बारे में अधिक जानना चाहे। करना पड़े तो छोटे से शुरुआत कीजिए - शायद आपकी कुछ बैठकों को अधिक परिवार-अनुकूल समयों पर आयोजित करके - लेकिन इस बारे में सोचिये कि कैसे आप इस प्रकार के कार्यक्रमों को आगामी कई वर्षों तक ज़ारी रख सकते है।

बच्चों को रोटरी कार्यक्रमों में लाना ना केवल मजेदार है; बल्कि यह उनके सामने दुनिया को अनावृत करता है! इस वर्ष को अपने परिवार के लिए यादगार - और हमेशा बढ़ते रहने वाले रोटरी परिवार के लिए अविस्मरणीय बनाइये क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।*

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

अनुकरणीय टीम वर्क एक क्लब की परियोजना को 12 साल कायम रखता है

नॉर्डिक (उत्तरी यूरोप के) जैसे विकसित देशों में, जहां उनके वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा, पोषण और आवासीय आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाता है, ठीक इस के विपरीत भारत जैसे राष्ट्रों में, जहां लोक कल्याण योजनाओं का अभाव है, बुजुर्गों को सम्मान के साथ जीने में मदद करना एक बड़ी चुनौती है। भारत में कई रोटरी क्लब बुजुर्गों की विभिन्न प्रकार से सहायता कर रहे हैं। इससे भी ज़्यादा प्रशंसा की बात ये है, कि हमारे रोटरेक्टर्स आगे बढ़ कर बुजुर्गों के घर जाकर संगीत, नृत्य के साथ उनका मनोरंजन करते हैं, उनके साथ खेलते हैं तथा सैर के लिए उन्हें घुमाने बाहर ले जाते हैं। कुशल योजना, उसके निष्पादन, जोश और निष्ठा की बात की जाए तो स्पष्टतया यह अपनी तरह की पहली योजना है, इस से भी महत्वपूर्ण है उसकी निरंतरता और जिसकी चर्चा बार बार करने में रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी कभी नहीं अघाते, वो है 100 वृद्ध जनों के लिए दैनिक टिफिन आहार सेवा जिसकी शुरुआत रोटरी क्लब सोलापुर द्वारा 12 साल पहले की गई थी। और इन 12 वर्षों में, दिल थाम के बैठिये , चाहे बारिश हो या कड़कती धूप, कर्फ्यू या सांप्रदायिक तनाव, या फिर लाभार्थी अस्पताल में भर्ती हो, अन्नपूर्णा नामक परियोजना के तहत ऐसा एक दिन भी नहीं गुजरा है जब किसी को भोजन नहीं मिला हो ।

यदि आप हिसाब लगाएंगे तो आश्चर्य करेंगे - क्लब ने अकेले ही 4,380 दिन (12 वर्ष) में 438,000 टिफिन वितरित किए हैं, जिस पर 1.44 करोड़ व्यय हुए हैं इसमें एक भी वैश्विक अनुदान शामिल नहीं है। यह सारा पैसा रो क्लब सोलापुर ने सोलापुर और उसके आस पास के लोगों के उदार योगदान से जुटाया है। ताजा पका हुआ गर्म, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन बुजुर्गों तक पहुँचाया जाता है, इन सभी की आयु 65 से ऊपर है जिन्हें बड़े ध्यान से चुना गया था, कभी ये आत्मनिर्भर थे और गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करते थे लेकिन हर रोज उन्हें पौष्टिक भोजन देने वाला अब कोई नहीं है। उनके घरों के नज़दीकी स्थान पर एक ऑटो रिक्शा में टिफिन दिन प्रतिदिन उन तक पहुंचता है जो शहर में 14 किमी की दूरी तय करते हुए स्थित ऐसे 9 गंतव्यों पर रुकता है।

भारतीय रोटरी क्लब के इतिहास में कई ऐसी कहानियां हैं जहां एक अध्यक्ष द्वारा शुरू किये गए प्रोजेक्ट्स, उन में से कुछ तो बहुत अच्छे थे, पर अगले वर्ष में नई कार्यकारिणी के पद भार ग्रहण करने के बाद जारी नहीं रह पाते। नए नेता के लिए स्वयं के विचारों को मूर्त रूप देना स्वाभाविक है, लेकिन समाज की दीर्घकालिक आवश्यकताओं को सतत परियोजनाओं के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है। और यह सिर्फ तभी हो सकता है जब किसी विशिष्ट या पहले से चली आ रही परियोजनाओं की ज़िम्मेदारी क्लब के अध्यक्ष लगातार उठाते रहें। सोलापुर में, मैंने पूर्व क्लब अध्यक्षों को ही नहीं बल्कि पूर्व मण्डल अध्यक्षों को भी इस परियोजना पर गर्व करते हुए देखा। और *अन्नपूर्णा* समिति के सदस्य मुझे यह बताते हुए नहीं थकते कि अपने कार्यकाल के दौरान, इस *अन्नपूर्णा* योजना के लिए प्रत्येक अध्यक्ष ने इतना धन एकत्र किया कि वे अपने उत्तराधिकारी के लिए पर्याप्त धनराशि छोड़ सकें।

इस अंक की कवर स्टोरी पढ़ें यह अनुभव करें कि सोलापुर के रोटेरियनों को अपनी अतिप्रिय परियोजना पर कितना गर्व है और महसूस करें कि उनके 100 बुजुर्ग दोस्तों तक ताजा, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन पहुंचाने के लिए वे कितनी ज़हमत उठाते हैं, हर रोज़, साल दर साल।

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशक

एक-से-एक

हमारे देश की अर्थव्यवस्था इसके जल संसाधनों के कारण अत्यावश्यक रूप से मानसून से जुड़ी हुई है। समय-समय पर मानसून अपना कहर बरपाती है और फिर बाढ़ जैसी आपदाएं आती है। इस वर्ष महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, बिहार और उत्तर पूर्व में बाढ़ आई है। इसके कारण बहुत से हिस्सों में तबाही हुई है। रोटेरियनों की प्रशंसा करना चाहिए जो वे इस अवसर पर राहत सामग्रियां, आश्रय किटों, भोजन, कपड़े, दवाइयों के साथ मदद के लिए आगे आये। मैं उन रोटेरियनों, क्लबों और मंडलों की सराहना करता हूँ जिन्होंने प्रभावित लोगों को राहत पहुँचाने के लिए बहुत कुछ किया है।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद पुनर्वासन का असली काम शुरू होगा। आइये हम अपने प्रयासों से प्रभावित लोगों की जिंदगियों को सामान्य बनाएं। प्रभावित क्षेत्रों में रोटरी स्कूलों को गोद ले सकती है और उन्हें पुनर्निर्मित करके हैप्पी स्कूल बनाने का काम शुरू कर सकती है। मैं सभी रोटेरियनों से अपील करता हूँ कि वे प्रभावित लोगों की जिंदगियों को फिर से बनाने और प्रभावित क्षेत्रों में स्कूलों के पुनर्निर्माण हेतु इस प्रयास के लिए उदारतापूर्वक योगदान करें।

सितंबर बुनियादी शिक्षा और साक्षरता का महीना है। नेल्सन मंडेला ने उचित रूप से कहा था, ''दुनिया को परिवर्तित करने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है। युवाओं के लिए, शिक्षा उनके भविष्य के दरवाजे को खोलने की कुंजी है।'' शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने के लिए मैं रोटेरियनों और क्लबों की सराहना करता हूँ, फिर चाहे वे ई-शिक्षण सुविधाएं प्रदान कर रहे हो, हैप्पी स्कूल बना रहे हो, उपेक्षित लोगों के बच्चों को स्कूल भेजने के अवसर दे रहे हो, युवाओं को छात्रवृत्ति या व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास प्रदान कर रहे हो।

यह समय की मांग है, विशेष रूप से कन्याओं के लिए। मेरा मानना है कि एक लड़की के लिए सबसे अच्छा गहना अच्छी शिक्षा होती है। यह उसके हाथ में एक शक्तिशाली साधन है जो ना केवल उसकी बल्कि उसके पूरे परिवार की ज़िंदगी को परिवर्तित करने की क्षमता रखता है। यदि आप एक लड़के को शिक्षित करते है तो आप केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करते है, लेकिन यदि आप एक लड़की को शिक्षित करते है तो आप एक परिवार को शिक्षित करते है और ऊर्मि-प्रभाव से पूरे गाँव/समुदाय को। आइये हम हमारे देश और हमारे ज़ोन को आने वाले वर्षों में 100 प्रतिशत साक्षर बनाने के हमारे प्रयासों को बढ़ाये। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है जो हम भावी पीढ़ियों के लिए कर सकते है। यह हमें और उन्हें एक बेहतर दुनिया के सपने को साकार करने लायक बनाती है। आप जो कर सकते है में आप जो नहीं कर सकते है को दखल ना देने दें। अपना सर्वश्रेष्ठ कीजिए।

डॉ भरत पांड्या

रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

शिक्षा का महत्त्व

मेरे प्यारे रोटेरियन

कोफी अनान के शब्दों में - ''साक्षरता मानव की प्रगति का द्वार है और वह साधन है जिसके माध्यम से हर पुरूष, महिला और बच्चा अपनी पूरी क्षमता का अनुभव कर सकता है।''

पूरी दुनिया में 67 मिलियन बच्चों को शिक्षा तक पहुँच उपलब्ध नहीं है और 15 वर्ष से अधिक उम्र के 775 मिलियन से अधिक लोग निरक्षर हैं। रोटरी इसे समझते हैं और मुझे खुशी है कि हमारे सदस्य शैक्षिक योजनाओं में मदद करते हैं जो टेक्नालॉजी, टीचर ट्रेनिंग, वोकेशनल ट्रेनिंग, बच्चों के मील प्रोग्राम और समुदायों के लिए कम लागत की पाठ्य-पुस्तकों को प्रदान करते हैं। हमारा लक्ष्य बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता का समर्थन करना, शिक्षा में लैंगिक असमानता को कम करना और व्यस्क साक्षरता में वृद्धि कर समुदायों की क्षमता को मजबूत बनाना है।

बालिकाओं को शिक्षित बनाएं : यदि आप वास्तव में समाज को सशक्त बनाना चाहते हैं, गरीबी को कम करना चाहते हैं, मूलभूत स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना चाहते हैं, जनसंख्या विस्फोट का समाधान करना चाहते हैं और शिशु व माताओं की उच्च मृत्यु दर से मुकाबला करना चाहते हैं तो इसका यह जवाब है कि आप लड़कियों को शिक्षित करें। यह पुरानी कहावत अच्छी है: अगर आप एक पुरूष को शिक्षित करते हैं तब आप केवल एक ही व्यक्ति को शिक्षित कर पाते हैं और अगर आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तब पूरा परिवार ही शिक्षित हो जाता है।

आरआईएलएम शिक्षण : रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन के माध्यम से भारत की रोटरी ने टोटल लिट्रेसी मिशन एंड क्वालिटी एजुकेशन पर सबसे व्यापक कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह मिशन अपने व्यापक कार्यक्रम के माध्यम से साक्षरता लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहता है जिसे टी-ई-ए-सी-एच कहा जाता है: टी- टीचर सपोर्ट, ई- लर्निंग, ए- एडल्ट लिट्रेसी, सी- चाइल्ड डवलपमेंट और एच का अर्थ है हैप्पी स्कूल, इनमें से प्रत्येक प्रोग्राम विशेष रूप से ध्यान देने सहित दूसरे प्रोग्राम के उद्देश्यों व सामग्रियों, प्राथमिक शिक्षा के शिक्षण परिणामों में सुधार और व्यस्क साक्षरता के प्रसार के साथ जुड़ा हुआ है।

आशा किरण : इस सितंबर में, प्रत्येक रोटेरियन को आशा किरण प्रोग्राम के तहत यह संकल्प लेना है कि वह उन सभी बच्चों को वापस स्कूल भेजेंगे जिनका स्कूल जाना छूट गया है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत, कमजोर समुदायों के बच्चे जो कभी स्कूल नहीं जा पाए या जिन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया है या स्कूल से बाहर हो गए हैं या जो स्कूल को अटेंड करने में अनियमित थे या पिछड़े रह गए हैं उन्हें आवश्यक दिशानिर्देशों के बाद उनकी उपस्थिति को स्कूलों में नियमित किया जाएगा। इसका उद्देश्य उन बच्चों को राज्य के वित्तपोषित प्राइमरी/इलेमेंट्री स्कूलों की मुख्यधारा से जोड़ कर स्कूल सुविधा को प्रदान करवाना है। एक बच्चे को वापस स्कूल भेजने में प्रतिवर्ष सलाना ₹2,500 रूपये का खर्चा आता है।

याद रखें एक बच्चा, एक टीचर, एक किताब, एक पेन ... दुनिया को बदल सकते हैं।

कमल संघवी

रो ई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website :www.rotarynewsonline.org

Now share articles from *rotarynewsonline.org* on WhatsApp.

District Wise TRF Contributions as on July 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions
India					
2981	872	0	0	29	901
2982	1,428	1,179	0	0	2,608
3000	11,002	0	3,703	0	14,705
3011	754	0	2,065	0	2,819
3012	72,777	0	0	0	72,777
3020	2,416	3,080	0	2,029	7,525
3030	529	0	1,213	0	1,742
3040	475	0	5,471	0	5,946
3053	3,191	32	0	0	3,223
3054	1,319	0	25,681	0	27,000
3060	1,547	29	4,200	0	5,776
3070	9,350	25	4,200	0	13,575
3080	9,546	0	150	1,013	10,709
3090	29	0	0	0	29
3100	11,210	0	0	0	11,210
3110	2,029	401	0	0	2,430
3120	200	0	0	0	200
3131	4,845	0	11,277	0	16,122
3132	1,155	0	0	0	1,155
3141	87,505	1,850	2,380	15,942	107,676
3142	9,682	0	0	0	9,682
3150	8,302	0	11,667	1,014	20,984
3160	442	0	0	0	442
3170	9,561	286	(1,300)	0	8,547
3181	1,246	0	0	0	1,246
3182	2,039	0	0	0	2,039
3190	7,177	101	0	0	7,278
3201	24,778	0	5,088	0	29,866
3202	16,688	1,891	0	1,000	19,579
3211	466	0	5,138	290	5,894
3212	109	58	1,050	0	1,217
3231	29	1	606	0	636
3232	20,239	2,331	14,286	0	36,856
3240	3,288	0	32,010	0	35,297
3250	3,525	0	1,100	0	4,625
3261	505	0	304	0	809
3262	2,457	1,014	507	0	3,978
3291	18,136	0	0	0	18,136
India Total	**350,848**	**12,279**	**130,796**	**21,318**	**515,240**
3220 **Sri Lanka**	5,210	0	1,150	0	6,360
3271 **Pakistan**	0	0	0	0	0
3272 **Pakistan**	1,392	0	0	0	1,392
3281 **Bangladesh**	12,690	0	11,500	1,000	25,190
3282 **Bangladesh**	8,312	0	0	0	8,312
3292 **Nepal**	36,822	5,150	52,375	0	94,348
South Asia Total	**415,273**	**17,429**	**195,821**	**22,318**	**650,840**
World Total	**9,229,337**	**2,326,124**	**1,424,280**	**2,114,338**	**15,094,079**

Source: RI South Asia Office

WHERE WILL ROTARY GLOBAL REWARDS TAKE YOU?

THE MEMBER BENEFIT PROGRAMME THAT OPENS UP A WORLD OF OPPORTUNITIES.

Rotary

SEE MORE AT ROTARY.ORG/GLOBALREWARDS

NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI

GROW YOUR WEALTH

NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.

KshetraGuru® PROPERTY

SwarnaGuru® GOLD

FDGuru® FIXED DEPOSIT

VyaparGuru® STOCK BROKING

ShuruGuru™ IPO

YojanaGuru® GOVERNMENT BONDS

NidhiGuru™ MUTUAL FUND

AmulyaGuru™ PRECIOUS STONES

Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021

+91 22 2288 0808 info@niveshguru.in www.niveshguru.in

शेखर मेहता 2021-22 के लिए
रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष चुने गए

2021-22 के लिए रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष हेतु गठित नामांकन समिति ने रोटरी क्लब कलकत्ता-महानगर, रो ई मंडल 3291, के शेखर मेहता का चुनाव किया है। यदि कोई चुनौतीपूर्ण उम्मीदवार नहीं सुझाया गया तो 1 अक्टूबर को उन्हें अध्यक्ष-मनोनीत घोषित किया जाएगा।

मेहता ने माना कि वर्तमान सदस्यता चलन एक चुनौती है और कहा कि सदस्यता विकास रोटरी की सर्वो च्च प्राथमिकता होना चाहिए। उनका मानना है कि क्षेत्रीय योजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करके, रोटरेक्टरों को रोटरी क्लबों में सफलतापूर्वक स्थानांतरित करके, और विविधता एवं महिला सदस्यों में वृद्धि करके सदस्यता में हर वर्ष पांच प्रतिशत की वृद्धि की जा सकती है।

दुनियाभर के विभिन्न क्षेत्रों के अनुकूल प्रभावी समाधानों को खोजने के लिए एक बहुत बड़े विचार मंथन की आवश्यकता है, वह कहते है, आगे यह कहते हुए कि स्थानीय समाधानों को खोजने के लिए क्षेत्रीय लोकाचार और संस्कृति को ध्यान में रखना होगा, क्योंकि सभी के लिए एक ही चीज़ सही नहीं हो सकती। उनका मानना है कि रोटरी नए भौगोलिक क्षेत्रों और देशों तक विस्तार कर सकती है।

रोटरी की रणनीतिगत योजना के एक प्रबल समर्थक होने के नाते, मेहता कहते है कि वह क्लबों को कार्य योजनाओं का प्रयोग करने और रोटरी के मुख्य मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मेहता कहते है कि रोटरी को सरकारों और निगमों के साथ साझेदारी पर ध्यान केन्द्रित करके, ऐसे संगठनों के साथ साझेदारी को विस्तृत करके जो रोटरी के ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में विशेषज्ञ हो, और तकनीक में निवेश करके अधिक आधुनिक और अनुकूल बनने की आवश्यकता है।

मेहता स्काइलाइन समूह के अध्यक्ष है जो उनके द्वारा स्थापित एक रियल एस्टेट विकास कंपनी है। वह कनाडा-आधारित संगठन, ऑपरेशन आइसाइट यूनिवर्सल (भारत) के निदेशक भी है।

वह आपदा प्रतिक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल रहे है और शेल्टर बॉक्स, यूके, के एक न्यासी है। 2004 में हिन्द महासागर में आई सुनामी के बाद, उन्होंने उस आपदा से पीड़ित परिवारों के लिए लगभग 500 घरों के निर्माण में मदद की।

मेहता ने एक कार्यक्रम की अगुवाई की जिसके तहत दक्षिण एशिया में 1,500 से भी अधिक जीवन-परिवर्तक ह्रदय सर्जरियाँ की गई है। वह TEACH कार्यक्रम के वास्तुकार भी है जो संपूर्ण भारत में साक्षरता को बढ़ावा देता है और हजारों स्कूलों तक पहुँच चुका है।

1984 से एक रोटरी सदस्य, मेहता ने निदेशक, विभिन्न समितियों के सदस्य या अध्यक्ष, ज़ोन समन्वयक, प्रशिक्षण नेतृत्वकर्ता, दी रोटरी फाउंडेशन कैडर ऑफ़ टेक्निकल एडवाइसर्स के सदस्य, और मंडल गवर्नर के रूप में रोटरी की सेवा की। वह रोटरी संस्थान (भारत) के अध्यक्ष भी है।

मेहता को रोटरी का स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार और दी रोटरी फाउंडेशन का साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड और डिसटिंग्विशड सर्विस अवार्ड मिल चुके है।

वह और उनकी पत्नी, राशी, प्रमुख दानकर्ता है और बिक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य है।

The members of the Nominating Committee for the 2021–22 President of Rotary International are: Mikael Ahlberg, Ölands Södra, Sweden; Bernhard Baumgartner, Kitzbühel, Austria; Gerson Gonçalves, Londrina-Norte, Pr., Brazil; Serge Gouteyron, Valenciennes-Denain aérodrome, Nord, France; Mary Beth Growney Selene, Madison West Towne-Middleton, Wisconsin, USA; Allan O Jagger, Halifax, W Yorks., England; Masahiro Kuroda, Hachinohe South, Aomori, Japan; Hsiu-Ming (Frederick) Lin, Taipei Tungteh, Taiwan; Larry A Lunsford (secretary), Kansas City-Plaza, Missouri, USA; Anne L Matthews (chair), Columbia East, South Carolina, USA; Ekkehart Pandel, Bückeburg, Germany; P T Prabhakar, Madras Central, Tamil Nadu, India; José Antonio Salazar Cruz, Bogotá Occidente, Cund., Colombia; M K Panduranga Setty, Bangaluru, Karnataka, India; Steven A Snyder, Auburn, California, USA; Yoshimasa Watanabe, Kojima, Okayama, Japan; and SangKoo Yun, Sae Hanyang, Seoul, Republic of Korea.

© rotary.org

चित्र: रशीदा भगत

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब सोलापुर की

टिफिन-आहार परियोजना ने 12 वर्ष पूर्ण किये

रशीदा भगत

टिफिन-आहार परियोजना के लाभार्थी बुजुर्गों के साथ रोटरी क्लब सोलापुर के सदस्य।

बारह साल पहले, 2007 में, रो इ मण्डल 3132 के रोटरी क्लब ऑफ़ सोलापुर के अध्यक्ष राज मिनियार चुने गए थे, यह क्लब महाराष्ट्र के पुराने और बड़े क्लबों में से एक ऐसे शहर में स्थित है जो अपने हैंडलूम और पावरलूम उत्पादों के साथ ही बीड़ी उद्योग के लिए भी प्रसिद्ध है, राज ने अपने गुरु से प्रेरित होकर, एक छोटी लेकिन अनूठी परियोजना के बारे में सोचा, जो धार्मिक अध्ययन के अंतर्गत अपने छात्रों के लिए पहले से ही ऐसी ही परियोजना चला रहे थे, आगामी अध्यक्ष ने अपने क्लब को सुझाव दिया कि प्रत्येक दिन 25 बुजुर्ग लाभार्थियों के घर में मुफ्त आहार पहुंचाया जाए।

मुस्कुराते हुए मिनियार कहते हैं, ''मैं इस परियोजना को एक साल तक चलाना चाहता था, लेकिन मेरे क्लब के बोर्ड ने कहा कि हम इसे 100 लोगों के लिए करेंगे और एक नहीं कम से कम तीन साल के लिए।'' क्लब ने निशुल्क आहार परियोजना का नाम अन्नपूर्णा रखा था, इस परियोजना की कहानी सुनाते हुए मिनियार मुस्कराते हैं। 4 अगस्त को इसने 12 साल पूरे कर लिए हैं और इन 12 वर्षों में, वह बताते हैं, ''हम अपने 100 लाभार्थियों को टिफिन बॉक्स (ताजे, गर्म और पौष्टिक आहार से भरे हुए) वितरित करने से एक दिन भी नहीं चूके हैं।''

यदि आप हिसाब करेंगे, तो आश्चर्ज करेंगे - और क्लब के अध्यक्ष बीएस मूँदडा बताते हैं - क्लब ने अकेले ही 4,380 दिन (या 12 वर्ष) में 438,000 टिफिन वितरित किए हैं, वो भी बिना किसी नागा के, इस पर ₹1.44 करोड़ खर्च आया है और यह सारा पैसा रो क्लब सोलापुर ने सोलापुर और उसके आस पास के लोगों के उदार योगदान से जुटाया है।

बारिश, धूप, कर्फ्यू हो या अस्पताल

एक खुशनुमा सुबह, आकाश में घटाएं छाई हुई थीं, मैं इस परियोजना के महत्वपूर्ण घटकों की जानकारी लेने निकल पड़ी, क्लब की समिति द्वारा पूरे मनोयोग से यह योजना बनाई गई है और क्लब के प्रमुख सदस्यों की व्यक्तिगत सहभागिता के साथ

जिस कुशलता से इसका निष्पादन किया गया है, यह देख कर आप हैरान रह जाते हैं।

करीब 100 लाभार्थी, सभी 65 से ऊपर, और ना तो जीवन यापन का कोई साधन ना ही परिवार के सदस्यों का समर्थन है, उनकी सेवा एक समर्पित ऑटो रिक्शा चालक जगदीश हिरेमथ करता है। वह मुझे पहले पड़ाव पर ले गया - 14 किमी के मार्ग में कुल नौ पड़ाव हैं - जहां हिरेमथ ताजा पैक किए हुए आहार के डिब्बे को लाभार्थियों के एक समूह में वितरित करेगा, मैं शोबा दीक्षित, अनंत रेडेकर, बालू जगतर, रत्ना बाई व अन्य से मिल ती हूं।

साफ सुथरे कपड़े पहने मुस्कुराते हुए, वे प्रसन्न और स्वस्थ नज़र आ रहे हैं। प्रोजेक्ट के चेयरमैन जयेश पटेल ने बड़ी दिलचस्प बातें बताई। उदाहरण के लिए, 2009 में, सोलापुर में जब कुछ दिनों के लिए कर्फ्यू लगा था तो रोटेरियनों को शहर के पुलिस आयुक्त से विशेष अनुमति मिली हुई थी ताकि रोटरी अन्नपूर्णा ऑटो टिफिन सप्लाई करने जा सके।

समिति के एक अन्य सदस्य, संदीप झावेरी बताते हैं कि जब वे रोटरी *अन्नपूर्णा योजना* के लिए ऑटो का परमिट लेने के लिए आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी) के पास गए, तो यह आसानी से मिल गया था। ''आरटीओ ने हमें रसीद काट कर दी और जब हम पैसे देने लगे तो उन्होंने लेने से इनकार कर दिया और कहा की इस प्रोजेक्ट में ये मेरा योगदान है!''

इतना ही नहीं, बल्कि स्थानीय मीडिया वर्षों से इसे प्रचारित कर रहा था, सोलापुर के मेयर ने अपने पार्षदों के लिए दिवाली उपहार का बजट आधा कर दिया और बाकी राशि को अन्नपूर्णा के लिए सुरक्षित रख दिया और हर दिवाली वह ऐसा ही करते हैं। यहां तक कि जब किसी लाभार्थी को बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाता है, तो भी उसका डिब्बा बंद नहीं होता ''जब तक वह अस्पताल में रहता है, हम उसे वहां भी पहुंचाते हैं।''

गुणवत्ता बनाए रखना

लगभग शुरु से ही इस परियोजना ने रोटेरियनों को प्रभावित किया है। लाभार्थियों को भेजे गए आहार की उच्चतम गुणवत्ता बनाए रखना उनका जुनून है और इसके लिए वे छोटी से छोटी बात का ध्यान रखते हैं। प्रत्येक दिन, टिफिन बॉक्स पैक करने के बाद ऑटो, रोज़मर्रा की चीजों के लिए एक खुदरा दुकान पर रुकता है जो समिति के सदस्य खुशाल डढिया की है, और ये दुकान 9-पॉइंट, 14 किमी के मार्ग पर स्थित है।

डढिया ऑटो में रखे कोई भी दो टिफिन उठाता है, उनकी मात्रा जांचने के लिए वज़न तौलता है और आहार को चखता है कि कहीं दोनों में कोई कमी तो नहीं रह गई। प्रत्येक दिन, एक स्व-सहायता समूह (SHG) की महिला सदस्यों द्वारा तैयार भोजन में चपातियां, सब्जियां, चावल और दाल शामिल हैं और हर दिन का मेनू अलग है। त्योहार के दिन, लाभार्थियों को एक मिठाई भी मिलती है। नवरात्रि या अन्य त्योहारों में उपवास के दौरान वृद्धों को फल दिए जाते हैं।

12 वर्षों की लम्बी अवधि का पूरा रिकॉर्ड सावधानीपूर्वक रखा गया है, चाहे वो मेनू हो या कोई शिकायत हो या फिर अन्य विवरण। किसी भी टिफिन सिस्टम की तरह, टिफिन बॉक्स के दो सेट दिए जाते हैं, और कभी-कभी टिफिन के साथ लाभार्थियों की लिखी हुई पर्ची भी आती है।

चंद्रिका चौहान कहती हैं, जिनके एनजीओ उद्योग वाहिनी ने इस SHG का गठन किया है: कभी-कभी नोट में लिखा होता है कि आप हमें सप्ताह में कम से कम एक बार माँसाहारी आहार क्यों नहीं देते; या आहार को अधिक तैलीय या

दक्षणावर्त :

आटोरिक्शा चालक जगदीश हिरेमठ, गरम टिफिन महिलाओं को पहुंचाते हुए।

ताजा खाना बुजुर्ग महिलाओं को पहुंचाते हुए।

PRIP राजेंद्र साबु रोटेरियनों से बात करते हुए।

PRIP कल्याण बेनर्जी अन्नपूर्णा योजना का भोजन चकते हुए।

चटपटा बनायें, आदि। ''हम उन्हें कहते हैं कि सिर्फ शाकाहारी आहार ही दिया जाएगा और यह कि मसाले, तेल और अन्य पोषक तत्वों को चिकित्सक के निर्देश के अनुसार ही रखा जाता है, आपकी उम्र में मसालेदार और तैलीय आहार उचित नहीं है!''

लेकिन जब एक से अधिक बार किसी नोट में लिखा हुआ मिला कि दाल और सब्ज़ी दोनों पानी से भरी थीं, तो रोटेरियनों ने सिर्फ एक सास और बहू के बीच पारंपरिक लड़ाई को उजागर करने के लिए एक जासूसी खेल खेला। जहां लाभार्थी रहते हैं, आहार उनकी नज़दीकी जगह पर पहुंचाया जाता है, एक बहू हर रोज़ अपनी सास के लिए टिफिन ले जाती थी। जानबूझ कर तंग करने के लिए, वह उसमें से थोड़ी दाल और सब्ज़ी निकालती और डिब्बे को भरने के लिए उसमें पानी डाल देती थी। ''हमने बड़ी महिला के घर खुद डब्बा पहुंचाने की व्यवस्था की और उस युवती को भी समझाया, कि तुम अपनी सास की देखभाल नहीं करती इसलिए आहार पहुंचा कर हम उस की मदद कर रहे हैं और उसे भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी,'' डढिया कहता है।

टिफिन से सम्बंधित, झावेरी एक और मार्मिक घटना बताता है, एक दिन की बात है कि ऑटो से एक टिफिन गायब हो गया लेकिन अगले दिन रहस्यमय तरीके से अपने आप ही मिल भी गया। रोटेरियनों ने घटना की जांच की, खुद ऑटो का पीछा किया और देखा कि एक जगह जब ऑटो चालक टिफिन देने के लिए घर में गया तो चुपके से एक छोटी लड़की आई और टोकरी में से एक टिफिन निकाल लिया। ''हमने पीछा किया और पाया कि उसकी बूढ़ी दादी बीमार थी जिसे इस खाने की सख्त जरूरत थी। हमने उसे भी अपनी सूची में शामिल कर लिया।''

समुदाय की भागीदारी

लेकिन रोटेरियनों के समर्पण और अविश्वसनीय तथ्य कि एक के बाद एक क्लब अध्यक्ष ने अन्नपूर्णा के स्वामित्व को अपनाया है और 12 साल तक इसे इतनी कुशलता से चलाते रहे हैं, लेकिन खुशी की बात है गैर-रोटेरियनों और अनजान लोगों द्वारा की

गई मदद। रोटेरियनों की अपील पर स्थानीय स्टील मर्चेंट एसोसिएशन ने सहजता से टिफिन बॉक्स दे दिए। खुशाल डढिया उस दिन को याद करते हैं जब एक दिन आहार की गुणवत्ता की जाँच की जा रही थी और उसी वक़्त एक ग्राहक स्टोर में आया, रोटेरियन इस योजना के बारे में बात कर रहे थे, बिल का भुगतान करते समय, उसने ₹4,765 की अतिरिक्त राशि और दी, जो तब एक वर्ष के लिए एक टिफिन प्रायोजित करने की लागत थी। उनकी कुल खरीद केवल ₹110 थी, लेकिन स्वेच्छा से उन्होंने ₹4,765 की अतिरिक्त राशि का भुगतान किया, वह मुस्कुराते हैं।

प्रारंभ में, एक समय के आहार की कीमत ₹13 थी पर अब लागत ₹29 हो गई है और एक आहार प्रायोजित करने की वार्षिक लागत ₹8,100 है।

दूसरा किस्सा, मुंबई में एक व्यक्ति ने दूरदर्शन पर इस परियोजना के बारे में एक खबर देखी और तुरंत ही ₹5,000 का चेक दे दिया और इसे अन्नपूर्णा परियोजना, अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ़ सोलापुर, सोलापुरफ लिख कर डाक में डाल दिया। और हमें चेक मिल गया, उस समय के अध्यक्ष किशोर चंदन कहते हैं, डाकिया मुझे ढूंढता हुआ आया और पूछा कि क्या यह आपके लिए है, और मैंने कहा हाँ!

अन्नपूर्णा में इससे जुड़े कई दिलचस्प किस्से हैं। एक बार एक व्यापारी ने इस योजना के लिए दान स्वरुप ₹5,000 दिए, और उसके तुरंत बाद उसे एक बड़ा अनुबंध मिला और वो इतना प्रभावित हुआ कि पिछले 10 वर्षों से हर महीने वह इसके लिए ₹5,000 का चेक दे रहा है, हालांकि अब वह सोलापुर से बाहर रहता है।

रोटरी छोड़ चुके एक रोटेरियन जो अब अमेरिका में रहते हैं, अन्नपूर्णा के लिए नियमित रूप से धन इकट्ठा करते हैं और क्लब में भेजते हैं। इसके अलावा, फेसबुक पेज पर रोटरी अन्नपूर्णा योजना के चित्रों को देखने के बाद, कई अजनबी, क्लब के रोटरी कम्युनिटी वेलफेयर ट्रस्ट के बैंक खाते का विवरण मांगते हैं और दान की राशि सीधे ऑनलाइन जमा करा देते हैं। दानदाताओं को 80 जी के तहत कर में छूट मिलती है।

रसोई में तैयार हो रहा खाना।

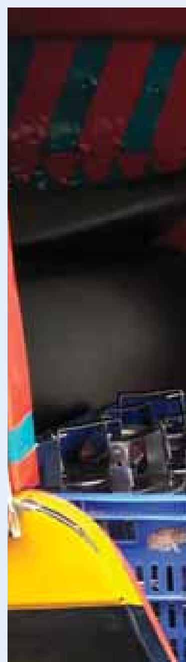

और हां, रोटेरियनों द्वारा, इस योजना का समर्थन जारी है जो उनके दिल के करीब है। पिछले दिन, मैंने पीडीजी जुबिन अमरिया को समिति के सदस्य को ₹8,100 का चेक सौंपते देखा था। मण्डल के सभी पीडीजी ने इस योजना का समर्थन किया है। पीडीजी राजीव प्रधान याद करते हैं कि 2007 में जब पहली बार मिनियार ने इसका ज़िक्र किया था तो, ''मुझे थोड़ा संशय था कि क्या लंबे समय तक हम एक दिन में 100 टिफ़िन दे पाएंगे, लेकिन मुझे यह जान कर बेहद खुशी हो रही है कि समय बीतने के साथ साथ यह योजना और अधिक परिपक्व हो रही है। पिछले रो ई अध्यक्ष राजेंद्र साबू और कल्याण बनर्जी ने इस परियोजना का दौरा किया, रसोई देखी जहां आहार तैयार किया जाता था, इसे चखा और इससे बहुत प्रभावित हुए।''

चंदन कहते हैं,''दोनों ने कहा कि इस परियोजना को *रोटरी समाचार* में जगह मिलनी चाहिए और हम आपकी प्रतीक्षा उस दिन से कर रहे हैं!''

लाभार्थी

लाभार्थियों का चयन किस प्रकार किया जाता है, इस पर मिनियार कहते हैं कि क्लब को शुरू में सामाजिक कार्यों के लिए एक कॉलेज के प्रिंसिपल से पेशेवर मदद मिली। छात्रों ने हमारे मानदंडों के आधार पर एक विस्तृत सर्वेक्षण किया - ''न्यूनतम आयु 65 वर्ष होनी चाहिए, उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होना चाहिए, लाभार्थियों को भिखारी नहीं होना चाहिए, लेकिन ऐसे लोग जो कभी अपनी आजीविका अर्जित किया करते थे, और जीवित रहने के लिए आज कमाने की स्थिति में नहीं थे।''

कॉलेज ने उन्हें 400 नाम की सूची दी; हमने लोगों को वर्गीकृत किया; ''रोटेरियनों ने स्वयं उन सभी का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया, इसके बाद सबसे ज़रूरतमंद 100 लोगों का चयन किया गया।''

इन वर्षों में करीब 27-28 लाभार्थियों का निधन हो गया है और कुल संख्या 100 बनाये रखने के लिए, प्रतीक्षा सूची से नए लोगों को जोड़ा गया है।

मैंने समिति के सदस्यों से पूछा कि 12 वर्षों तक इस योजना के लगातार चलते रहने के पीछे क्या रहस्य है जबकि अध्यक्ष और अन्य अधिकारियों के बदलने के बाद, कई क्लब उनकी परियोजना को चालू रखने के लिए काफी संघर्ष करते दिखते हैं। रोटेरियन मुस्कुराते हैं और इसके जवाब में चंदन कहते हैं, ''वास्तव में प्रत्येक आगामी और सेवारत अध्यक्ष यह प्रयास करते हैं कि वह अन्नपूर्णा के लिए ज़रूरी एक वर्ष से अधिक धन एकत्रित करें, ताकि वह आगामी अध्यक्ष के लिए अतिरिक्त राशि छोड़ जाएं!''

स्वयं सहायता समूह

शुरू में हमने यह अनुबंध एक समाज सेवी महिला द्वारा संचालित स्थानीय रेस्तरां को दिया था और वह इसे ₹13 के मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए सहमत हुई थी जिसमें डिलीवरी भी शामिल थी। लेकिन एक साल बाद उसने इसे चलाने में असमर्थता जताई और फिर इस के लिए उन्होंने चंद्रिका से संपर्क किया। ये 11 साल पहले की बात है; ''जोश में मैंने हां तो कर दी, लेकिन फिर घबराहट हुई। जिस तरह की कठोर गुणवत्ता की मांग रोटेरियनों ने की थी, उसके चलते 100 लोगों का आहार तैयार करना आसान काम नहीं था।'' लेकिन उस उद्यमी महिला ने सीधे प्रयोग करने शुरू कर दिए क्योंकि मुझे तीसरे दिन रोटेरियनों को एक नमूना दिखाना था! उसने एक खाद्य विशेषज्ञ को काम पर रखा, उसकी महिलाऐं उसे बाज की पैनी नज़र से देख

हमने दो-चार पतियों को पीटा है!

NGO उद्योग वर्धिनी की चंद्रिका चौहान रोटरी अन्नपूर्णा योजना की देखरेख करती हुई।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए अन्नपूर्णा जैसी योजना का क्या प्रभाव पड़ सकता है, जब आप उस साफ-सुथरी रसोई में जाते हैं, जहाँ SHG के सदस्य भोजन तैयार करते हैं। चंद्रिका चौहान, जो एनजीओ उद्योग वर्धिनी चलाती हैं, जिसने अब तक 8,000 कर्मचारीयों को तैयार किया है, का कहना है कि उसकी सभी महिला सदस्य केवल दो क्षेत्रों में काम करती हैं - आहार और सिलाई। ''मैंने देखा है कि जब एक महिला भारी संकट में होती है, तो उसकी मानसिक स्थिति कुछ नया सीखने के लायक नहीं होती है। लेकिन उसके पास दो कौशल हमेशा रहते हैं - खाना पकाना और सिलाई ... वह सिलाई के बारे में थोड़ा बहुत ज़रूर जानती है। इसलिए हम उन्हें विविधता और गुणवत्ता पर प्रशिक्षित करते हैं।''

प्रत्येक महिला महीने में लगभग ₹7,000 घर ले जाती है, उसे कपड़े दिए जाते हैं, और बच्चे की शिक्षा के लिए ₹400 दिए जाते हैं। ज्यादातर मामलों में पति या तो बेरोजगार होते हैं या फिर शराब के आदी होते हैं। ''गृहस्थी केवल महिला की आय पर चलती है।'' तो क्या पत्नी की मार पिटाई अभी भी होती है, मैंने चंद्रिका से पूछा। ''हाँ, लेकिन अब यह बहुत कम हो गई है। क्योंकि एक तो महिला अब आर्थिक रूप से स्वतंत्र है; और दूसरे हमने उन में से कुछ पतियों की पिटाई की है,'' वह निर्भीकता से कहती है।

मेरी अविश्वसनीय दृष्टि देख वह मुस्कुराती है और कहती है: ''हां, मैडम, कुछ मामलों में, मैं खुद उन घरों में गई हूं जहां आदमी अपनी पत्नी को मारते थे। मैं करीब छह महिलाओं के साथ जाती हूं, और सभी महिलाएं उसका सत्कार घूंसे से करती है, मेरा दामाद कह कर बुलाती हैं उसे। और फिर इसके बाद हम उसे चेतावनी देते हैं, कि यह महिला मेरी बेटी है और अगर तुमने उसे फिर से मारा तो हम तुम्हारी पिटाई करेंगे। कुछ पुरुषों को हमने वास्तव में पीटा है और अब यह संदेश सब जगह चला गया है कि अगर पति अपनी पत्नियों को पीटेंगे,'' तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

रही थीं ''उसने कितना पानी डाला और कितने मसाले और डाले ! पकने के बाद आहार का वजन कितना रहा, आदि और आखिरकार हमने ये कर दिखाया!''

वह गर्व से कहती है: आज 11 साल बाद, 15 सदस्यों वाला यह SHG, कारखानों, कार्यालय के कर्मचारियों और अन्य के लिए एक दिन में 2,000 लोगों का आहार तैयार करता है और वे निर्यात के लिए मसाला, पापड़, अचार आदि भी बना रहे हैं।

पटेल कहते हैं, ''चंद्रिका ने इन महिलाओं की आजीविका में वृद्धि का श्रेय रोटरी को दिया है; एक मील का पत्थर:11 साल पूर्ण होने के जश्न में बांटे गए पैम्फलेट में उन्होंने कहा है कि वो इस मुकाम पर रोटरी की बदौलत पहुँची हैं।''

चंदन कहते हैं कि नियमित अंतराल पर बुजुर्ग लाभार्थियों को भ्रमण के लिए ले जाते हैं; ''हम बसों

को किराए पर लेते हैं और हमारी ऐन्स और एनेटस उन्हें घुमाने बाहर ले जाते हैं, मुख्य रूप से तीर्थ स्थलों पर। और आप यह विश्वास नहीं करेंगे कि; पंढरपुर जैसे लोकप्रिय स्थलों पर, जहाँ तीर्थयात्रियों को दो घंटे तक लंबी कतारों में लगना पड़ता है, इन लोगों की आवभगत वीआईपी की तरह की जाती है और दो मिनट में प्रवेश मिल जाता है!''

वह कहते हैं कि बुजुर्गों के लिए वर्ष में एक बार चिकित्सा जांच भी की जाती है और उसके अनुसार उपचार किया जाता है, जिसमें रोटेरियन दवा उपलब्ध करवाते हैं।

क्लब सचिव सुनील माहेश्वरी कहते हैं, इस योजना की हर सालगिरह - 4 अगस्त को - पूरे समूह के लिए *शाहीभोजका* आयोजन किया जाता है। यह उत्सव का दिन है; ''हमारी एन्स उनका स्वागत आरती के साथ करती हैं और हम उन्हें शानदार दावत करवाते हैं।''

मिनियार जोड़ते हैं, ''वास्तव में, उन्हें रोज़ाना मिलने वाला आहार इतना स्वादिष्ट होता है कि मुझे अक्सर लगता है कि यह मेरे घर के खाने की अपेक्षा अधिक स्वादिष्ट है और हम भी अक्सर डब्बा मंगवाते हैं और भुगतान करने के बाद इसे घर ले जाते हैं।''

क्लब के अध्यक्ष, मूंदडा कहते हैं, ''महत्वपूर्ण बात यह है कि इस परियोजना के लिए हमें कभी भी पैसे की कमी नहीं हुई है, यह दर्शाता है कि अच्छे काम के लिए रोटरी में कभी भी धन की कमी नहीं होती है।'' वह बताते हैं कि बुजुर्गों को हर साल कपड़े के दो जोड़ी और चार साल में बर्तनों का एक नया सेट दिया जाता है।

प्रतिकृति

अन्य रोटरी क्लबों ने इस परियोजना को क्यों नहीं दोहराया, रोटेरियनों ने कहा कि कुछ जगह इसे लागू किया गया है। उसी रोटरी मण्डल (3132) के रो क्लब वाई में इसे शुरू किया गया है, लेकिन एक दिन में केवल 25 लोगों के आहार का वितरण। रो क्लब लातूर ने भी इसे दोहराया था लेकिन एक परिवर्तन के साथ; वे एक अस्पताल में मरीजों को टिफिन भेजते हैं। सोलापुर शहर में ही, एक स्वैच्छिक संगठन, लोकमंगल संस्थान भी ऐसी ही एक परियोजना कर रहा है। ''उन्होंने कहा है कि रो क्लब सोलापुर ने हमें प्रेरित किया है और वे 200 लोगों के लिए टिफिन भेजते हैं। एक अन्य रोटरी क्लब ने भी इस सन्दर्भ में हमसे संपर्क किया है।''

(इस परियोजना के विवरण के लिए समिति के सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं - संदीप झवेरी *sandson1972@gmail.com* या जयेश पटेल से 9823562303 पर)।

चित्र: रशीदा भगत
एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

क्लब सदस्यो (बाएं से) खुशाल देड़िया, जयेश पटेल और राज मिनियर के साथ लाभार्थी महिलाएँ बातचीत में।

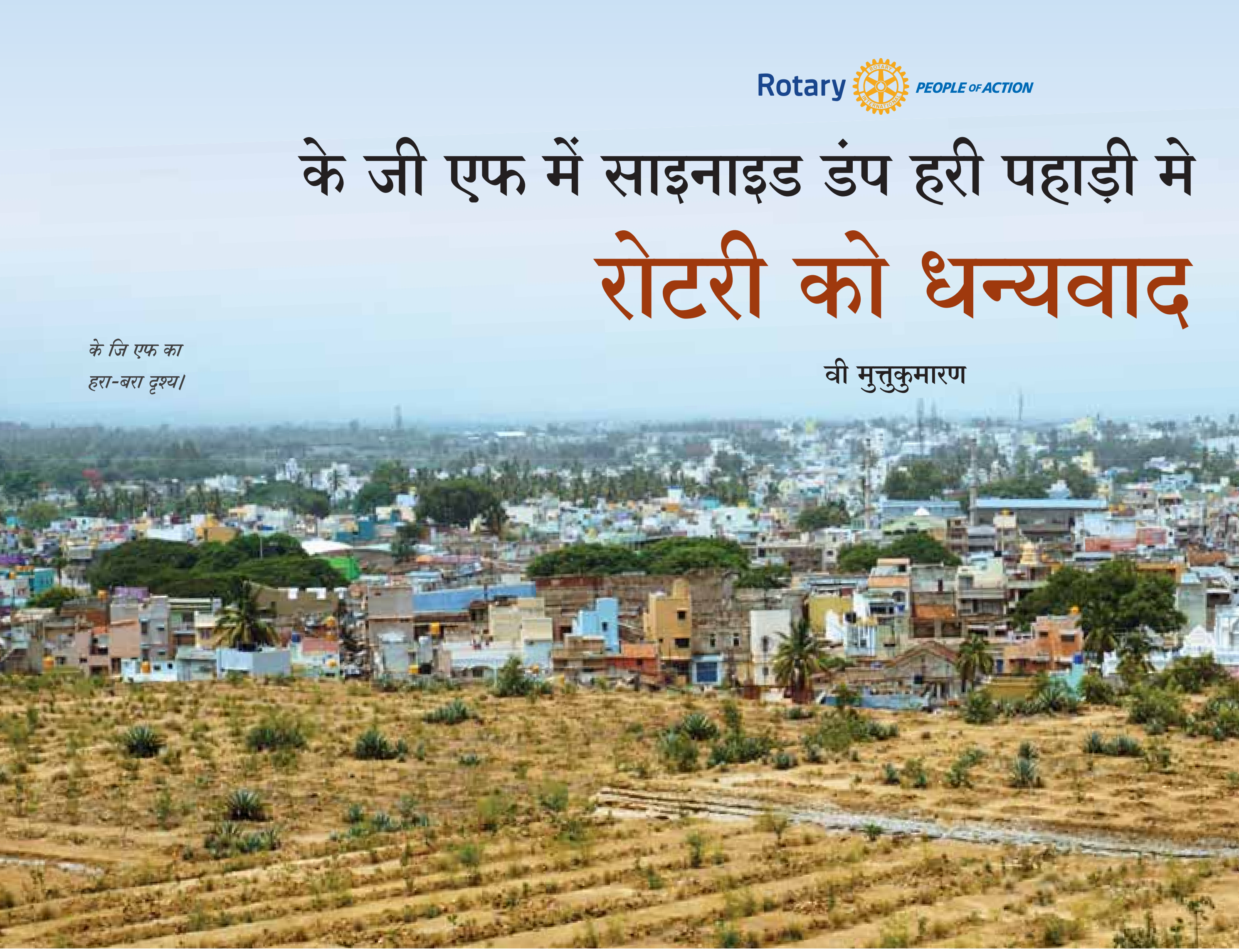

Rotary PEOPLE OF ACTION

के जी एफ में साइनाइड डंप हरी पहाड़ी मे
रोटरी को धन्यवाद

के जि एफ का हरा-बरा दृश्य।

वी मुत्तुकुमारण

कोलार गोल्ड फील्ड्स (के जी एफ), बेंगलुरु के पूर्व में 100 किमी दूर, इसको पहले दृश्य में देखने पर पूरे दृश्य की भव्यता से आसानी से मुग्ध हो सकते है - मिट्टी, चट्टान, कीचड़ और रसायनों से बनी यह पहाड़ियों की एक श्रृंखला है, विशेष रूप से साइनाइड - यह प्राकृतिक संरचनाओं का भ्रम पैदा करता है। पर वास्तव मे वे नहीं हैं। कोलार जिले के बंगारपेट तालुका में के जी एफ के बीच में 200-250 फीट ऊंचे इन 15 साइनाइड डंपों का जमाव है, जो दशकों से स्थानीय लोगों के जीवन के लिए एक मुश्किल बना हुवा है।

आर सी के सदस्य एन रामकृष्ण कहते हैं कि सोने की पट्टियों की परतों के साथ की यह चट्टानों को खोदने के बाद, उनमे से अन्य खनिजों को सोने को अलग करने के लिए साइनाइड के साथ रसायनों का मिश्रण कर के कोल्हू घरों में पाउडर करने के लिए तोड़ा जाता था। परिणामस्वरूप कीचड़ के अवशेष रहेते थे - और पानी के साथ यह मजबूत चट्टान -1880 के दशक से भूमिगत खानों में बड़े डंपों में यह अपशिष्ट के रूप में जमा किया जाता है। इसने अब जहरीली पहाड़ियों का आकार ले लिया है। अगस्त 2017 में आर सी बैंगलोर ऑर्केड्स, आर आई डी 3190, के आने के बाद, और उनके ग्रीन ड्राइव के दो साल के भीतर, ''सबसे बड़े डंप मे से साइनाइड धूल के उत्सर्जन में भारी कमी देखी गई है, जो हवा मे रह कर हमारे जीवन में कहर बरपाते है, जिससे श्वसन रोग, आंखों में जलन और त्वचा रोगों के माध्यम से हमारे स्वास्थ्य के लिए अपूरणीय क्षति होती है।''

साइनाइड डंप परियोजना को हरियाली मे बदल देने के पीछे अन्य वास्तुकारों में से एक, नील माइकल जोसेफ, जो हसीरू (कन्नड़ में हरित) समिति, आर सी बैंगलोर के अध्यक्ष, कहेते है कि कोलार शहर में एक प्रयोगशाला अधिकारी ने यहाँ पेड़ों के वृद्धि होने की संभावना को खारिज किया था लें वे निराश नहीं हुए थे (या यह विषैले टीले पर किसी भी प्रकार की वनस्पति, या इस प्रकार की अन्य संभावनाओ के लिए)। ''उन्होंने कहा था कि यहाँ की मिट्टी का नमूना किसी भी चीज या पौदे के विकास का समर्थन नहीं करता है और इसलिए, किसी भी वनस्पति के लिए अनुकूल नहीं था। लेकिन हमने उम्मीद नहीं खोई।''

उसके बाद कर्नाटक के तत्कालीन उप वन संरक्षक श्रीनिवास राव, जो मिट्टी पर इंटरलॉक्ड खाइयोंफ का नवीनतम विचार ले कर आगे आए और, जिसके कारण बारिश का पानी जो नीचे गिर जाता था, जिससे सतह को नमी बनाए रखने की मदद मिलती थी, और जिससे वायु प्रणाली ठंडी हो जाती है। आर सी बैंगलोर ऑर्केड्स के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर ने कहा कि, ''उनके यह आधुनिक विचार

बदल गया है,

ने हमें घोल के यह डंप पर वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया और जल्द ही, साइनाइड की धूल को हरे कवर द्वारा ढांक लिया गया, बजाय इसके के वह हवा मे उड़ जाती थी, जिससे के जी एफ के निवासियों को स्वास्थ्य समस्याएं हो रही थीं।''

अब जब कि रोटरी ने 40 हेक्टेयर में फैले इस साइनाइड डंप को एडप्ट कर लिया है, तो यहाँ के शहरवासियों को राहत मिली है, ''क्योंकि हवा चलने के समय (खास कर के जुलाई-अगस्त मे) में, साइनाइड वाली हवा इतनी बड़ी तेजी से डंपों से बाहर आती थी कि उन्हें सांस लेने में कठिनाई होती थी,'' रामकृष्ण को याद करते हुए कहते है कि बहुत से परिवार के सभ्य अस्थमा, फेफड़ों के संक्रमण और सिलिकोसिस जैसी बीमारियो से प्रभावित होते हैं और ''हमें अपने मेडिकल बिल के लिए भारी मात्रा में भुगतान करना पड़ता है।''

यहाँ के एक स्थानीय कॉर्पोरेट के एक अस्थायी कर्मचारी पी मैगेंद्रन ने कहा कि यहाँ के निवासी तीन साल पहले फेस मास्क पहनते थे, ''जो हमें साइनाइड-मिश्रित हवा के हानिकारक प्रभाव से बचाते थे। रोटेरियन ने यहाँ पर डंप पर पेड़ उगाना शुरू किया और इसके साथ, हवा की संरचना में लगभग 90 प्रतिशत परिवर्तन हुआ है। इस ग्रीन प्रोजेक्ट से पहले, साइनाइड मिश्रित हवाओं से कई परिवार गरीब परिवारों के सदस्यो की इलाज नहीं कर पाने की वजह से मौत हो चुकी हैं।''

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड के पूर्व अध्यक्ष डि रविशंकर के साथ (बाएं से) के एस गोविन्दराज, प्रकाश हेग्डे, नील माइकेल जोसेफ, चेयरमेन, हसिरु कमिटी और रमेश चारी।

वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण

पिछले दो वर्षों में साइनाइड डंप पर वनीकरण परियोजना के लिए 14,000 से अधिक ट्रेंच, 55,000 छोटे पौधे, तीन लाख बीज बॉल और 700 टन मिश्र खाद बेंगलुरु से लाई गई हैं। जबकि पोंगामिया, महोगनी, बाँस, रक्षाचन्दन, पीपल, नीम, सिंगापुर चेरी, रेनट्री और गुलमोहर जैसे पेड़ खाइयों तक फैले हुए हैं, बाकी जगहों पर जंगल की घास उगाई जाती है। और खाई टीले पर, कैक्टस और झाड़ियों को उगाया गया है, इनको थोड़ी कम नमी की आवश्यकता होती है। यह सब साइनाइड धूल को निकलने को रोकने के लिए तीन-स्तरीय सुरक्षात्मक ढाल को पूरा करने के लिए उगाया गया है।

कंपनी, बाघिरथी ट्रैवल्स, यह वनीकरण अभियान में सक्रिय भागीदार है, जो के जी एफ के लगभग 1.65 लाख निवासियों को लाभान्वित करता है। यह कंपनी के जोसेफ ने कहा कि, क्लब ने यह वनीकरण मे ₹30 लाख का योगदान दिया है, और रसद और परिवहन लागत का प्रबंधन किया था, वहीं वन विभाग ने श्रम, रोपाई और मशीनरी प्रदान की है, जो डंप के शीर्ष पर वृक्षारोपण को निष्पादित करने के लिए जरूरी है।

अंग्रेजों के जमाने के स्कूल का फिर से पुनःनिर्माण किया गया

जब हमने कोलार टाउन में स्थित बी जी एम एल इंग्लिश हायर प्राइमरी स्कूल (पार्किंसन मेमोरियल स्कूल) में प्रवेश किया तो दिल से रोटेरियन और क्रिकेट प्रेमी, जोसेफ अपनी शौकीन यादों के साथ उदासीन हो जाते हैं। यह सुरम्य स्कूल में एक हाई स्कूल (लिंडसे मेमोरियल) भी है।

उनहो ने कहा कि, ''मैं इस स्कूल का पूर्व छात्र हूं जिसे 2007 में हमारे क्लब ने एडप्ट किया था और तब से, हमने वैश्विक अनुदान के माध्यम से शौचालय ब्लॉक (अलग अलग लिंग के लिए) का पुनर्निर्माण किया है, पेड़ लगाए है, खेल उपकरण खरीदे है, ड्यूयल डेस्क दिए है और कक्षाओं मे टाइल्स रिले की है।'' सदस्य रमेश चारी ने टाइल्स का खर्च किया है।

यहाँ एक और बड़ा प्रोजेक्ट सेंट्रल हॉल का पुनर्निर्माण करना था, क्यूँ कि वह लगभग ढह गया था। जोसेफ ने कहा, ''हमने 2008-09 में के जी एफ स्कूल्स फाउंडेशन, पूर्व छात्र समूह के साथ साझेदारी में₹ 45 लाख की लागत से इसे फिर से बनाया।'' इस क्लब ने यह स्कूल के अन्य पुनर्निर्माण कार्यो पर ₹15 लाख खर्च किए हैं।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब नागपुर द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष समारोह

रशीदा भगत

पिछले 11 वर्षों से नागपुर का रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3030, विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए वेलेंटाइन-डे, 14 फरवरी को मना रहा है जो 800 दिव्यांग बच्चों के लिए बहुत खास रहा है, यह उनके जीवन में आनंद और उत्साह का संचार करने का एक प्रयास है - कपिल बहरी का कहना है जो क्लब के भूतपूर्व अध्यक्ष हैं।

वह कहते हैं - ''इसका नाम उड़ान दिया गया है जो उनके सपनों को नयी उड़ान देने के लिए है, यह आयोजन इन दिव्यांग बच्चों को उनके दिन-प्रतिदिन की सांसारिक चुनौतियों से ऊपर उठने में उनकी मदद करता है।''

यह प्रोजेक्ट पूरे क्लब के लिए इतना खास है कि ''हमारे बहुत से सदस्य इस आयोजन के लिए पूरे दिन फ्री रहते हैं और इन बच्चों की सेवा करने एवं विभिन्न गतिविधियों में उनको मदद प्रदान करने में बहुत ही आनंद उठाते हैं। जब एक बार उन्होंने इन प्यारे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के आनंद का अनुभव कर लिया होता है तब यही अनुभव उन्हें

गौरव ठाकुर (बाएं) एक अन्य प्रतिभागी के साथ बातचीत करते हुए।

सेवा करने के जीवन से जोड़ देता है अर्थात उन्हें सेवाभावी बनाता है'' - उनका कहना है।

एक दुष्कर प्रक्रिया

रो ई मंडल 3030 डीजीई शब्बीर शकीर जो इस क्लब के सदस्य हैं, वह आरसी नागपुर के अन्य सभी सदस्यों की ही तरह ही अपने क्लब की इस सिग्नेचर प्रोजेक्ट पर बहुत गर्व महसूस करते हैं, वे कहते हैं कि इन बच्चों को एक साथ इकट्ठा करना और इन बच्चों को इस समारोह में लाना कोई आसान काम नहीं था, इसलिए दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूलों से मदद लेना, विशेष रूप से उनके शिक्षकों से मदद प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। आनंद के इस उत्सव की योजना दो महीने पहले से ही शुरू हो गयी थी, 800 से अधिक, शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम दिव्यांग बच्चों को पूरे दिन की खेल, सांस्कृतिक और संगीत गतिविधियों के लिए महाराष्ट्र के नागपुर जिले के विभिन्न स्कूलों से इकट्ठा होना था।

वह बताते हैं - ''अपने-अपने स्कूलों के 150 से अधिक शिक्षक उनके बच्चों की मदद करने एवं उनकी गतिविधियों में सहायता देने के लिए शामिल हुए। स्नेह, देखभाल किया जाना और दर्द जो इन शिक्षकों द्वारा अनुभव किया गया उसको देखे जाने एंव इस पर विश्वास किया जाना चाहिए और उन्होंने सेवा के जो पूर्ण प्रभाव को प्रस्तुत किया उसे समझने की आवश्यकता है।''

इन बच्चों को अपरिसीम आनंद देने की आवश्यक विस्तृत योजना के बारे में उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम इस गतिविधि को सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट के द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए, सख्त दिशानिर्देशों के तहत जिनका पालन किया जाना है।

इसके बाद, रोटेरियंस को उन स्कूलों तक पहुँचता है जहां पूरे नागपुर के स्कूलों में दिव्यांग बच्चे हैं और योजनाबद्ध गतिविधियों में बच्चों के भाग लेने की अनुमति स्कूल अधिकारियों एवं बच्चों के माता-पिता, दोनों से ही ली जानी चाहिए।

बहरी कहते हैं - वर्ष के लिए नियोजित की गतिविधियों के आधार पर, स्कूल उन बच्चों की पहचान करते हैं जो *उड़ान* में भाग लेंगे। हमारा सदैव यह प्रयास रहा है हम अधिक से अधिक स्कूलों से बच्चों को ले सकें ताकि हम उन्हें आनंददायक अनुभव प्रदान कर सकें।

पूरी तरह से रोटरेक्ट भागीदारी

जिले के रोटर अभिनेताओं के द्वारा निभाई गई असीमित भागीदारी को स्वीकार करते हुए व इसकी प्रशंसा करते हुए शकीर कहते हैं कि - ''वे बहुत उत्साही हैं, 6 से 7 रोटारेक्ट क्लबों से आए है और उन्होंने हमें बहुत बड़ा सहयोग प्रदान किया है क्योंकि इस समारोह (आयोजन) को आयोजित करने में बहुत सी तकनीकी कठिनाइयां शामिल थी, जैसे पहले सरकार और स्कूलों से अनुमति लेना और 38 से अधिक स्कूलों के बच्चों को यहां लाना।''

रोटरी-अभिनेताओं के सहयोग का समर्थन करते हुए बहरी कहते हैं कि - ''इस वार्षिक आयोजन को क्रियान्वित किया जाना और इसकी सफलता केवल हमारे रोटरी-अभिनेताओं, कल के युवा के सहयोग के कारण ही संभव हो पायी है। विभिन्न कॉलेजों के ये यंगस्टरस सेवा प्रदान करने के इस अवसर के लिए तत्पर हैं और वे हर संभव तरीके से इस आयोजन में हमें सहयोग देने के लिए हमेशा इच्छुक एवं तैयार हैं। इन प्रसन्नता भरे युवा छात्रों में करूणा भाव को देखना असाधारण व उल्लेखनीय है।''

प्रत्येक वर्ष अलग-अलग गतिविधियों का चुनाव आयोजक टीम के द्वारा किया जाता है और इस

वर्ष जुम्बा को चुना गया था और बच्चों को दो सप्ताह से अधिक का प्रशिक्षण दिया गया था। डीजीई बताते हैं कि – ''45 मिनट तक 845 बच्चों का जुम्बा प्रदर्शन देखना एक खूबसूरत नजारा था और यह लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में गया है।''

पंजीकरण के बाद रोटेरियन ने सभी बच्चों, शिक्षकों और सपोर्टिंग स्टाफ के लिए स्वादिष्ट नाश्ता परोसा। फिर बच्चों को उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों जैसे या नृत्य या खेल जो वह करेंगे उसके आधार पर उन्हें समूहों में बांटा गया और यदि आपने उन सैकड़ों बच्चों को देखा है और उनके लिए खेद महसूस किया है जो अपने स्कूल में किसी बड़े आयोजित कार्यक्रम में बाहर धूप में किसी रोटरी गणमान्य का स्वागत करने के लिए धैर्यपूर्वक इंतजार करते हैं तो रोटरी क्लब नागपुरे आपको ऐसा नहीं करने देंगे। *उड़ान* को मनकापुर इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया था जिसमें वातानुकूलित खेल सुविधा है।

नेत्रहीन बच्चों के लिए क्रिकेट मैच

इस वर्ष, नेत्रहीने बच्चों के लिए ग्रुप में एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया जिसमें उनके लिए विशेष रूप

जुम्बा नृत्य का प्रदशन।

से ध्वनि वाली गेंद बनायी गई थी। वॉलीबॉल, हैंडबॉल, व्हीच चेयर रेस, कैरम और शतरंज अन्य खेल थे जो आयोजित किए गए थे।

बहरी बताते हैं - ''बच्चों ने वास्तव में म्यूजिकल चेयर के खेल का आानंद उठाया, यह हमारे लिए एक साधारण ऐक्टिविटी है पर मानसिक या शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। उत्साह और इन खेलों में भाग लेने में, कई लोगों की आंखों को आंसुओं से सराबोर कर दिया और हर बच्चे के चेहरे की मुस्कान ने जीवनभर के लिए इस याद को दिल में संजो लिया।''

खेल के राउण्ड के बाद, बच्चों को शानदार लंच, होटल सेंटर पॉइंट, शहर के प्रमुख होटल व्यवसायी के द्वारा दिया गया। हर वर्ष बच्चों को लगभग 100 रोटेरियनों और उनके सहायकों एवं 100 रोटरी-अभिनेताओं के द्वारा उनका ब्रेकफास्ट और लंच परोसा जाता है एंव सहायता प्रदान की जाती है और विभिन्न गतिविधियों में निगरानी की जाती है।

लंच के बाद थोड़ा आराम कर लेने के बाद, हल्की गतिविधियों का एक नया सेट आरंभ होता है और पुरस्कार वितरण समारोह के बाद उनके लिए 'संगीत समय' का आरंभ होता है। वह बताते हैं - ''संगीत के प्रति प्रतिक्रिया इतनी गहन होती है कि जब बच्चों के घर वापस लौटने का समय होता है तब बच्चों को इससे हटने के लिए राजी करना बहुत मुश्किल हो जाता है। ब्रेकफास्ट से फन और फन से गेम्स तक इन बच्चों के साथ इतनी निकटता से दिन बिताने के बाद यह हमारे लिए भी बहुत दुखभरा हो जाता है कि हम उनहें जाने दें। हमें स्वयं को याद दिलवाना है कि अगले वर्ष में फिर से इन बच्चों के साथ हमारी आत्मा को संतोष प्रदान करने वाली एक यात्रा होगी।''

पूरे आयोजन में लगभग ₹7 लाख का खर्च आया है। बहरी बताते हैं कि नागपुर में अब यह इतना लोकप्रिय समारोह हो गया है कि स्थानीय समुदाय भी इसमें आर्थिक व अन्य प्रकार से सहयोग देते हैं। कॉर्पोरेट और परोपकारी-जन, दोनों ही इसमें योगदान करते हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

स्टॉप एनसीडी - सकारात्मक स्वास्थ्य के लिए रोटरी की योजना

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी मंडल डायरेक्टर कमल संघवी और डॉ. भारत पांड्या ने हमारे क्षेत्र के लिए एक नई पहल की है - प्रोजेक्ट पॉजीटिव हेल्थ - स्टॉप एनसीडी।

भारत एनसीडी महामारी/संक्रमण का सामना कर रहा है जो कि 50 फिसदी मौतों के लिए जिम्मेदार है। भारतीय लोगों में आनुवांशिकीय और सांस्कृतिक रूप से गैर-संचारी रोगों या एनसीडी के विकास की संभावना है जो कि समय से पहले होने वाली मौतों का एक मुख्य कारण रहा है। भारतीयों में अनुचित जीवनशैली एवं आहार की आदतें एनसीडी वृद्धि होने में योगदान देती हैं। उच्च कैलोरी वाला भोजन, ज्यादा नमक, तेल एंव चीनी आतंकवाद से कई गुना अधिक लोगों को मारता है। चार सामान्य एनसीडी हैं - मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग, सीवीए (सट्रोक) और क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी)।

'स्टॉप एनसीडी' प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए एक नेशनल कॅमेटी गठित की गई है। एक त्रिआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है:-

1. अपने नंबर अभियान को जानिए

- हर रोटरी क्लब को अभियान चलाना चाहिए जो हर व्यस्क को अपने तीन मुख्य हेल्थ नंबरों - वजन, बीपी और ब्लड शुगर को जानने की

ओर प्रेरित करता है। क्लबों को ङ्गअपने नंबरों को जानेंफ कैम्पों को आयोजन, वजन, बीपी और ब्लड शुगर को लोगों के लिए नियमित रूप से चेक करने के लिए करना चाहिए। ये कैंप सस्ते हैं और आयोजित करने में आसान है।

- इन शिविरों (कैंप) के दौरान, हेल्थ लिटरेचर जो सही संख्या के महत्व से संबंधित है - बीपी 120/80, बीएमआई 25 से कम, फास्टिंग ब्लड शुगर 100 से कम और लंच के बाद की शुगर 140 से कम होने पर अवश्य जोर दिया जाना चाहिए।
- डायबिटिज, बीपी, हृदय रोग, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर को नियंत्रित करने के लिए ब्रोशर वितरित करें जिसमें इनको नियंत्रित करने के सरल उपाय शामिल हैं। स्वस्थ आहार और स्वस्थ जीवनशैली के पर ब्रोशर वितरित करें। कैंप में एनसीडी पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के तहत एक हेल्थ टॉक या पैनल चर्चा को किया जा सकता है।
- नियमित शिविरों और अवेयरनेस कार्यक्रमों के अलावा सभी क्लबों के द्वारा चार हेल्थ शिविरों के लिए पैन-इंडिया की आम तारीख को

National Committee Members

Name of NCM	RI District Number	Contact Numbers
Dr E K Sagadhevan	3202, 3000, 3232	9994477725
Dr Sushil Khurana	3011, 3012, 3100	9810056308
Dr Indumati Gopinathan	3141 & 3142	9820031371
Dr K Ravi Appaji	3181, 3182, 3190	98805 61430
Dr K Vijayakumar	3212	9443161102, 9025162113
Dr Sayantan Gupta	3240 & 3291	9734184165
Dr R Bharat	3250	9934320311
Ashok Singh	3030, 3261, 3262	9861010130
Dr Zamin Hussain	3040 & 3053	9827316646
Dr Mohan Prasad G V	3020, 3150, 3160	9849082522
Jayprakash Vyas	3054	9824012876

निर्धारित किया गया है। पैन-इंडिया शिविरों और अवेयरनेस कार्यक्रमों की तारीख हैं:-

- **29 सितंबर, 2019, रविवार - विश्व हृदय दिवस**
  14 नवंबर, 2019, गुरूवार - विश्व मधुमेह दिवस
  23 फरवरी, 2020, रविवार - रोटरी की वर्षगांठ
  7 अप्रैल, 2020, मंगलवार - विश्व स्वास्थ्य दिवस

2. जागरूकता फैलाना

- दो-आयामी दृष्टिकोण - रोटेरियनों और समुदाय के बीच जागरूकता, स्कूल और कॉलेजों में जागरूकता।
- .बातचीत, वीडियो, पम्पलेट और ब्रोशर के साथ जागरूकता अभियान।
- स्कूल और कालेजों में युवाओं में मोटापे पर संबोधित किए जाने का लक्ष्य बनाना चाहिए। अब जबकि व्यस्कों के व्यवहार को बदलना आसान काम नहीं है तो बच्चों और कम उम्र के व्यस्कों में उनके व्यवहार को बदलना आसान है। स्कूल, कालेजों में सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाना इस योजना का आवश्यक लक्ष्य है।
- रोटरेक्टरों की भागीदारी आवश्यक है। रोटारैक्ट क्लब सोशल मीडिया अभियान में मदद कर सकते हैं और स्कूल और कालेजों में जागरूकता फैला सकते हैं।
- अभियान की टैगलाइन है: एक चम्मच कम, चार कदम आगे। इसका मतलब है कि नमक, तेल और चीनी का एक चम्मच कम और 30 मिनट व्यायाम प्रतिदिन करना।

3. सिफारिश की भूमिका:

अन्य एनजीओ के साथ रोटरी एक एडवोकेसी ग्रुप (सिफारिश समूह) को गठित कर सकता है जो सरकार के साथ प्रमुख चरण पर जाने के लिए एनसीडी कंट्रोल करने और स्वस्थ जीवनचर्या के एजेंडा को आगे बढ़ा सकते हैं। सिफारिश विशेष

रूप से नमक और ऊर्जा सामग्रियों, अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर वैधानिक चेतावनी, सिगरेट जैसी चीजों, जंक फूड के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने पर, खाद्य लेबलिंग द्वारा कर सुनिश्चित की जा सकती है।

रोटरी ने पॉजीटिव हेल्थ प्रोजेक्ट की नयी शुरूवात की है - स्टॉप एनसीडी और लोगों में सकारात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए इसे पैन इंडिया की पहल बनाई है। यह कम लागत की है इसे लंबे समय तक सतत जारी रखा जा सकता है। ■

TRF की मदद से अच्छे कार्य

हेल्थकेयर सुविधाओं को बेहतर बनाना

टीम रोटरी न्यूज़

DRFC आशीष अजमेरा, IPDG पिंकी पटेल और रोटरी क्लब वापी के अध्यक्ष (2018-19) केतन पटेल की उपस्थिति में PRIP कल्याण बेनर्जी ने स्वास्थ्य संबंधी उपकरण हरिया रोटरी अस्पताल को सौंपा।

वापी के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3060 ने अभी हाल ही में शहर के हरिया रोटरी अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर की सुविधाओं को बेतहर बनाया है। मेडिकल उपकरण जैसे न्यूरो-सर्जिकल ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप, ऑपरेटिंग ड्रिल, डेफिब्रिलेटर, ईसीजी मशीन, सीआर सिस्टम, टोनोमीटर, सिरिंज और इंफ्यूजन पंप, 85,123 डॉलर का फंड ग्लोबल अनुदान के द्वारा दिया गया। दिए गए योगदान राशि में गिरधारी लाल मोदी ने 30,000 डॉलर का टर्म गिफ्ट और रो ई मंडल 3142 आरसी मुंबई डाउनटाउन सीलैंड के एक सदस्य के द्वारा 16,000 डॉलर की राशि का योगदान दिया गया, आरसी वापी का हिस्सा 16,000 डॉलर का था और शेष राशि टीआरएफ की ओर से थी।

अस्पताल को उनके रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत क्लब के द्वारा चलाया जाता है। पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी ने डी जी पिंकी पटेल, डीआरएफसी आशीष अजमेरा और पीडीजी आशीस रॉय, क्लब अध्यक्ष केतन पटेल और सचिव राकेश पटवारी की उपस्थिति में जून के अंत में अस्पताल प्रशासन को उपकरण सौंपे।■

अपनी SUV निकालो, गांव की ओर चलो

रशीदा भगत

मंडल 3111 के इस गवर्नर ने अपने महत्वपूर्ण वर्ष के संचालन की तैयारी कितनी बढ़िया तरह से की थी दीपक गुप्ता के पदस्थापन समारोह में यह साफ़ तौर से नज़र आ रहा था।, एक भारतीय रोटरी मंडल में डीजी की स्थापना से जुड़ा ग्लैमर और शानो शौकत, संगीत और नृत्य पूरी धूमधाम के साथ सभी कुछ मौजूद थे।

लेकिन सबका ध्यान जिसने अपनी ओर बरबस खींचा, वो थी पिछले कई महीनों में उनके द्वारा तैयार की गई क्लब स्तर पर किये जाने वाली सेवा परियोजनाओं पर वीडियो प्रस्तुति। ''समुदाय की जरूरतों का आकलन करने के लिए पिछले एक साल में मैं कई जगह गया हूं, और मेरा विश्वास है, हमें बहुत दूर जाने की ज़रुरत नहीं है। एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) से सिर्फ 20 या 30 किमी दूर निकलिये और लोगों की समस्याओं से आप रूबरू हो जायेंगे। दोस्तों, हम सभी के पास एसयूवी है, उन्हें बाहर निकालने और गांवों की ओर रुख करने का वक़्त आ गया है क्योंकि वहाँ की ज़रूरतें बहुत सारी हैं,'' गुड़गांव में एक शानदार स्थापना समारोह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा।

उनका कहना था कि मंडल में कई क्लब गलती कर रहे थे, ''वे सोच रहे थे कि हम अपने सभी काम एनसीआर में कर सकते हैं। लेकिन मैंने देखा कि अगर हम राजमार्ग से मुश्किल से 200 या 300 मीटर दूर जाएँ, तो जीवन बदल जाता है। इस साल के दौरान, हम सभी अपने सुविधा क्षेत्र से बाहर निकलने का संकल्प लें, लोगों की जरूरतों का आकलन करें और उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास करें।''

सहयोग का महत्व

सहयोग और सहभागिता के महत्व पर विशेष जोर देते हुए, गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पहले से ही EKAD लर्निंग संस्था के साथ सहभागिता की है, जो साक्षरता और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही है। ''हम एक साथ काम करने की संभावना तलाश रहे थे, बिना सहयोग के बड़ी परियोजनाओं को करना आसान नहीं है। इसलिए अपने फोकस क्षेत्रों को चुनें, स्थानीय लोगों से मिलें। जब आप व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होंगे, तो ही स्थानीय लोग आपको गंभीरता से लेंगे। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसे हम हल नहीं कर सकते लेकिन आपको स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत करनी होगी, उनकी आवश्यकताओं को समझना होगा और फिर उन्हें संबोधित करना होगा। व्यापार में, कहा जाता है कि अपनी कुर्सी पर बैठे बिना, कोई भी व्यवसाय नहीं किया जा सकता और समाज सेवा के लिए भी यही सत्य है। इसे दूर बैठ कर नियंत्रित नहीं किया जा सकता।''

अपने सभी क्लब अध्यक्षों, सचिवों और अन्य अधिकारियों से उन्होंने आग्रह किया कि वे सेवा परियोजनाओं के विचारों को उनके साथ साझा करें, और अन्य क्लबों के साथ मिल कर बड़ी परियोजनाओं को करने की संभावनाऐं तलाश करें, डीजी ने कहा, ''आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि बाहर कितने सारे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग आपकी मदद के लिए इंतजार कर रहे हैं और हम किस्मत वाले हैं कि नियति ने हमें वंचित और अपेक्षाकृत कम भाग्यशाली लोगों की मदद करने का मौका दिया है। अस्पतालों में जाएँ , गाँव के स्कूलों में जाएँ, गरीब किसानों के लिए काम करें, जिस किसी के साथ जुड़ सकते हैं जुड़ें, लेकिन बाहर निकलें और इसे करें।''

उन्होंने कहा कि कोई भी परियोजना छोटी नहीं होती है; और आज तक रोटरी के किसी भी प्रोजेक्ट में पैसों की वजह से काम नहीं रुका है। ''अगर कुछ अधूरा छूट भी गया है, तो उसकी वजह ये है कि हम अपने सुविधा के दायरे से बाहर नहीं आते; तो चलिए इससे बाहर निकलते हैं और काम करते हैं।''

ड्रीम प्रोजेक्ट

गुप्ता ने कहा कि इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए, उन्हें देहरादून में PRID सुदर्शन अग्रवाल द्वारा 300 गरीब छात्राओं के लिए निर्मित एक आवासीय विद्यालय हिम ज्योति स्कूल से प्रेरणा मिली। रो ई मंडल 3012 के दो रोटेरियन संजय अरोड़ा और सचिन गुप्ता ने इस परियोजना के लिए भूमि, सरकार के अनुमोदन,स्वीकृति आदि प्राप्त करने में मदद की।

''यह परियोजना करीब ₹35 से ₹40 करोड़ की है, लेकिन मुझे सुदर्शन अग्रवाल के की तरह बनने में कोई आपत्ति नहीं है, जो अपने आप को एक अंतरर्राष्ट्रीय, पेशेवर याचक कहते थे। अपना सपना साकार करने के लिए मैं हर दरवाजा खटखटाऊंगा।''

गुप्ता ने कहा कि इस साल वह एक और प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते थे, एक मोबाइल आई क्लीनिक की स्थापना। ''इस वर्ष की तैयारी के लिए जब मैं गाँवों में घूमा, तो मैंने पाया कि कई गाँवों में एक भी डॉक्टर नहीं था। और ये सभी गाँव NCR से बहुत दूर नहीं हैं; 50 किमी के अन्दर ही हैं। जब ''हम उन गाँवों में जा कर चिकित्सा शिविरों के माध्यम से मोतियाबिंद की सर्जरी करवाते थे, तो 80 साल के पुरुष अपनी दृष्टि ठीक करवाने के लिए हमारे पैर छू कर हमसे विनती करते थे। क्या हम ऐसे समाज में रहना चाहते हैं जहाँ बुजुर्गों को मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाने के लिए हमारे पैर छूने पड़ें। आइये लोगों तक यह सुविधा पहुंचाने के लिए मोबाइल वैन उपलब्ध करवाएं।''

एक अन्य परियोजना को ले कर वह बहुत उत्साहित थे गुलाबी टैक्सी परियोजना, जिसके अंतर्गत महिलाओं को टैक्सी प्रदान की जाएगी; एक और परियोजना, सोनीपत की एक अदालत के परिसर में एक डिफिब्रिलेटर स्थापित करना था, ठीक वैसा ही जैसा उन्होंने विदेशी हवाई अड्डे पर देखा था।

हम गाँवों में जा कर चिकित्सा शिविरों के माध्यम से मोतियाबिंद की सर्जरी करवाते थे, तो 80 साल के पुरुष अपनी दृष्टि ठीक करवाने के लिए हमारे पैर छू कर हमसे विनती करते थे। क्या हम ऐसे समाज में रहना चाहते हैं जहाँ बुजुर्गों को मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाने के लिए हमारे पैर छूने पड़ें।

रो ई मंडल 3012 **डी जी दीपक गुप्ता**

पी एच एफ से मेजर डोनर्स तक

डिस्टिक्ट ट्रेनर और पीडीजी मुकेश अरनेजा की तरफ देखते हुए, गुप्ता ने कहा, ''2007-08 में एक वो समय था, जब हम झक्क्र सदस्यों की तलाश में कई जगह गए, लेकिन आज रोटरी नव वर्ष के पहले दिन ही मेजर डोनर बनने के लिए हमारे मंडल के बहुत से रोटेरियन टीआरएफ को 10,000 डॉलर दान करने के लिए आगे आए हैं और वह भी स्वेच्छा से; मुझे कहने की जरूरत नहीं पड़ी।'' बैठक में सम्मानित किये जाने वाले प्रमुख दाताओं ने ट्रस्टी गुलाम वाहनवती को टीआरएफ के नाम अपने चेक सौंपे।

चेक के माध्यम से स्वयं गुप्ता ने 30,000 डॉलर अपना टीआरएफ योगदान देते हुए कहा कि यह राशि फाउंडेशन में अपने कुल योगदान को 1,07,000 डॉलर तक ले जाएगी। ''इस साल के अंत तक अपना ज़रूरी दान पूरा कर मैं AKD सदस्य बनने की कोशिश करूंगा, मंडल अध्यक्ष ने वादा किया।''

मंडल अध्यक्ष के स्थापना समारोह में टीआरएफ योगदान की झड़ी देख कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए,

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस् के अध्यक्ष डी रविशंकर और पाओला के साथ DG दीपक गुप्ता (बाएं), और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी। PDG गण जे के गौर, रूपक जैन, रमेश अग्रवाल, शरत जैन एवं सुभाष जैन चित्र में शामिल हैं।

निर्वाचित मंडल गवर्नर दीपक गुप्ता और उनकी पत्नी रानी, डीजी सुभाष जैन और उनकी पत्नी बबीता को सम्मानित किया गया।

वाहनवती ने कहा कि यह जानकर उन्हें सबसे ज्यादा खुशी हुई कि रो ई मंडल 3012 के रोटेरियन, अमिता मोहिन्द्रु और मोहिन्द्रु ने AKS सदस्य बनने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि ''दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में, रोटरी क्लब बैंगलोर के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर का प्रेरक भाषण सुनने के बाद अमिता ने AKS बनने का संकल्प लिया।''

अपनी स्थापना की तारीख से पहले ही इतनी सारी अच्छी परियोजनाओं की तैयारी के लिए गुप्ता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ''जब-जब भी डीजीयों को बैठकों में बुलाया गया था, उनकी प्रतिबद्धता और जुनून को उन्होंने तभी भांप लिया था। गुप्ता को इतनी अधिक जानकारी है और बहुत स्पष्टवादी हैं, वे अपने विचार व्यक्त करने में कभी भी हिचकिचाते नहीं थे। मैं सभी डीजीयों से आग्रह करूंगा कि आप जैसा भी महसूस करते हैं उसके बारे में खुल कर कहें। यह बहुत ज़रूरी है।''

मेरा मानना है कि मैंने शाहजहाँ से कहीं बेहतर काम किया है। राजसी शान की भव्य इमारत बनाने के अलावा और क्या उद्देश्य है? क्या इसने किसी की सेवा की है? पाउला और मैंने मिलकर जो किया है, उसमें शान और सेवा दोनों हैं!

रोटोरिटन **डी रविशंकर**

उस शाम शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की परियोजनाओं के बारे में गुप्ता ने घोषणा की थी, वाहनवटी ने कहा, ''लेकिन यह सब वह अकेले नहीं कर सकते। यहां आये हुए प्रत्येक व्यक्ति को उनका समर्थन करना चाहिए। केवल टीम वर्क ही हमारे सपनों को हकीकत में बदल सकता है।''

उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से अनुरोध किया कि ''जहां हम एन्डोमेन्ट फण्ड पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं वहीं हमें वार्षिक निधि को नहीं भूलना चाहिए। हमें सभी टीआरएफ फंड को पैसे देने की आवश्यकता है।''

इसके अलावा, बड़े अनुदानों के साथ बड़ी परियोजनाएँ करने की आवश्यकता के बारे में चर्चा करते हुए, ट्रस्टी ने कहा कि टीआरएफ बड़े अनुदानों के प्रारूप को मूर्त रूप देने के अंतिम चरण में था - ये अनुदान 450,000 डॉलर का होगा या आधा मिलियन का, तय किया जा रहा था। इसे 1 जुलाई, 2020 से लागू होने के बहुत पहले ही बता दिया जाएगा।

बाद में प्रश्नोत्तर काल में, जब गुप्ता से पूछा गया कि रविशंकर ने उनकी पत्नी पाउला के लिए ताजमहल बनाने के बजाय, जैसा कि सम्राट शाहजहां ने किया था, टीआरएफ को ₹100 करोड़ क्यों दिए थे, दान दाता ने अपने अनोखे अंदाज़ में कहा: ''मुझे यह कहने के लिए क्षमा करें; मैं जानता हूँ कि आप दिल्ली निवासी ताजमहल से प्यार करते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि मैंने शाहजहाँ से कहीं बेहतर काम किया है। राजसी शान की भव्य इमारत बनाने के अलावा इसका और क्या उद्देश्य है? क्या इसने किसी की सेवा की है? टीआरएफ में योगदान देकर, पाउला और मैंने मिलकर लगभग 230 देशों में ताजमहल बनाने की कोशिश की है, क्योंकि ये वो जगह हैं जहाँ टीआरएफ का पैसा जाता है। इसलिए हमने जो किया है, उसमें शान और सेवा दोनों हैं!''

पाओला और रविशंकर को बात सुनने के बाद ''AKS सदस्य बनने के लिए पांच मिनट भी नहीं सोचने पर'' गुप्ता ने अमिता को बधाई दी। यह पूछने पर कि वह एक चीज कौन सी है जिसे वह समाज में बदलना चाहेगी, उसने कहा, ''हमारे देश में हमारे यहां बहुत ज़्यादा अमीर और बहुत ज़्यादा गरीब लोग हैं; मेरे ख़याल से हम सभी को उस अंतर को पाटने की दिशा में काम करना चाहिए।''

चित्र: रशीदा भगत

RID Dr.Bharath

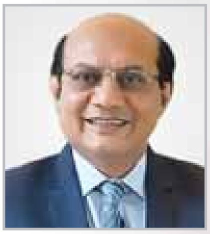
RID Kamal

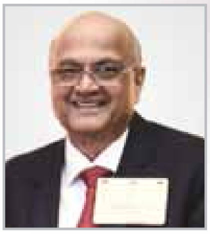
Trustee Gulam

The Rotary Foundation | END POLIO NOW

पोलिओ मुक्त योजना** के लिए

1500 USD या Rs. One Lakh

सहयोग करें और निम्नलिखित लाभ प्राप्त करें।

1. आपके द्वारा दी गई सहयोग राशी 1 लाख रुपये को मद्धेनज़र रखते हुए मेलिण्डा गेट्स फाउंडेशन के द्वारा 2 लाख रुपये का सहयोग दिया जाएगा। इस प्रकार पोलिऑ ग्रस्त रोगी को कुल मिलाकर 3 लाख रुपये का लाभ प्राप्त होगा।
2. रोटरी फाउंडेशन आपको PHF / MPHF / Major Donor जैसी मान्यता देगा और आपको 80G छुट भी प्राप्त होगी।
3. पोलिओ मुक्त योजना में आपके द्वारा सहयोग राशी को ध्यान में रखते हुए विशेष जिला मान्यता* दी जायेगी जैसे कि...

- एण्ड पोलिओ फेल्लो पिन
- अंगवस्त्र
- RID, Trustee, EPNC & Your DG के द्वारा प्रमाण पत्र

Rotary EPF
END POLIO FELLOW

** Cheque or DD favouring
ROTARY FOUNDATION (INDIA)
payable at New Delhi Or online
www.endpolio.org/donate

* For special kit send Rs. 1000 as Cheque or DD favouring " ROTARY EPF ACCOUNT" Payble at Erode
AC No -919020065960568. Axis Bank, Gandhiji Road Erode .
IFSC Code - UTIB0002146

For Details Contact : Your EPNC, DG, DRFC & Dist. Polio Chairman

scan & view the videos

Dr. Saga
Rtn. PDG Dr E.K. Sagadhevan,
EPNC Zone 5 & 7
+91 99944 77725 pdgdrsaga@gmail.com

सफलता और असफलता दोनों को गले लगाए: पंड्या ने रोटरेक्टरों से कहा

टीम रोटरी न्यूज़

वातावरण उत्तेजना से गुंजायमान था। यह जबर्दस्त उत्साह रोटरेक्ट मंडल प्रशिक्षण सभा में भाग ले रहे रो ई मंडल 3141 के युवा रोटरेक्टरों द्वारा दिखाया जा रहा था। रोटरेक्टरों के लिए यह साहचर्य का आनंद लेने, सीखने और स्वीकृति प्राप्त करने का एक अवसर था।

उत्साहपूर्ण रोटरेकटरों से भरे हॉल को संबोधित करते हुए रो ई निदेशक भरत पंड्या ने कहा, ''हम रोटरेक्ट के इतिहास के एवं रोटरी-रोटरेक्ट संबंध के एक रोमांचक समय में है। विधान परिषद 2019 द्वारा पारित रोटरेक्ट अध्यादेश जिसमें रोटरेक्ट क्लबों को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय का सदस्य बनने के योग्य बनाया गया का उद्देश्य रोटरी के युवा साझेदारों के रूप में रोटरेक्ट के ओहदे को बढ़ाना और रोटरेक्ट आन्दोलन को बल प्रदान करना था।''

उन्होंने रोटरेक्टरों को रोटरेक्ट की सदस्यता बढ़ाने, नए क्लबों का गठन करने और समुदाय के अन्य युवाओं के साथ रोटरेक्ट के लाभों को साझा करने पर ध्यान केंद्रित करके *ग्रो रोटरेक्ट* पहल शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, 2018-19 में अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कार वितरित करते हुए उन्होंने अच्छे काम के लिए निवर्तमान डीआरआर हंसिका शाहनी का धन्यवाद् किया, और नवनिर्वाचित डीआरआर कुशल भुवा को आगे एक अच्छे साल के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

''आज की दुनिया बीतें हुए सालों के मुकाबले एक बेहतर जगह है लेकिन हमारी प्रवृत्ति केवल नकारात्मक चीज़ों पर ध्यान केन्द्रित करने की है। और हम सिस्टम की बुराई करते है और उसको दोष देते है। सिस्टम कौन बनाता है? कौन इसे बदलेगा? आप और मैं बदलेंगे। हम सिस्टम है और हम ही इसे बदल सकते है। हमें स्वयं से शुरुआत करनी होगी,'' पांड्या ने कहा। रोटरेक्ट के माध्यम से, उन्होंने आगे कहा, उनके पास अवसर है कि वे उनके नेतृत्व के सामर्थ्य को विकसित करके एवं उसे पूरा करके बदलाव को गले लगा सकता है।

विस्तारपूर्वक कहते हुए, उन्होंने कहा: ''आपको उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने चाहिए। अक्सर हम मध्यमता से संतुष्ट हो जाते है; इस चलता है वाले स्वभाव को बदलना होगा। हमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना होगा। उत्कृष्टता का मतलब सर्वश्रेष्ठ होना नहीं है, बल्कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना है, चाहे पढ़ाई में हो, पेशे में हो, काम में हो या रोटरेक्ट में। आप में से हर एक को अपना सर्वश्रेष्ठ करना होगा।''

RID भरत पांड्या रोटरेक्ट मंडल सम्मेलन में। चित्र में DRR कुशाल भुवा भी शामिल हैं।

उन्होंने उनसे इन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए कहा:

- **प्रतिबद्धता:** करने के लिए सही चीज़ की पहचान करना और फिर चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद भी उसे करना। प्रतिबद्धता एक वादे को सच्चाई में परिवर्तित करती है।
- **क्षमता:** कुछ भी सार्थक हासिल करने के लिए हम जो करते है हमें उसमें सक्षम होना होगा। क्षमता के लिए कुछ कौशलों की आवश्यकता होती है और यह डीटीए आपको वे कौशल प्रदान करेगा।
- **आत्मविश्वास:** यह आपको आपकी सीमाओं को संयत करने एवं उन्हें फैलाने के योग्य बनाता है। आप जो कुछ भी करते है उसमें सफल होने के लिए आत्मविश्वास आपको शक्ति प्रदान करता है।

पांड्या ने एकत्रित हुए युवाओं से सफलता एवं विफलता दोनों को गले लगाने हेतु तैयार रहने के लिए कहा। ''हम हर बार सफल नहीं हो सकते। सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू है। जब आप सफल हो, तो अपनी सफलता का जश्न मनाये। लेकिन जब आप इसे अपने सर पर चढ़ने देते है, तो आप असफलता के रास्ते पर चलना शुरू कर देते है। असफलता एक स्वाभाविक घटना है। जब आप हारते है, तो उससे मिली सीख को मत भूलिए। असफलता को सफलता तक की सीढ़ी बनाइये।''

साथ ही, किसी भी व्यक्ति को सत्यनिष्ठा पर ध्यान देना चाहिए। अपने पसंदीदा क्षेत्र में पहचान बनाने के लिए कार्यों एवं कर्मों दोनों में सत्यनिष्ठा महत्वपूर्ण एवं जरूरी है। सत्यनिष्ठा रोटरी एवं रोटरेक्ट दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है ''क्योंकि हमारे काम, हमारे संसाधन, हमारी इज्जत और हमारा नाम भरोसे एवं सत्यनिष्ठा पर निर्भर होता है।''

अंतिम विचारों के साथ विदा लेते हुए, आरआईडी ने कहा, ''दुनिया पर अपनी छाप छोड़ने के बाद, याद रखिये कि अंतिम विश्लेषण में, हम सभी अपनी संपत्ति और अपने संसाधनों के अस्थायी संरक्षक है। संपत्ति का सबसे अच्छा उपयोग उसे कम भाग्यशाली लोगों के साथ साझा करना है। कोई भी चीज़ बांटने से बढ़ती है। मेरा मानना है कि हम सभी ने कभी ना कभी उस पेड़ के फल खाए है जिसे हमने नहीं बोया था। जब हमारा देने का समय आया है, तो हमें पेड़ और बगीचे लगाने चाहिए जिसके फल शायद हम कभी ना खा पाए, लेकिन जो आने वाली अनेक पीढ़ियों को लाभान्वित करेंगे। यह आपकी जिम्मेदारी है; एक ऐसी जिम्मेदारी जिसकी मुझे उम्मीद है कि आप वक्त आने पर पूरा करेंगे। आगे बढ़िये और दुनिया से जुड़ने की अपनी रोटरेक्ट यात्रा शुरू कीजिए,'' उन्होंने आगे कहा। ■

RID भरत पांड्या के साथ IPDRR हंसिका शहानी, DRR कुशाल भुवा, PDRR ओम चावला और PDG प्रफुल शर्मा (चरम दाएं) चित्र में शामिल हैं।

कुष्ठ रोगियों के जीवन में सुधार

किरण ज़ेहरा

वह केवल 20 वर्ष की थी जब बिहार के एक दूरस्थ गाँव की रहने वाली रामकली ने अपने हाथ और पांव में सुन्नता महसूस करना शुरू किया। उनके पति उन्हें स्थानीय अस्पताल ले गए। जब उन्होंने पुष्टि की कि उन्हें कुष्ठ है, तो उनके पति ने उन्हें अस्पताल में छोड़ दिया और कभी नहीं लौटें। उन्होंने तीन दिन सड़क पर बिताए। उनकी उँगलियाँ और पैर विकृत होने लगे। एक अजनबी उन्हें प्रयागराज (पूर्व में इलाहबाद) में नैनी के द लेप्रोसी मिशन हॉस्पिटल (TLM) में ले गया जहाँ उनके पैरों और हाथों की सुधारात्मक सर्जरियाँ की गई। ''वे मेरे हाथों की विकृतियों को ठीक नहीं कर सकते थे क्योंकि यह बीमारी बहुत आगे बढ़ चुकी थी। लेकिन उन्होंने मेरी देखभाल की और नि:शुल्क पौष्टिक भोजन, आवास और स्वास्थ्य सेवा प्रदान की।''

इस अस्पताल को इलाहबाद के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3120, का समर्थन प्राप्त है। सामान्य दवाइयाँ, शल्य चिकित्सीय सेवाएँ, नेत्र चिकित्सा, त्वचा संबंधी चिकित्सा, फ़िज़ीओथेरपी, आक्यपेशनल थेरेपी प्रदान करके और जूते एवं सहायक उपकरणों की व्यवस्था करके यह प्रतिदिन लगभग 450 लोगों की सेवा करता है। भर्ती हुए मरीजों के लिए उनके पास स्नेहालय नामक एक 150-बिस्तरों की सुविधा भी है जो ऐसे कुष्ठ रोगियों का एक निवास स्थान है जिनके पास कहीं ओर जाने की जगह नहीं है।

''इस बीमारी से पीड़ित लोग समुदाय से अत्यधिक कलंकित महसूस करते है। कुष्ठ रोग का इलाज है, लेकिन लोगों की सोच बदलना कठिन है, क्लब के पूर्व अध्यक्ष, रितेश सिंह कहते है। TLM उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार के रोगियों की सेवा करता है। क्लब ने हाल ही में पीआरआईडी सी भास्कर की मौजूदगी में 2.36 लाख की लागत वाली एक स्वचालित रोटियां बनाने की मशीन दान की। यह एक घंटे में 800 रोटियां बनाती है, जो परिसर के 400 लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त है,'' सिंह आगे कहते है।

रामकली जो अब इस परिसर में 40 वर्षों से भी अधिक समय से रह रही है कहती है, ''यदि मैं यहाँ नहीं होती, तो किसी ने मेरा ध्यान नहीं

पूर्व अध्यक्ष रितेश सिंह और क्लब अध्यक्ष पुनम रे नई रोटी मेकर से बनी रोटी को दिखाते हुए। चित्र में क्लब के अन्य सदस्य शामिल हैं।

रोटरी क्लब करूर, रो ई मंडल 3000 और रोटरी क्लब इलाहाबाद एलिट, रो ई मंडल 3120 के सदस्य, वाणिज्यिक वाशिंग मशीन के उद्घाटन पर।

रखा होता और शायद मैं सड़कों पर भीख मांग रही होती। लेकिन यहाँ, मेरे पास सबकुछ है। मुझे किसी और चीज़ की आवश्यकता नहीं है।'' सिंह कहते है कि TLM की दीवारों के अंदर, कुष्ठ रोगियों को आशा मिलती है। ''विकृत उँगलियों और त्वचा पर दाग-धब्बों वाले बच्चों, युवा अपंगों और बहुत ही बुजुर्ग मरीजों की डॉक्टरों और नर्सों के एक समुदाय द्वारा देखभाल की जाती है जिन्हें वास्तव में उनसे सहानुभूति है। हमारे क्लब को उनसे जुड़कर उनकी जिंदगियों को बेहतर बनाने में मदद करने पर गर्व है।''

अस्पताल द्वारा एक व्यावसायिक वाशिंग मशीन का अनुरोध किया गया था ताकि स्वास्थ्यकर ढंग से मरीजों के कपड़े धोए व सुखाए जा सकें। PRID भास्कर ने तुरंत मदद की पेशकश की। उनके क्लब रोटरी क्लब करूर, रो ई मंडल 3000, ने रोटरी क्लब इलाहाबाद एलीट के साथ मिलकर इस वर्ष अप्रैल में परिसर के भीतर एक धुलाई इकाई स्थापित की है जिसकी लागत ₹6.68 लाख है। इस मशीन का उद्घाटन IPDG स्तुति अग्रवाल द्वारा, रोटरी क्लब करूर के 21 सदस्यों की मौजूदगी में किया गया था। पूनम रे, रोटरी क्लब इलाहाबाद एलीट की अध्यक्ष, ने टीएलएम अस्पताल को समाज से दूर रहने वालों के लिए एक बेहतर जगह बनाने हेतु PRID भास्कर का धन्यवाद किया। ■

रोटरी न्यूज अब नेपाल में छपी है

रोई मंडल 3292, नेपाल के 119 रोटरी क्लबों के 5,000 रोटेरियन अब रोटरी न्यूज को नियमित रूप से पढ़ने का आनंद उठा सकते हैं क्योंकि मैगजीन अब काठमांडू में प्रिंट की जा रही है। ऐसा डीजी किरन लाल श्रेष्ठ के अथक प्रयासों की बदौलत संभव हो पाया, उनको धन्यवाद, जिन्हें नेपाल में बहुत से रोटेरियनों की मदद मिली। मैगजीन (पत्रिका) का पहला अंक काठमांडू में जिला मेंबरशिप और पब्लिक इमेज सेमिनार में अगस्त में जारी किया गया था और वहां पर 90 रोटरी क्लबों के 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। ■

बच्चों के जीवन को बचाने के लिए ग्लोबल ग्रांट

लाभार्थी बच्ची रुद्र गैलांडे के साथ RID भरत पांड्या और PDG बाल इनामदार और अन्य रोटेरियन अस्पताल के वार्ड में।

टीम रोटरी न्यूज़

दटचिंग लिटिल हार्ट्स - बाल चिकित्सा के लिए हृदय शल्य चिकित्सा की पहल सन् 2012-13 में रो ई मंडल 3140 में डॉ बाल इनामदार के द्वारा की गई थी जिसने अब तक 2,000 से अधिक बच्चों की जान बचाई है। रोटरी क्लब ने पूरे जिले में पहले साल के दौरान, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल (केडीएएच) में लगभग 1,000 सर्जरी को प्रायोजित किया और इसके बाद पिछले चार वर्षों के दौरान मुंबई के पांच और अस्पतालों को शामिल किया गया। रो ई मंडल 3141 और 3142 में यह कई रोटेरियनों के दिल के तारों को सतत झंकृत कर रहा है।

अभी हाल ही में, प्रोजेक्ट ने ग्लोबल ग्रांट के सहयोग को पाया है, मुंबई वेस्ट कोस्ट के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3141 के डेओनार और मुंबई बांद्रा, इंटरनेशनल प्रायोजक आरसी वॉल्साल और रो ई मंडल 1210, इंग्लैंड और टीआरएफ सहित। 69,500 डॉलर के ग्रांट (अनुदान) 50 से बाल चिकित्सा सर्जरी को सहयोग मिलेगा। इस ग्रांट का एक हिस्सा, बच्चों में जन्मजात हृदय दोषों के परीक्षण के लिए गॉवों में कैंप के आयोजन करने में मदद प्रदान करेगा और केडीएएच में करेक्टिव ट्रीटमेंट उनके लिए प्रदान करने में मदद देगा, पीडीजी इनामदार ने कहा जो कि जिनकी कि ग्लोबल ग्रांट लाने के पीछे मुख्य भूमिका है।

रो ई मंडल के डायरेक्टर भारत पांड्या आठ महीने की आयु के रूद्र गलांडे की सर्जरी जो कि फेफड़ो संबंधी नलिकारोध से पीड़ित था उसके लिए केडीएएच को पहला चेक सौंप दिया, यह एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें कि त्तकाल की सर्जिकल ऑपरेशन की आवश्यकता होती है। उसके माता-पिता नांदेड के पास के एक रिमोट गांव के खेतिहर मजदूर हैं जिसके कारण वह महंगी सर्जरी का खर्च नहीं वहन कर सकते थे। उन्होंने अपने बच्चे को बचाने के लिए डॉ पांड्या को दिल से धन्यवाद दिया। बच्चे के जन्मजात दोष को ठीक करने के लिए बच्चे को सर्जरी की एक श्रंखला से गुजरना पड़ सकता है।

डॉ पांड्या ने असाधारण परोपकारी कार्यों की सराहना की जो कि दोनों जिलों के रोटेरियनों के द्वारा किया गया था और पिछड़े-गरीब परिवारों के जीवन को बेहतर जीवन प्रदान करने के लिए समस्त दुनिया के रोटरी क्लबों को सहयोग प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने केडीएएच में उपस्थित रोटेरियनों से कहा कि - ''फाउंडेशन की मदद करें ताकि समुदायों को लाभान्वित करने के लिए अधिक से अधिक रूप से इस तरह की बड़ी योजनाओं को लागू किया जा सके।'' अस्पताल के श्री नारायण, डॉ सुरेश राव और डॉ संतोष शेट्टी ने रोटेरियनों को वर्षों से उनके महत्वपूर्ण समर्थन एवं सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। ■

प्रोडेक्ट टचिंग लिटिल हार्टस् का पेहल चेक KDAH के डॉ सुरेश राव को सौंपते हुए।

मॉरीशस में आंख के भेंगेपन का इलाज

टीम रोटरी न्यूज़

मॉरीशस में 28 लोगों के आंख के भेंगेपन का इलाज किया गया, आर.सी. थाणे, रोई मंडल के रोटेरियन नेत्र विशेषज्ञों को धन्यवाद। "यह जब शुरू हुआ जब डॉक्टर हर्षा पाठक, जो एक नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं और आरसी फीनिक्स की मेंबर हैं, मॉरीशस में, उन्होंने हाल में ही हमारे क्लब का विजिट किया, उनसे मॉरीशस में आंख के भेंगेपन सिंड्रोम से पीड़ित बहुत से बच्चों के बारे में चर्चा हुई। उन्हें करेक्टिव सर्जरी की आवश्यकता है लेकिन देश में उनका इलाज करने के लिए योग्य सर्जन नहीं हैं,'' क्लब के भूतपूर्व अध्यक्ष अजय केलकर ने कहा।

भेंगापन या स्ट्रैबिस्मस आंख की धुरी का खिसक जाना या विचलन है। विजुअल डिसआर्डर को विशेष रूप से डिजाइन किए गए चश्मे पहनकर या सर्जरी के द्वारा ठीक किया जा सकता है।

केलकर ने कार्य शुरू किया और दो नेत्र विशेषज्ञों की टीम बनाई - डॉ अतुल सेठ और डॉ सिद्धार्थ केसरवानी, और चार वॉलेनटियर - आनंद काले, उनकी पत्नी कल्याणी काले, स्मिता महाजन और खुद केलकर। आरसी फीनिक्स के सदस्यों के सहयोग से टीम ने 28 सर्जरी की और मॉरीशस में मोका के सुब्रमानिया भारती गवर्नमेंट हॉस्पीटल में 175 बच्चों का इलाज किया जो आंख के भेंगेपन से पीड़ित थे।

बाएं सेः डॉ अतुल सेठ, डॉ सिद्धार्थ केसरवानी और रोटरी क्लब मॉरीशस के सदस्य।

प्रोजेक्ट की लागत ₹45 लाख थी। केलकर ने कहा "इसने हमें पूरी तरह से नया उत्साह प्रदान किया क्योंकि इसे मीडिया में व्यापक रूप से कवरेज मिली। इसने वहां के लोगों के बीच फैली आम धारणा को भी तोड़ दिया कि आंख के भेंगेपन का इलाज करने से आंख की रोशनी चली जाती है।'' शिविर से पहले स्थानीय रोटरी क्लब को गहन अभियान के द्वारा लोक अवधारणाओं को तोड़ना पड़ा था। ■

रोटरी-सीएसआर प्रोजेक्ट ने गोरखपुर में हैप्पी स्कूलों का निर्माण किया

छात्रों के साथ एक सरकारी स्कूल में रोटरी क्लब गोरखपुर के सदस्य।

यह 2,400 से अधिक विद्यार्थियों के लिए रोटरी-सीएसआर का एक उपहार था जिसमें 60 प्रतिशत लड़कियां उत्तर प्रदेश राज्य के गोरखपुर के 10 सरकारी स्कूलों के गरीब वंचित परिवारों से थीं। उपहार के रूप में उन्हें क्लासरूम लर्निंग को रोचक बनाने के लिए नई सुविधाएं मिलीं।

टोयो इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन, जापान को 30,000 डॉलर के सीएसआर फंड के लिए धन्यवाद, जो कि गोरखपुर में एक उर्वरक कारखाना स्थापित कर रहा है और टीआरएफ और आरसी रेपिड सिटी, साउथ डकोटा, यूएस, रो ई मंडल 5610, के लिए समान अनुदान दिया जा रहा है, वितरण प्रक्रिया को आरंभ करने के लिए मेगा प्रोजेक्ट में प्रारंभिक रूप से 60,128 डॉलर का योगदान दिया गया था जो आरसी गोरखपुर, रो ई मंडल 3120 के द्वारा हैप्पी स्कूल प्रोग्राम के अंतर्गत इंटरनेशनल पार्टनर के साथ कार्यान्वित की जा रही है।

क्लबों ने इलेक्ट्रिक वायरिंग को लगाने एवं कक्षाओं के लिए पंखे लगाने के अलावा डेस्क, बेंच, टॉयलेट ब्लॉक, हैंडवाश स्टेशन और पीने के पानी के लिए आर ओ यूनिट प्रदान किया है। आधुनिक शिक्षा पद्धति से पढ़ाई करवाने एवं कक्षा को विद्यार्थियों के लिए एक दिलचस्प जगह बनाने के लिए स्कूलों में ई-लर्निंग के लिए स्मार्ट क्लास भी डिजाइन किए गए थे। ■

ब्रिटिश भारत का छोटा इंग्लैंड

वी मुत्तुकुमारण

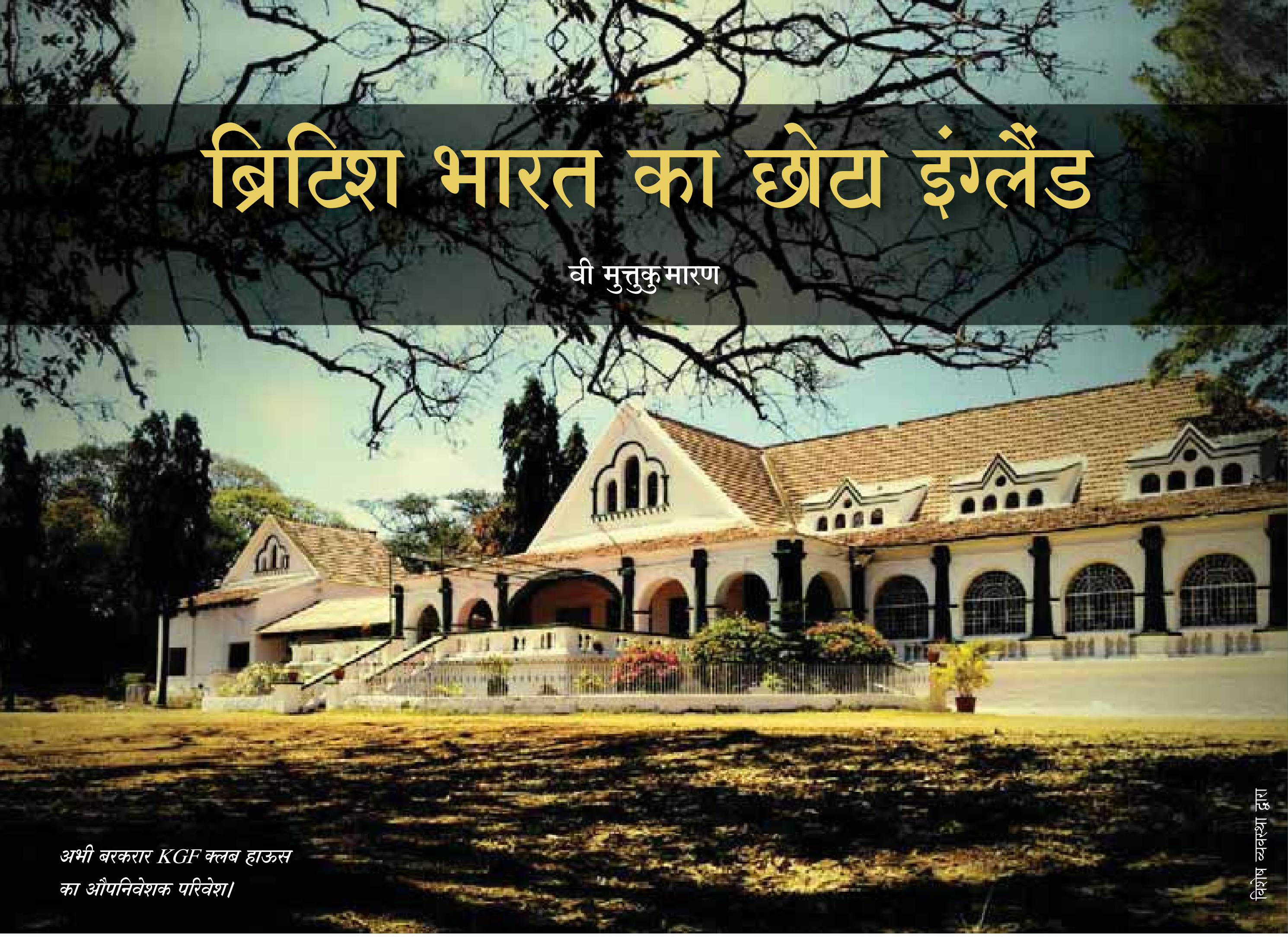

अभी बरकरार KGF क्लब हाऊस का औपनिवेशक परिवेश।

विशेष व्यवस्था द्वारा

क्या आप जानते हैं कि कोलार के स्वर्ण की खदानें, जो बेंगलुरु से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में स्थित है, सन 1902 ईस्वी में बिजली प्राप्त करने वाला एशिया में टोक्यो के बाद दूसरा शहर था? और आज भी, स्वर्ण एक्सप्रेस जो दुनिया की सबसे लंबी पैसेंजर ट्रेन (20 से अधिक कोच) है, बेंगलुरु के लिए चल रही है; और कदाचित, यह भारत में संगठित श्रमिकों को भर्ती करने वाली पहली निजी कंपनी थी।

19 वीं सदी के पूर्वार्द्ध तक, मैसूर क्षेत्र का विशाल क्षेत्र टीपू सुल्तान और वोड्येयार राजवंशों के बीच बंटा रहता था। ''सन् 1799 ईस्वी में श्रीरंगपट्टना में अपने कट्टर दुश्मन टीपू सुल्तान की मृत्यु के साथ, अंग्रेजों ने इस क्षेत्र को एक इकाई के रूप में एकीकृत किया और इसे वोड्येयर्स को दे दिया। उन्होंने तब से ईस्ट इंडिया कंपनी के एक आज्ञाकारी जागीरदार के रूप में इस क्षेत्र पर शासन किया,'' एक पत्रकार और कोलार के स्वर्ण की खदानों पर पीएचडी करने वाले एस श्रीकुमार याद करते हुए कहते हैं।

कोलार के चट्टानी इलाकों में सोना पाएं जाने और यात्रियों, प्रवासियों द्वारा सोने को हड़पने की खबरें, पीले धातु की कहानी आस-पास फ़ैल गई, ''जॉन वॉरेन द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के एक ऐतिहासिक प्रकाशन *एशियाटिक जर्नल 1804* में प्रकाशित होने से इस खनिज की उपस्थिति को विस्तृत वर्णन प्राप्त हुआ।''

सोने के लिए भाग - दौड़

सन् 1860 ईस्वी के दशक तक अंग्रेजों द्वारा सोने के उत्खनन के लिए अनेक अवैज्ञानिक विधियों का इस्तेमाल किया गया था, क्योंकि वे खजाने की खोज की संभावना से उत्साहित थे। सन 1865 ईस्वी में, एक युवा सैनिक माइकल फिट्जगेराल्ड लावेल ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से पाया कि कोलार में विशाल मात्रा में स्वर्ण उपलब्ध था और उसने मैसूर राजा वोड्यार से खनन पट्टे के लिए आवेदन किया।

एक जंग खा रहा खनन।

श्रीरामकुमार कहते हैं, ''लेकिन संसाधनों की कमी और तकनीकी जानकारी के अभाव के कारण, उसने सेना के प्रमुख और एक धनी व्यक्ति जॉर्ज डे ला पोएर ब्रेसफोर्ड को खनन अधिकार बेच दिया, जो सन 1870 ईस्वी के दशक के मध्य में एक सरकारी ठेकेदार के रूप में भी काम करता था।''

सन् 1876 ईस्वी में, बेर्स्फोर्ड ने धनी अंग्रेजों को मिलाकर एक समूह गठित किया और धरती से सोना निकालने के संयुक्त प्रयास के लिए मद्रास के एक मर्केंटाइल बैंक अरबूथनोत। कंपनी के साथ हाथ मिलाया। तब से, वह जॉन टेलर एंड संस में एक प्रमुख हितधारक बन गए, जिसने सन 1880 ईस्वी में गोल्ड रश को औपचारिक रूप से शुरू करने के लिए कर्मियों, सामग्री और संसाधनों को व्यापक पैमाने पर स्थानांतरित करना शुरू किया। ''यह सुनना थोड़ा अटपटा लग सकता है कि अंग्रेजी कंपनी को आजादी के बाद सन 1956 ईस्वी तक खान के परिचालन की अनुमति दी गई, क्योंकि पीएम जवाहरलाल नेहरू ने जॉन टेलर्स से अनुरोध किया कि वे इस सोने की खदानें संचालित करते रहें,'' क्योंकि उन्हें इस व्यवसाय में विशेषज्ञता प्राप्त है।

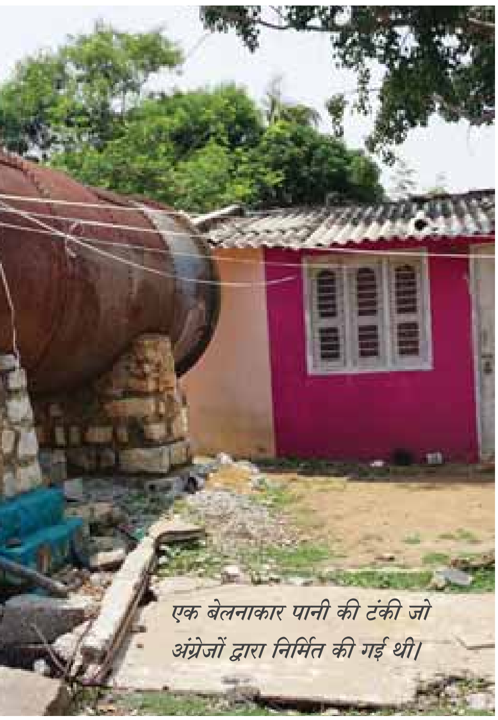

एक बेलनाकार पानी की टंकी जो अंग्रेजों द्वारा निर्मित की गई थी।

मजदूरों का संकट

अपने उत्कर्ष के समय में, सन 1900 ईस्वी से सन 1940 ईस्वी के दशक में, दुनिया की दूसरी सबसे गहरी सोने की खदानों में 40 से अधिक शाफ्ट थे, जो कुल मिलाकर 1,400 किलोमीटर से अधिक लंबी सुरंगों के मधुमक्खी के छत्ते के समान 3-4 किलोमीटर की गहराई तक चले गए थे। रोटरी क्लब 3190 आरडी बेंगलुरू के अध्यक्ष डी रविशंकर कहते है, ''खनन कार्य वर्ष 2001 में बंद हो गया, जब बढ़ती श्रम लागत, अनुपयोगी तकनीक और निवेश पर कम लाभ के कारण उद्यम घाटे का सौदा बन गया।''

बंद होने के समय केजीएफ के आस-पास लगभग 10 शाफ्ट परिचालित हो रहे थे। बेहतर उद्देश्य से भारत गोल्ड माइंस (बीजीएमएल) के बंद होने के बाद सरकार ने हजारों कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए एक नई कंपनी भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) शुरू की।

कोलार टाउन के मूल निवासी, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्किड्स के रोटेरियन नील माइकल जोसेफ खुशहल दिनों को याद कर उदास हो जाते हैं जब हजारों अंग्रेजों ने कोलार को अपना घर बनाया था। ''यहां तक कि अत्यधिक गर्मियों के दौरान, उन समय में औसत तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होता था। वर्ष भर पर्याप्त मात्रा में पौधों की ठंडी छाया और ठंडे मौसम के साथ, अंग्रेज अपने परिवारों को खानों में सुरक्षित नौकरी के लिए यहां लेकर आएं थे,'' उन्होंने याद करते हुए कहा।

जबकि ब्रिटेन के लोगों ने सोने की खदानों में प्रबंधकीय और पर्यवेक्षी नौकरियां प्राप्त की, मजदूर लोग मद्रास प्रांत से लाए गए, और इसमें ज्यादातर तमिल थे। कोलार में एक बडी ब्रिटिश बस्ती के संकेतक वाले औपनिवेशिक घरों की एक श्रृंखला रहस्यवादी आकर्षण की आभा को उजागर करती है। ''कोलार को भारत का छोटा इंग्लैंड कहा जाता था और सोने के प्रति जबर्दस्त आकर्षण के कारण, कई अंग्रेज यहां बसने और इस सोने का कुछ हिस्सा प्राप्त करने के लिए बहुत अधिक उत्सुक थे,'' जोसेफ ने कहा।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

New Directors and Trustees take office

The **RI Board of Directors** has 19 members — RI president, president-elect and 17 directors, who were nominated by their zones and elected at the RI Convention. The Board manages Rotary International affairs and funds in accordance with the RI Constitution and Bylaws. Nine new directors and the president-elect took office on July 1.

Tony (James Anthony) Black, RC Dunoon, Scotland

James Anthony Black is a veterinary surgeon who ran his own practice covering western Scotland's Cowal peninsula before retiring in 2008. He has served on the boards of numerous sporting organisations.

Since joining Rotary in 1982, Black has served as RIBI's youth activities chair and RI Youth Exchange Committee Chair. Black volunteered during an NID in India in 2012. He has served Rotary as Public Image Resource Group coordinator, vice-chair of the CoL Review Committee, and training leader, which he says was one of his most memorable experiences in the organisation. "You've got people from all over the world," he says. "It was phenomenal having them all talking to each other — it gave me such a buzz."

Black and his wife, Elspeth, who is also a Rotarian, are Bequest Society members.

Mário César Martins de Camargo RC Santo André, Brazil

Mário César Martins de Camargo was president of Gráfica Bandeirantes and is now a consultant to the print industry in Brazil. He serves on the board of Casa da Esperança (House of Hope), a hospital sponsored by his club since 1953.

A Rotarian since 1980, de Camargo was TRF Trustee in 2015–19. He and his wife, Denise, are Major Donors and Benefactors of TRF.

Jan Lucas Ket, RC Purmerend The Netherlands

Jan Lucas Ket retired in 2011 from Waterland Hospital in Purmerend, where he had been a paediatrician for 30 years — treating 20,000 children and one baby gorilla — and served as chair of the hospital's medical staff. He is now vice-president of the Waterland School for Music.

Ket coordinated logistics for a package grant scholarship awarded to an Indian sanitation official to study at the IHE Delft Institute for Water Education in the Netherlands. A Rotarian since 1988, Ket has been a member of TRF's Cadre of Technical Advisers and a lecturer on Rotary's role in preventive healthcare for mothers and children at various international conferences. During his year as club president, he co-founded RC Jihlava, Czech Republic.

Ket and his wife, Milou, have hosted RYE students and GSE members. They are Major Donors, Benefactors and Bequest Society members.

Kyun Kim, RC Busan-Dongrae, Korea

Kyun Kim is owner and executive chairman of a chemical products enterprise. He joined Rotary in 1993. "When I first became club president, I thought that was the most I could give to Rotary, so that year I gave Rotary all I had. But that experience opened my eyes to the bigger service of Rotary, and I saw that I could do much more," says Kim.

As district governor, Kim inducted 1,439 new Rotarians, the most of any Korean district for 2011–12. He has served as ARPIC and member of the board for *The Rotary Korea*, the regional Rotary magazine. Kim received the Service Above Self Award in 2014. He and his wife, Hye-Suk, are AKS Chair's Circle members .

Floyd A Lancia, RC Anthony Wayne (Fort Wayne), Indiana

Floyd Lancia began his professional life in education, first as a secondary school teacher and band director, and later as a school superintendent. He spent the second part of his career on his real estate development and construction business, which he has since sold. He has served on the boards of several organisations, including the

Community Foundation of Greater Fort Wayne and the Allen County-Fort Wayne Historical Society.

Lancia joined Rotary in 1970 and spearheaded TRF grant projects that have provided free eye surgeries in Nicaragua and clean water for communities in Mexico. He is a recipient of TRF's Citation for Meritorious Service and Distinguished Service Award, and the RI's Service Above Self Award. He and his wife, Betty Lou, are members of the AKS and Bequest Society and sponsors of Rotary Peace Fellows.

Bharat S Pandya, RC Borivli, India

Bharat Pandya is a practising general and laparoscopic surgeon. He and his wife, Madhavi, a gynaecologist, own a private hospital in Mumbai. He is a fellow of the International College of Surgeons and has served on the board of the Jan Shikshan Sansthan vocational training institute, sponsored by the Indian government.

Pandya joined Rotary in 1989. During his year as governor of RID 3140, his district contributed over $2 million to TRF, making it the top contributor worldwide for 2006–07. He has led numerous projects, including water and sanitation projects funded by TRF grants that installed check dams so that villagers need not walk long distances to collect water.

Pandya has served as regional RI membership coordinator, training leader and member of Rotary's Membership and Convention Promotion Committees and India PolioPlus Committee. He has received RI's Service Above Self Award and TRF's Citation for Meritorious Service and Distinguished Service Award. He and Madhavi are Level-2 Major Donors to the Foundation.

Kamal Sanghvi, RC Dhanbad, India

A graduate of Kasturba Medical College in Manipal, with a degree in pharmaceutical sciences, Kamal Sanghvi is managing director of a family-owned banking, financing and construction conglomerate.

Sanghvi joined Rotary in 1991 and has served RI as training leader, committee member and RIPR. He helped establish 28 vocational training centres for women and coordinated 11 polio corrective surgery camps that treated thousands of patients. Sanghvi says one of his proudest achievements was leading a Rotary initiative that helped 200 Pakistani children get heart surgeries in India.

He has received the Service Above Self Award and TRF's Citation for Meritorious Service and Distinguished Service Award. He and his wife, Sonal, who is also a Rotarian, are Major Donors and Bequest Society members.

Johrita Solari, RC Anaheim, California

Johrita Solari is board chair and chief visionary officer of Solari Enterprises Inc, a property management company specialising in affordable rental housing. The company, which she co-founded with her husband, Bruce, was inspired by Rotary's guiding ethical principles. "The Four-Way-Test hangs in our lobby, and every team member sees it as they come into work," Johrita says.

She joined Rotary in 1993. As governor of District 5320, she organised that district's first million-dollar dinner fundraiser for TRF and helped it become the second known district consisting of 100 per cent Paul Harris Fellow clubs. She has served on the committee for the Foundation's Peace Major Gifts Initiative.

The Solaris are members of the same Rotary club and are Paul Harris Fellows, Major Donors and AKS members. During Solari's second year as director, her daughter Gianna will serve as a district governor, making it the first time in Rotary history that a mother and daughter have served in these two leadership roles simultaneously.

Stephanie A Urchick, RC McMurray Pennsylvania

Stephanie Urchick is partner and COO of Doctors at Work LLC, a consulting and training company. A Rotarian since 1991, Urchick first joined the home club of PRIP Chuck Keller, who served as her mentor. A student of several Slavic languages, she has mentored new Rotarians in Ukraine and coordinated a grant project in Poland.

Urchick has served TRF trustee and chair of the RI Strategic Planning Committee and the Foundation's Centennial Celebration Committee. She is a Major Donor and Bequest Society member.

The **Trustees of The Rotary Foundation** manage the business of the Foundation. The RIPE nominates the trustees, who are elected by the RI Board to four-year terms. The trustee chair-elect and four new trustees took office on July 1.

KR Ravindran, Chair-elect 2019–20 RC Colombo, Sri Lanka

KR Ravindran is a third-generation Rotarian, joining Rotary at age 21. As RI President in 2015–16, he introduced the

Rotary Global Rewards programme and led a delegation of about 9,000 Rotarians to the Vatican for an audience with Pope Francis at St Peter's Square.

Ravindran was the first president of the Sri Lanka Anti-Narcotics Association, which today is the leading agency fighting drug addiction in Sri Lanka. He headed a national committee consisting of Rotary, his country's health ministry and UNICEF for eradication of polio, and worked closely with UNICEF to negotiate a ceasefire in the civil war with the northern militants to facilitate NIDs. Sri Lanka became the first country in South Asia to become polio-free. He also headed a Rotary project to build 25 modern schools across the country to replace those destroyed by the 2004 tsunami at a cost of over $12 million.

He is recipient of TRF's Citation for Meritorious Service, Distinguished Service Award and Service Award for a Polio-free World. His country conferred on him the title of "Jewel of Sri Lanka" and released a postage stamp in his honour.

Jorge Aufranc, RC Guatemala Sur, Guatemala

Jorge Aufranc is a chemical engineer and director of Corporación Instatec which designs and builds networking telecom systems. He first saw the power of TRF in 1995, when he led a project to bring clean drinking water to an orphanage using matching grants. Today, he is the primary contact for the $600,000 WinS competitive grant programme in Guatemala, to bring water, sanitation and hygiene to 48 schools in the country.

Aufranc has served Rotary as RI director; founder and president of *Rotary en el Corazón de las Americas*, the Rotary regional magazine for Central America; and director of the Water and Sanitation Rotarian Action Group. He and his wife, Débora, participated in an NID in Moradabad in 2009. He is a Rotary Foundation Benefactor, Major Donor and Bequest Society member, and recipient of the Citation for Meritorious Service.

Hipólito S Ferreira, RC Contagem-Cidade Industrial, Brazil

Hipólito Ferreira is an engineer and president of a group of engineering and mining companies led by Paineira Engenharia. He is the director of SICEPOT, the State of Minas Gerais Heavy Construction Industry Association.

A Rotarian since 1970, Ferreira has served as RI director, training leader, RRFC, member of the Operations Review Committee, and chair of the Literacy Task Force for Latin America.

Ferreira is recipient of TRF's Citation for Meritorious Service and Distinguished Service Award. His three sons participated in Interact, Rotaract, and Rotary Youth Exchange, and two of them are Rotarians. Ferreira and his wife, Marilene, are Benefactors and Major Donors.

Jennifer E Jones, RC Windsor-Roseland, Ontario

Jennifer Jones is president and CEO of Media Street Productions Inc, a television production company in Windsor. She was RI vice-president in 2016–17. She is co-chair of the End Polio Now: Make History Today campaign to raise $150 million. She has been a leader in cultivating experiential fundraising opportunities such as Rotary's Polio Golf Day with Jack Nicklaus in Jupiter, Florida, which raised over $5.25 million for polio eradication.

Jennifer has received the Service Above Self Award, Citation for Meritorious Service, YMCA Peace Medallion and the Queen's Diamond Jubilee Medal. She was the first Canadian to receive Wayne State University's Peacemaker of the Year Award.

Jennifer and her husband, Nick Krayacich, are members of AKS, Paul Harris Society and Bequest Society.

Ian H S Riseley, RC Sandringham Australia

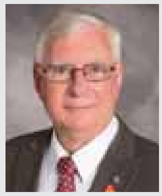

While RI President in 2017–18, Ian Riseley challenged every Rotary club to plant one tree per member to increase Rotarian involvement in environmental issues. He estimates at least three times that many were planted, likely upwards of three million trees. "I was really thrilled at the way at which the Rotary world embraced my request," he says. "Everywhere we went, they were planting trees."

Riseley is a chartered accountant and principal of Ian Riseley and Co, a firm he established in 1976. His honours include the AusAID Peacebuilder Award from the Australian government in recognition of his work in East Timor, the Medal of the Order of Australia for services to the Australian community, the Distinguished Service Award and the Regional Service Award for a Polio-Free World from TRF.

Riseley and his wife, Juliet, a past district governor, are Rotary Foundation Major Donors and Bequest Society members. They live on seven hectares at Moorooduc, where they practice their personal philosophy of sustainable and organic living.

© The Rotarian.

रोटरेक्टरों ने पंजाब में मासिक-धर्म संबंधी समस्याओं का समाधान किया

वी मुत्तुकुमारण

सरकारी स्कूल छात्रियों के साथ रोटरेक्ट क्लब ऑस्टिन इन्टिट्यूट्स के ट्रेनर अजित पॉल सिंह नॉफ़्रे और (उनके दाएं ओर) रोटरेक्टर दीपिका शर्मा।

ऑस्टिन इंस्टीट्यूट के रोटरेक्ट क्लब, रो ई मंडल 3070 ने सामाजिक निषेध मान्यताओं को तोड़ने के आयोजन में, अमृतसर के बाल सराय गांव में गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं के लिए मासिक-धर्म स्वच्छता सेमीनार का आयोजन किया। ''इस आयोजन को करने का लक्ष्य मासिक-धर्म पर सामाजिक शर्मिंदगी को समाप्त करना था।''

''लड़कियां आमतौर पर अपने माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों से दर्द, ऐंठन और संक्रमण के बारे में सहज रूप से चर्चा करने में संकोच करती हैं इसलिए बहुत सी लड़कियां इस बात से अनजान रहती हैं कि मासिक-धर्म के समय उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। हमने इंटरैक्टिव सत्र में उनके प्रश्नों का उत्तर दिया और सत्र के अंत तक में वे हमारे साथ सहज हो गईं।'' - आरटीआर दीपिका शर्मा, क्लब की आई पी पी, जिला महादान की कॉर्डिनेटर ने कहा।

सत्र के दौरान रोटरेक्टरों ने लड़कियों को 1,000 सेनेटरी पैड वितरित किए। प्रोजेक्ट की सभापति गुरलीन कौर ने सेमीनार के सफल आयोजन के लिए स्कूल प्रिंसिपल नरिंदर कौर और फैकल्टी से समन्वय स्थापित किया।

क्लब ट्रेनर अजीत पॉल सिंह नापरे जो ऑस्टिन इंसटीट्यूट ऑफ एयरहोस्टेस ट्रेनिंग, जालंधर के संचालक भी हैं, उन्होंने लड़कियों को अपनी आत्म-रक्षा करने पर बहुमूल्य सुझाव प्रदान किए और पीछा करने वाले लोगों (स्टालकर) से स्वयं की रक्षा कैसे की जाए इसके तरीके भी बताए। एम एच सेमीनार में 70 लड़कियां और 30 फैकल्टी सदस्य लाभान्वित हुए।

क्लब की एक अन्य शुरुआत में, आईपीडीजी बृजेश सिंघल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में क्लब ने जालंधर के गांधीनगर में जरूरतमंद महिलाओं को 500 सेनेटरी पैड वितरित किए। 35 रोटरेक्टर मासिक-धर्म स्वच्छता प्रोजेक्ट में शामिल हुए थे।

आरसी जालंधर सिविल लाइंस से रोटेरियन नापरे ने जब से यह अक्टूबर सन् 2018 में गठित हुआ है तब से ही वे रोटरेक्टरों के संरक्षक रहे हैं। उनका फ्लैगशिप प्रोजेक्ट 'मेरी पहचान' महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं उत्तम रूप से अपनी आजीविका चलाने के लिए जालंधर के पास ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए लिटरेसी कक्षाओं (साक्षरता कक्षाओं) को चलाता है। रंजीत सिंह नारपे, क्लब अध्यक्ष कहते हैं - ''हम महिलाओं के विकास पर अपना ध्यान देना सतत् जारी रखेंगे क्योंकि वह हमारे दिल के नजदीक हैं।''

इस वर्ष से, क्लब ने एपीजे कॉलेज के पास के एक पार्क के संरक्षण कार्य को किया है। उन्होंने कहा - ''निवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए योग की कक्षाएं आयोजित की जाएंगी।'' रोटरेक्ट क्लब ने ऐसे ही कलात्मक व सौन्दर्यपूर्ण कार्यों को जालंधर के और भी पार्कों में प्रदान करने के लिए नगर निगम को आवेदन किया है। ■

रोटरी क्लब मद्रास एक युवा तीरंदाज को क्रिस चिताले पुरस्कार देता है

किरण ज़ेहरा

स्वर्गीय रोटेरियन एस एल चिताले की यादों को बनाए रखने के उद्देश्य से, रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232, ने रोटरी क्रिस चिताले यंग अचीवर्स अवार्ड का शुभारंभ किया है और इसका प्रथम पुरस्कार समारोह जुलाई में क्लब की 91वीं सालगिराह के आयोजन के साथ ही आयोजित किया गया। चेन्नई के दिवंगत प्रसिद्ध वास्तुकार द्वारा दशकों तक की गई समुदाय की सेवा और उनके परोपकार को मान्यता प्रदान करने के लिए इस पुरस्कार का सृजन किया गया था। ''उनके नाम पर एक पुरस्कार की शुरुआत करके हमने चिताले को सम्मानित करने का फैसला किया, लेकिन हमें डर था कि क्रिस (जैसा कि उनके दोस्त उन्हें बुलाते थे) हमारी बात नहीं मानेंगे। उन्होंने हाँ बोलकर हमें चौंका दिया, लेकिन कुछ शर्तों के साथ,'' पीडीजी जे बी कामदार ने कहा।

चिताले ने निर्देश दिया कि पुरस्कार 14 वर्ष या उससे कम उम्र के एक ऐसे बच्चे को दिया जाना चाहिए जिसका अकादमिक रिकॉर्ड अच्छा हो या उसने समुदाय के लिए कुछ योगदान दिया हो। बच्चे के परिवार की सालाना आमदनी ₹2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए और उनके माता-पिता किसी भी रोटरी क्लब या मंडल के कर्मचारी नहीं होने चाहिए, या किसी भी अन्य रोटरी इकाई से जुड़े नहीं होने चाहिए। ''हम प्रतिवर्ष यह पुरस्कार प्रदान करते रहेंगे, और आशा करते है कि यह सहायता बच्चों को उनके लक्ष्य की ओर एक कदम और बढ़ाने में मदद करेगी,'' कामदार ने आगे कहा।

पहला क्रिस चिताले यंग अचीवर्स अवार्ड कडापा, आंध्र प्रदेश, के कक्षा 5 के एक छात्र पी वी साई श्रीनिवासन को प्रदान किया गया। एक मेधावी छात्र होने के अलावा, उसने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर तीरंदाजी प्रतियोगिता में 33 पदक जीते। उसने वेलिंगटन, न्यूज़ीलैण्ड, में विश्व इंडोर तीरंदाजी प्रतियोगिता 2019 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 15 मिनट में सबसे ज्यादा तीर चलाकर उस बारह वर्षीय बालक ने एशिया बुक ऑफ़ रिकार्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाया।

***बाएं सेः** रोटरी क्लब मद्रास के सचिव एम सेशासाई, अध्यक्ष डॉ विजया भारती रंगराजन, RID कमल संघवी और PDG जे बी कामदार के साथ रोटरी चिताले यंग अचीवर्स अवार्ड के विजेता पी वी साई श्रीनिवासन।*

श्रीनिवासन की माँ ने उसके कोट को ठीक किया और उसे उसके द्वारा जीते गए सभी पदकों के साथ सजाया यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनका लड़का जब मंच पर रो ई निदेशक कमल संघवी से पुरस्कार प्राप्त करने जाए तो वह एक विजेता की तरह नज़र आए। ''इसका ध्यान रखना, यह एक राष्ट्रीय खजाना है,'' संघवी ने माँ से कहा। हॉल में मौजूद रोटेरियनों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, ''मुझे आप पर गर्व है। सिर्फ पैसा ही हमेशा आपको संतुष्टि प्रदान नहीं करता है। बल्कि यह देखकर आपको संतुष्टि मिलती है कि आप किसी के जीवन में परिवर्तन ला रहे है।'' लड़के के पिता गोपीनाथ, जो कडापा में एक इंटरनेट केंद्र चलाते है, ने रोटेरियनों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और कहा ''मैं अपनी कमाई से मुश्किल से ही उसकी स्कूल फीस और अपने घर के किराए का प्रबंध कर पाता था। मैं चिंतित था कि वह न्यूज़ीलैण्ड नहीं जा पाएगा। मैं उसके कोच को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने उसके प्रशिक्षण के लिए कभी एक रूपया भी नहीं लिया। यह पुरस्कार उसे ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने और एक स्वर्ण पदक जीतने के उसके सपने को पूरा करने हेतु उसे प्रेरित करेगा।''

मुझे आप पर गर्व है। सिर्फ पैसा ही हमेशा आपको संतुष्टि प्रदान नहीं करता है। बल्कि यह देखकर आपको संतुष्टि मिलती है कि आप किसी के जीवन में परिवर्तन ला रहे है।

रो ई निदेशक **कमल संघवी**

क्लब के अध्यक्ष विजय भारती रंगराजन ने कहा, ''प्रत्येक रोटेरियन यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है कि हम अपने क्लब के लक्ष्यों को हासिल करें। पिछले वर्ष हमने एक उत्कृष्ट कार्य किया है और इस वर्ष भी हम ऐसा ही करना जारी रखेंगे।'' दशकों से, क्लब ने बहुत सारी परियोजनाओं और गतिविधियों का निधीयन किया है जिसमें चेन्नई के उपनगर सेमबक्कम में रोटरी नगर की स्थापना करना, जल स्त्रोतों की बहाली और 2014 में रोटरी एंड पोलियो फ्लेम का शुभारम्भ करना भी शामिल है।

चित्र: किरण ज़ेहरा

उल्हासनगर में रोटरी गार्डन

टीम रोटरी न्यूज़

उल्हासनगर के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3142, ने हाल ही में परियोजना के अध्यक्ष महेंद्र खत्री के नेतृत्व में शहर के केंद्रीय अस्पताल में रोटरी गार्डन का जीर्णोद्धार किया। क्लब ने प्राकृतिक हरीतिमा के बीच मरीजों के परिजनों के आराम करने के लिए पार्क में दो बेंच लगाए। गार्डन में नया पेंट किया गया और नए ढंग से रंगीन पौधे लगाएं गए जो आँखों को सकून देते है और चिंतित देखभाल करने वाले लोगों के मन के लिए सुखद हो सकता है।

क्लब के अध्यक्ष दिनेश डांडालिया और क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में नए गार्डन का औपचारिक उद्घाटन पीडीजी डॉ चंद्रशेखर कोलवेकर ने किया। ■

PDG डॉ चंद्रशेखर कोलवेकर (बाएं से दूसरे) और क्लब सदस्य रोटरी गार्डन का उद्घाटन करते हुए।

रोटरी क्लब हैदराबाद द्वारा
बच्चों को ल्यूकेमिया से बचाना

टीम रोटरी न्यूज

रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन के IPP उदय पिलानी के साथ IPDG रमेश वंगाला साइटोमीटर उपकरण के उद्घाटन पर।

रोटरी मंडल 3150, रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन के रोटेरियनों ने शहर के बसवतारकम इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट को जून के अंतिम सप्ताह में एक साइकोमीटर दान दिया। चिकित्सा उपकरण का उपयोग 'एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया' (एएलएल) के निदान के लिए किया जाएगा जिसे बच्चों में, साधारण भाषा में ब्लड कैंसर कहा जाता है। अस्पताल सलाना लगभग 12,000 कैंसर रोगियों का इलाज करता है। डीजी (2018-19) रमेश वंगाला ने सेंटर में इस सुविधा का उद्घघाटन किया।

₹66 लाख के लागत वाले इस प्रोजेक्ट को आरसी नेपरविले, रो ई मंडल यूएसए और टीआरएफ के सहयोग से संपन्न किया गया। उदय पिलानी, आईपीपी, आरसी हैदराबाद डेक्कन ने कहा कि साइकोमीटर सेवा, जिसको कहीं दूसरी जगह स्थापित करने की लागत ₹25,000 आती है, उसको पिछड़े एवं गरीब परिवारों के बच्चों के लिए नि:शुल्क किया जाएगा।

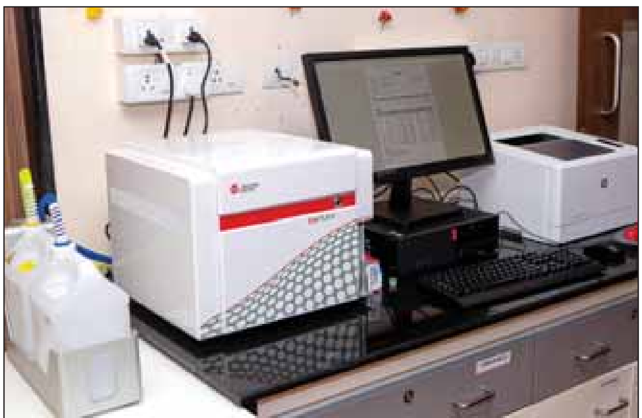

बसवतारकम कैंसर अस्पताल में स्थापित साइटोमीटर उपकरण।

यह प्रत्येक बच्चे में डिसआर्डर की सीमा के आधार पर, डॉक्टरों को दवा की सही खुराक को निर्धारित करने में मदद प्रदान करेगा।

स सुविधा का उपयोग एमएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी और रीजनल कैंसर सेंटर के द्वारा भी किया जाएगा जो कि एकमात्र रेफरल अस्पताल है जो तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक राज्य में बच्चों के ल्यूकेमिया का इलाज करता है। सेंटर मेडिकल ऑन्कोलॉजी और पैल्लीएटिव केयर सर्विस को गरीबी रेखा से नीचे आने वाले सभी रोगियों को नि:शुल्क प्रदान करता है। प्रति वर्ष 10,000 से अधिक नए कैंसर रोगी पंजीकृत किए जाते हैं और 1,10,000 रोगी फॉलोअप के लिए आते हैं, साल में कुल लगभग 1,20,000 मरीज तक आते हैं।

पिलानी ने कहा - ''हमने हैट्रिक लगाई है,'' यह बताते हुए कहते हैं कि यह पिछले तीन वर्षों में क्लब की तीसरा ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट है। पहला ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट, महावीर डायलिसिस सेंटर और सिंकदराबाद में गुरूनानक मेडिकल सेंटर में 12 बिस्तरों वाला डायलिसिस सेंटर था जिसकी लागत ₹1.18 करोड़ थी और इसके दूसरे प्रोजेक्ट में, हैदराबाद के चल्ला अस्पताल में रोटरी ब्लड बैंक को ₹68 लाख की लागत से अत्याधुनिक मोबाइल ब्लड कलैक्शन वैन प्रदान करके बेहतर बनाया। ■

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष का संदेश

आपके अच्छे कार्यों के लिए आवेदन

नी हाओ, रोटेरियनों!

मुझे आशा है कि आप आगामी रोटरी अंतर्राष्ट्रीय समारोह के लिए योजनाएं बना रहे है। जो रोटेरियन प्रशांत महासागर के पास रहते है वे विशेष रूप से उत्तेजित है! अगले वर्ष का समारोह खूबसूरत हवाई में है, और मैं जानता हूँ कि सभी उस द्वीप की उनकी यात्रा को जन्नत की सैर बनाने के लिए बेताब है।

इसलिए यदि आपने अभी तक होनोलुलु सम्मेलन के लिए साइन अप नहीं किया है तो अभी करके मुझे ताली दें - और योजना बनाइये कि कैसे आप 2019-20 में रोटरी संस्थान को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते है। हम हर जगह ज़िंदगियाँ परिवर्तित कर रहे है, और यह सब आपके कारण ही संभव हो पाया है।

हम अक्सर वार्षिक कोष में देने की महत्ता के बारे में आपको ध्यान दिलाते रहते है। ये दान दुनिया को एक बेहतर जगह बना रहे है, केवल पोलियो को अभी और हमेशा के लिए खत्म करने में मदद करके ही नहीं। बल्कि आपके दान दुनिया भर में हर प्रकार के रोटरी अनुदान को संभव बनाते है।

लेकिन आप में से बहुत से लोग कुछ ऐसा नहीं जानते जो इतना ही महत्वपूर्ण है: रोटरी अक्षयनिधि में दान हमारे भविष्य को सुनिश्चित करता है। मुझे आशा है कि अक्षयनिधि में दान करके आप अपनी स्वयं की विरासत बनाने के बारे में विचार करेंगे। इसके पीछे जो विचार है वह अत्यंत सरल एवं ताकतवर है। रोटरी अक्षयनिधि संस्थान के कार्यक्रमों का समर्थन आज एवं भविष्य में करती है।

2025 तक हमारा लक्ष्य 2.025 बिलियन डॉलर एकत्रित करने का है। आपके समर्थन द्वारा हम उस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। और एक बार ऐसा हो जाने पर, अद्भुत चीज़ें संभव हो जाएगी। केवल वार्षिक निवेश की कमाई से ही, संस्थान के पास - साल दर साल - सभी प्रकार की जीवन परिवर्तक एवं जीवन रक्षक परियोजनाओं के लिए प्रति वर्ष 100 मिलियन डॉलर होंगे। यह एक अद्भुत उपलब्धि होगी और सही मायनों में भविष्य में हमारे संस्थान को लम्बे समय तक सुरक्षित बनाएगी।

इस माह, मैं दो बहुत ही ख़ास तालियाँ देना चाहूँगा। पहली मैं तायपेई राउंडटेबल रोटरी क्लब को देना चाहूँगा। क्लब अध्यक्ष जेफ़ लिन के संस्थापन समारोह के दौरान सदस्यों ने पोलियो को खत्म करने के लिए 10,000 डॉलर एकत्रित करके दान किये। फिर, कुछ दिनों बाद एक परिवर्तन समारोह के दौरान, कोरिया में मंडल 3750 ने छह नए आर्च क्लम्फ़ सोसाइटी सदस्यों को सम्मिलित किया, जिससे कुल संख्या आठ तक पहुँच गई। नए मंडल गवर्नर युन यंग-जुंग को बेहतरीन काम करने के लिए बधाइयां!

रोटेरियनों की उदारता लगातार मेरी ज़िंदगी को आनंद और उद्देश्य प्रदान करती है, और मुझे आशा है कि यह आपके लिए भी ऐसा ही करेगी।

गेरी सी के हुआंग

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

देहरादून में मेगा वृक्षारोपण अभियान

टीम रोटरी न्यूज

रोटरी क्लब देहरादून सेंट्रल, रो ई मंडल 3080 के द्वारा कुष्ट आश्रम और गवर्नमेंट इंटर कालेज, नालापानी में एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों के द्वारा 300 से अधिक पौधे लगाए गए।

रोटेरियनों ने पौधों की सुरक्षा करने एवं उन्हें नियमित रूप से पानी देने का भी संकल्प लिया। क्लब के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज गुप्ता, सचिव रमन वोहरा और सहायक जिला क्लब ट्रेनर सुधीर जॉली ने अन्य लोगों के साथ उनके बीच दो स्थानों पर ग्रीन ड्राइव में सक्रिय भूमिका निभाई।

प्लांटेशन ड्राइव (वृक्षारोपण अभियान) के बाद, आश्रम के लोगों और विद्यार्थियों को नाश्ता कराया गया। ■

चक्करदार ऊंचाइयों के दौरान पर्यावरण जागरूकता का प्रचार-प्रसार

टीम रोटरी न्यूज़

विवेक प्रसंनन और विनू जोसेफ, कोचीन टेक्नोपॉलिस के दो रोटेरियन ने हाल ही में हिमालय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों का अध्ययन करने के लिए मनाली से लेह तक की यात्रा मोटरसाइकिल से आरंभ क।

क्लब के अध्यक्ष जयराज कुलंगरा ने कहा कि उन्होंने खुद जलवायु परिवर्तन की दुखद वास्तविकता का अनुभव किया है जो गर्मी के मौसम से ही समस्त उपमहाद्वीप को प्रभावित कर रहे हैं जिसमें अधिक से अधिक तेजी आती जा रही है और मानसून के दौरान नदियों में बाढ़ आ रही है।

लद्दाख में मनाली से लेह तक की मोटरसाइकिल से उनकी यात्रा के दौरान रोटेरियन जिस्पा और सरचू में रूके। उनकी इस यात्रा में दुनिया के कुछ दुर्गम पहाड़ों को पार करने का रोमांचक एवं भयानक अनुभव शामिल थे जैसे तॉगलांग का, खारदुंग लामोस्ट, चॉग ला के अनुभव, उनमें से सभी समुद्र तल से लगभग 17,000 से 18,000 फीट की ऊंचाई पर थे।

रास्ते में उन्होंने दिल दहला देने वाले नजारों को देखा जैसे गर्मियों के मौसम के दौरान पर्यटकों की भारी भीड़ से खराब हुए खूबसूरत हिल स्टेशन और पहाड़ी दर्रे आदि।

प्रसंनन ने कहा - ''हालांकि हमारी यात्रा साहसिक और बेहद चुनौतीपूर्ण थी, हम ऐसी चक्करदार ऊंचाइयों पर रोटरी के बारे में जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के प्रति रोमांचित थे और वहां पर हम स्थानीय लोगों के साथ घुलमिल गए थे। जोसेफ ने बताया कि - स्थानीय लोगों से हमारी बातचीत के दौरान हमने इसके प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया कि किस प्रकार पर्यावरण को बचाने, उसे संरक्षित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने करने के लिए नागरिकों को अपने छोटे से प्रयास के द्वारा आवश्यक है, जो कि हमारी दुनिया के लिए ऐसा खतरा बना रहा है।■

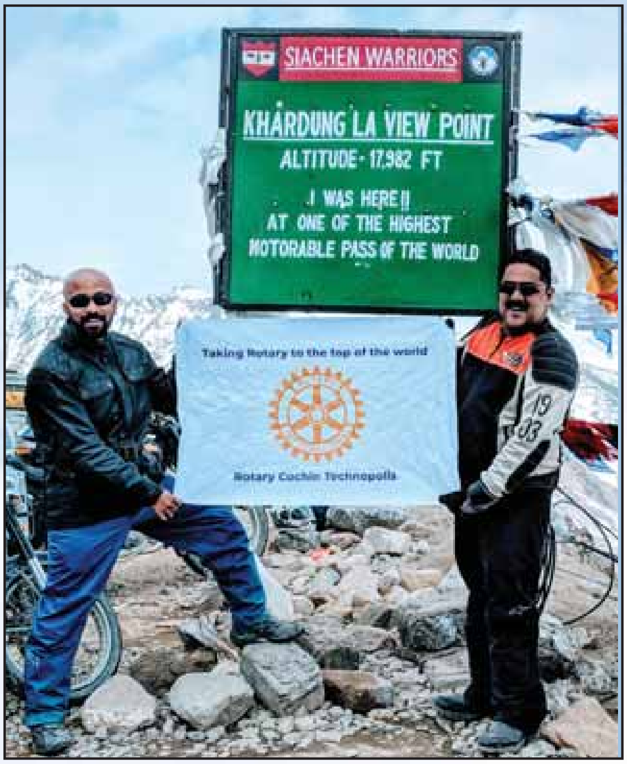

लेह में रोटरी क्लब कोचीन टेक्नोपोलिस के रोटेरियन विवेक प्रसनन और विनू जोसेफ।

Subscribe NOW!

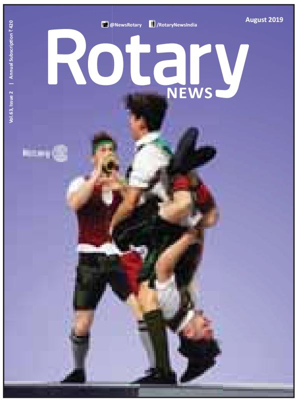

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2019 – 2020

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹420/-	₹360/-

(with effect from July 2019)

Print version ☐ **e- Version** ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹35 a month.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address, PIN code, Mobile number and e-mail ID. Intimate language preference (English/Hindi/Tamil) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "ROTARY NEWS TRUST" is enclosed.

Date: President/Secretary

Payments can be made online at HDFC Bank, Egmore, Chennai – Rotary News Trust, SB A/c No 50100213133460; IFSC HDFC0003820. Email us the UTR Number, Club Name, President/Secretary's name, Amount and Date of Transfer.

Mail this form to:
Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक वर्ष पुराने रोटरी क्लब ने मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया

वी मुत्तुकुमारण

नाड़ी मेडिकल सेंटर (एनएमसी) पर एक साल पुराने आरसी चेन्नई माधवराम, रो ई मंडल 3232 के द्वारा एक मेगा डायबिटिज और नेत्र जांच कैंप का आयोजन किया गया। सैकड़ों बुजुर्ग विशेषज्ञों द्वारा परामर्श, उपचार एवं समुचित सेवाओं को प्राप्त किए जाने के बाद चेहरों पर मुस्कान लिए कार्यक्रम स्थल से बाहर जाते दिखे।

एनएमसी पर सभी 14 स्टाफ जिनमें नर्स, लैब टेक्नीशियन, फिजियोथैरेपिस्ट और फार्मासिस्ट शामिल थे जिन्होंने अपने प्रयासों से इस कैंप में लाइन में लगे लोगों की जांच की। आरएम डायबिटिज एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन और शंकर नेत्रालय के विशेषज्ञों ने रोगियों को संभाला।

रोगियों का निरीक्षण करते हुए वृंदा दीपक, आईपीपी, आरसी अन्नानगर मद्रास और संस्थापक ट्रस्टी आरएम डीईआरएफ ने कहा – ''वह प्रत्येक व्यक्ति जिन्में हाई ब्लड शुगर पता चली है उसका सामान्यत: पता नहीं चलता है। वास्तव में वह व्यक्ति जिनको टाइप-2 डायबिटिज है उन्में इसके कोई भी लक्षण दिखाई नहीं देते हैं इसलिए उनके लिए जो 30 वर्ष से अधिक आयु के हैं उनके लिए ग्लुकोज टॉलरेंस टेस्ट (जीटीटी) जरूरी है।'' डायबिटिज के रोगियों को पैरों के अल्सर से बचाव के लिए पैरों की देखभाल करना बहुत ही आवश्यक है जो कि अंगविच्छेदन का कारण बन सकता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि डायबिटिज के रोगी शुगर को कंट्रोल करने के लिए मुख्य रूप से दवाओं पर भरोसा करते हैं पर इसे नियंत्रण में रखने के लिए जीवनशैली में परिवर्तन करना जरूरी है। आवश्यक परीक्षण जैसे फास्टिंग ब्लड शुगर, एचबीए1सी (3 महीने की ब्लड शुगर का औसत), डॉपलर और बायोथेसोमेट्री परीक्षण भी किए गए और इसके बाद परामर्श प्रदान किया गया व रियायती मूल्य पर जूतों का वितरण किया गया। माधव डायबिटिज सेंटर के डाक्टर अनिरूद्ध दीपक द्वारा श्रीमती वृंदा को सहयोग दिया गया। बाद में, एक वरिष्ठ डायबिटिज विशेषज्ञ से मुफ्त परामर्श का लाभ उठाने के लिए कूपन दिए गए।

बाएं से : नाड़ी मेडिकल सेंटर में रोटरी क्लब चेन्नई में पूर्व अध्यक्ष एन जयदीप, RID कमल संघवी, PDG जे बी कामदार, मार्लेन कामदार और रोटरी क्लब मद्रास अध्यक्ष डॉ विजया भारती शामिल हैं।

नाड़ी क्लिनिक में RID कमल संघवी, PDG जे बी कामदार, रोटरी क्लब मद्रास अध्यक्ष डॉ विजया भारती, अध्यक्ष निर्वाचित कपिल चिताले, रोटरी क्लब चेन्नई माधावरम अध्यक्ष एस शंकर, रोटेरियन वृंदा दीपक और मेर्लीन कामदार चित्र में शामिल हैं।

विजन स्क्रीनिंग की गई और आंखों के रोग जैसे मोतियाबिंद, कॉर्निया डैमेज, रेटिना की समस्याएं और बाल चिकित्सा समस्याओं जैसे भेंगापन, डबल विजन और एलर्जी मामलों आदि की पहचान की गई और उनका उपचार किया गया। शंकर नेत्रालय के एक काउंसलर श्री ए एरोकिडॉस ने कहा कि – ''इंटरनेट और स्मार्टफोन का अधिक इस्तेमाल करने से बच्चों में फंगस का बढ़ना और आंखों में पानी आना आम समस्या है।''

जोसेफ भद्राचलम, 59 वर्ष के एक डायबिटिज रोगी को राहत मिली जब उन्हें 'क्या करना चाहिए' और 'क्या नहीं करना चाहिए' की एक सूची मिली जिसमें शुगर लेवल को ठीक रखने के लिए सरल व्यायाम और आहार एवं जीवनशैली पर टिप्स दिए गए थे। उन्होंने ने कहा कि ''उन्होंने मुझे मांसाहारी आहार के सेवन को कम करने के लिए कहा जो कि इसका मुख्य कारण था।''

मेगा कैंप में 200 से अधिक रोगियों की जांच की गई जिसमें से 185 रोगियों के पहचान डायबिटिज रोगियों के रूप में की गई और 78 रोगियों को आगे के उपचार के लिए रेफर किया गया। नेत्र विभाग में 22 रोगियों का चयन मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए किया गया और जिसमें से 10 रोगियों का इलाज शंकर नेत्रालय में निशुल्क होगा।

एक महत्वपूर्ण मोड़

इसे सन् 2010 में पुष्पावती बाबूलाल कामदार चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा स्थापित किया गया था, एनएमसी नाड़ी एयरटेक्निक्स के परिसर में स्थित है जिसके मालिक पीडीजी जे बी कामदार हैं जिन्होंने गर्व से आरआई निदेशक कमल संघवी और अन्य रोटेरियन को इस मेडिकल सेंटर के विशेष विभागों एंव लैब को दिखाया। कामदार ने कहा कि – ''कंपनी सन् 1980 से माधवराम नगर में विकसित एवं समृद्ध हुई है जो कि चेन्नई का एक पिछड़ा हुआ उपनगर है। इसलिए हमने जो समाज से प्राप्त किया है उसे वापस समाज को देने का निर्णय किया है। आउट-पेशेंट क्लिनिक के अलावा, मेडिकल सेंटर उच्च तकनीकी नैदानिक सेवाएं, डॉक्टर परामर्श और आपातकालीन देखभाल की सुविधाएं प्रदान करता है।''

मेडिकल कैंप से प्रभावित होकर श्री संघवी ने कहा कि – ''पूर्व देखभाल करना आज समय की मांग है और शीघ्र उपचार और उपचारात्मक कार्यवाही करने के लिए नाडी सेंटर प्रारंभिक स्थिति में ही बीमारियों की पहचान करने का उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।'' उन्हें यह विश्वास था कि वे इसका पालन करेंगे और एक बड़े और स्थायी समुदाय में इसकी पहुंच बनाने के लिए इस सफल कैंप का आयोजन करेंगे। इस रोटरी वर्ष में क्लब को इस तरह के 6 मेगा शिविरों का आयोजन करने की उम्मीद है।

नाड़ी सेंटर को 80 से कम मरीज एक दिन में नहीं मिले जिनका कि या तो ओपीडी में इलाज किया गया या जिन्होंने नाममात्र के शुल्क पर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। मार्लिन कामदार कहते हैं कि – ''लेकिन बहुत ही जल्दी, हमें स्वयंसेवक समूह की जरूरत महसूस की है जो कि लोगों को स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर संवेदनशील और जागरूक बना सके और हम इस क्षेत्र में नियमित रूप से मेडिकल कैंप आयोजित कर सकें।'' क्योंकि 5-6 किलोमीटर के दायरे में एक भी रोटरी क्लब नहीं था इसलिए कामदार ने अपने कर्मचारियों को एक क्लब को गठित करने के लिए साथ में काम करने के लिए प्रेरित किया और इस तरह से अगस्त 2018 में आरसी चेन्नई माधवराम का निर्माण किया गया।

माधवराम में एक रोटरी क्लब का शुभारंभ करने के कामदार के प्रयासों में आरसी मद्रास इंडस्ट्रियल एरिया के आर रवी शंकर और डीजीएन जे श्रीधर ने सहयोग प्रदान किया। 26 सदस्यों के साथ, आरसी चेन्नई माधवराम ने अपने क्लब के अधिकारियों के साथ कैंप दिवस का आयोजन किया जिसमें चार्टर अध्यक्ष एन जयदीप से एस शंकर ने पदभार संभाला। क्लब के अधिकारी चालू वर्ष के दौरान सदस्यता को दोगुना करने के प्रति आश्वस्त हैं।

चित्र: वी. मुत्तुकुमारण

"THE FUTURE BELONGS TO THOSE WHO BELIEVE IN THE BEAUTY OF THEIR DREAMS"

Our distinguished guests:

Rtn. Mark Daniel Maloney
Rotary International President
and Rtn. Gay Maloney.

DARE TO DREAM
Rotary

Rotary Institute
Indore
Zone 4,5,6&7 • 6-8 Dec 2019

Convener's Message

Dear Rotary Leader,

As we reach out and ensure that 'Rotary Connects the World', we are looking forward to welcoming you to the 2019 Zone Institute-**'DARE TO DREAM'**- at the Brilliant convention centre, Indore from **6th to 8th December 2019**. Get ready for a great fellowship with inspiring speakers and achievers. And also enjoy the delicious food and enthralling fun Indore is famous for. At the Institute you will have the opportunity to interact with our world leader President Mark Maloney and his gracious partner Gay. You will also have the opportunity to meet our senior leaders, form new friendships and renew old ones. Institute Chair PDG Raju Subramanian, Co-Chair Atul Gargav and the Institute team are all geared up to welcome you and host you to the event that you will cherish forever.

We welcome you to Indore, the city of the Holkars, the financial capital of Madhya Pradesh.

Dr. Bharat Pandya
RI Director, 2019-21

Chairman's Message

My dear friends,

We are close to 800 registrations now.Bharat and I are overwhelmed by this response from you all. The Trustee Representative Seiji Kitasan from Japan will bring with him his wealth of knowledge and experiences. We will also have amongst us past Director and present Trustee, Jennifer Jones who will inspire us with her address and presentation. Some outstanding speakers have confirmed their presence on the occasion. Details of the same will be shared at a future date.

Be assured that you will enjoy this Institute and go back home carrying memories, learning, and thoughts to ensure that 'Rotary Connects the World'.We have negotiated packages for pre and post Institute tours which are uploaded on the Institute Website. You can also connect with the service provider directly, whose contact is given, and book the package most convenient to you.

Don't disappoint yourself by not registering. Rush to register before it is closed.

Also, block your accommodation in Radisson Blu Hotel before it is all sold out. We look forward to seeing you in Indore.

With warm regards,

T.N.Subramanian
Chairman, Rotary Zone Institute, 2019

Incredible Indore Awaits You

Indore Rajwada

Lalbagh Palace

Omkareshwar Jyotirlinga

Annapurna Mandir

Daly College

Mandav

TRAINING TEAM

GETS	Chair: **J B Kamdar**
	Co-Chair: **Rajiv Pradhan**
GETS Partners Program	Chair: **Madhavi Pandya**
	Co-Chair: **Marlene Kamdar**
DGN Training	Chair: **Vijay Gupta**
	Co-Chair: **Arun Prakash Gupta**
DGN Spouses Program	Chair: **Sonal Sanghvi**
District Trainers' Seminar	Chair: **Jayant Kulkarni**
DG Review	Chair: **RID Kamal Sanghvi**

SCHEDULE OF EVENTS & TARIFFS

REGISTRATION			
Institute Registration		Couple	Single
Applicable till 31st Oct 2019		INR 25000	INR 15000
GETS (Couple)	3rd - 5th Dec 2019	INR 55000	
DGs Review Meeting	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
DGN Training Seminar	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
Dist Trainers Seminar	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
TRF Dinner	5th Dec 2019	INR 4500	INR 2500
TRF Seminar	6th Dec 2019 (Morn)	INR 4500	INR 2500
Hotel Accommodation			
Radisson Blu Hotel	Double Executive	INR 8000 per night	

Institute Brochure and the Registration Form are available on website for download at **www.rotaryinstitute2019indore.org**
For Institute Registration (Select any one method)
1 Please visit & complete online registration formalities.
2 You can download the Registration Form from website & send it to:

PDG Bansi Dhurandhar, Chair-Registration.
Microtrol Sterilisation Services Pvt. Ltd, A 101 & 102,
Tara Co-op Hsg Society, Srushti Complex, Saki Vihar Road,
Mumbai – 400072. Tel: 91 22 40579600

Brilliant Convention Centre

For details and other Institute information please contact
PDG T. N. (Raju) Subramanian, Institute Chair
Add: 303, Bhagyodaya, 79, Nagindas Master Rd., Fort, Mumbai- 400001
Email: rtn.subramanian@gmail.com Cell: 9322223732 / 9653623732

On Oahu's South Shore, Diamond Head overlooks Waikiki Beach and the Pacific Ocean.

2020 रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन के घर होनोलूलू को नमस्ते कहो। और इस द्वीप स्वर्ग को देखने का सबसे अच्छा तरीका कौन सा है? स्थानीय रोटेरियन और रोटारैक्टर्स के साथ रहे।

अलोहा रोटरी

डायना शोबर्ग

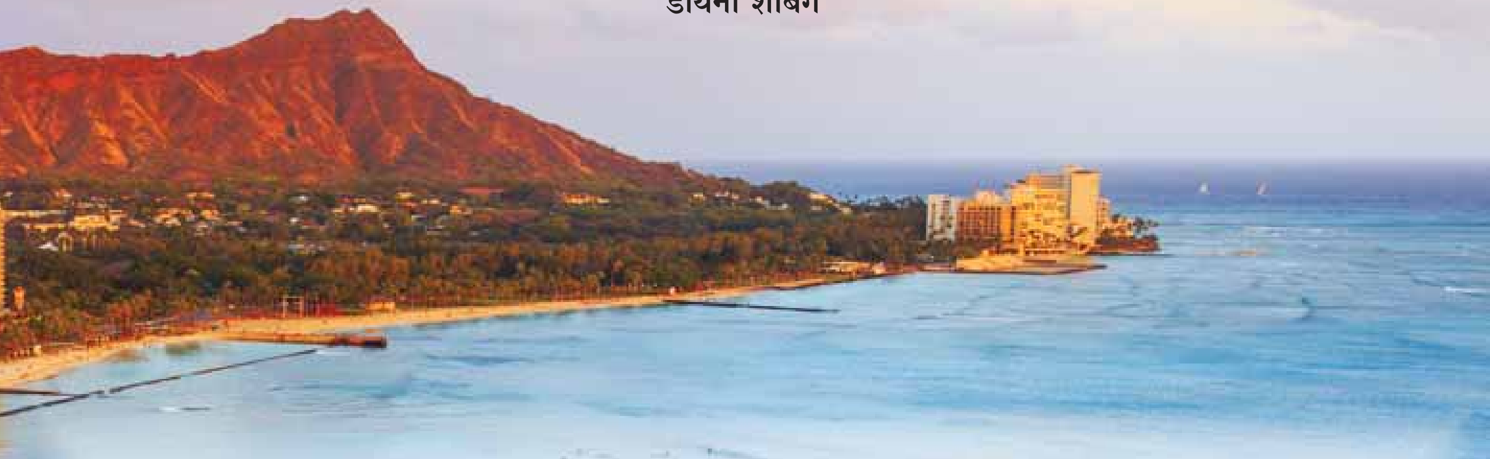

यह ओहू द्वीप पर सुबह 8 बजे का समय है, और वाइकीकी बीच पर पहले से ही हलचल है। समुद्र तट के होटलों की परछाइयों के बीच धूप की खपच्चियों में लोग झुलस गए हैं: छोटे बच्चे वाले परिवार पानी के अंदर और बाहर भिग रहे हैं; कई कोफी पी रहे युगल दरियाई तरंग का मजा ले रहे है। तैराक झाग वाले सागर में आलसी कि तरह बेठे हुए है या वेइकिकी वॉल के रूप में जाने जाने वाले ब्रेकवाटर के पीछे शांत समुद्र कि गोद मे बैठे है। स्नोर्कल, कैनोज़, बोर्ड और अन्य महासागर गियर किराए पर मिलना शरु हो गए है, एक कटमरैन सुबह की पाल से वापस लौट रहा है। इतनी सारी प्रवृति मेरे आसपास होने के बावजुद भी मैंने तट पर इसके समुद्र के मौजों की आवाज सुनी।

मै कुछ नए रोटॅरी दोस्तो को लंच के लिए मिलने से पहले अपने परिवार के साथ होनोलूलू के चाइनाटाउन में सैर कर रहा हू। हमारी छह साल की बेटी, बे, अपनी गुलाबी केप्रि को उंचा चढाती है और लहेरो के साथ अपने पेरो को उंचा उठाती है। वह हसते हसते मेरे और मेरे पति से 50 फिट दुर चली गई, इससे पहले कि वह फिर से दौडने लगे, इससे पहले कि लहरें उसके पैरों के निशान को मिटा दें, उससे पहले हमने उसका पिछा करना शरु किया।

तीन साल पहले जब हम समशीतोष्ण महासागर, सुनहरे समुद्र तटों और परिपूर्ण मौसम मे जब यहा आये थे तब से यहा के दिवाने हो गए है और तब से बे यहा स्थानांतरित होने के लिए कह रही है। जब उसे पता चला कि हम ओहू द्वीप पर वापसी की यात्रा कर रहे हैं, तो उसने अपनी बाँहों को मेरे बाएँ पैर के चारों ओर से घेर लिया और उसने मुजे चुम लिया। वह चिल्लाई तुम सबसे अच्छी से अच्छी माँ हो जिससे मे असहमत थी।

यह यात्रा थोड़ी अलग होगी। इस बार, 6 से 10 जून तक 2020 के रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन की प्रत्याशा में, हम एक स्काउटिंग मिशन पर थे, और हमारे गाइड स्थानीय रोटेरियन थे, जिन्होंने हमें इस द्वीप के बारे मे सारी जानकारी दि थी। मैंने उन्हें अपने होनोलूलू - उनका पर्यावरण, उनका इतिहास और उनकी संस्कृति को दिखाने के लिए कहा । हम समुद्र तट से प्यार करते हैं, लेकिन हवाई के अन्य पक्ष भी हैं जो मैं आपको और आपके परिवार को दिखाना भुल नहि सकता।

होनोलूलू के सेंट लुइस स्कूल में, ब्रैडफोर्ड इकेमनु लूम पांचवी कक्षा के लड़कों मे सबसे आगे बैठता है, जो एक आईपीयू हेक नामक एक लौकी के ड्रम को तेज़ करता है। लडके मई के दिनो मे प्रदर्शन के लिए नृत्य का अभ्यास कर रहे है। वे रेत के टीलों पर पाए जाने वाले स्वदेशी सुबह की महिमा के बारे में एक गीत गा रहे हैं, हवाईयन सर्फर्स बडी तरंगो के लिए देवता को रिझाने के लिए पानी कि धार पर प्रार्थना कर रहे थे। गीत के अंत में, लुम पाउंड के रूप में पंक्ति मे खडा हर एक लडका अपनी बाहो को फैलाता है। उसे एसा लग रहा है कि मानो वे लहेरो कि सवारी कर रहे हो।

स्टीरियोटाइप के विपरीत, हूला डांस कुल्हे को हिलाने के बारे मे नहि है लेकिन इसमे गानो के शब्द के आधार पर गति निर्धारित है। उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें धन्यवाद देने के लिए, कानो काज़िमेरो, पेले - आग और ज्वालामुखी की हवाई देवी के बारे

Green sea turtles, called honu in Hawaiian, are a symbol of good luck — and of the 2020 Rotary Convention.

में एक दूसरा गीत गाते हैं। वह पहाड़ों और समुद्र को उकसाने के लिए अपनी भुजाओं को तेज़ी से ऊपर-नीचे करती है। लुम की तरह, काज़िमेरो एक मूल निवासी हवाई और सांस्कृतिक विशेषज्ञ है; पांच साल की उम्र से प्रशिक्षित और हूला प्रदर्शन करने के बाद, वह होनोलुलु सम्मेलन के लिए मनोरंजन का आयोजन करेगी, जिसमें उनके भाई, गायक और संगीतकार रॉबर्ट कैज़िमेरो और उनके दिवंगत भाई रानंद के साथ, ए हवाईयन संगीत दृश्य की आधारशिला का प्रदर्शन भी शामिल होगा।

यह वर्ग हवाई संस्कृति के बारे में सीख रहा है, जब लुम और काज़िमेरो बच्चे थे तब से आज तक बहोत बदलाव आ चुका है। 1896 में स्कुल मे हवाई शब्द बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, तीन साल बाद हवाई के राज्य को उखाड़ फेंकने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा द्वीपों के विनाश का मार्ग प्रशस्त किया गया था। जैसा कि देशी लोगों को अमेरिकी तरीकों को आत्मसात करने और अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था, हवाई संस्कृति को पिछड़े और विदेशी के रूप में लोग देखने लगे। लुम कहता है मुझे हवाई संगीत से नफरत थी, मुझे हुला से नफरत थी; मैं हवाई कि सारी चिजो से नफरत करता था। यह कलंक का कारण था। मैं अपना हवाईयन-नेस नहीं दिखाना चाहता था क्योंकि मैं अपने दोस्तों से अलग नहीं होना चाहता था।

जब तक वह कोलेज मे नहि था तब तक एसा नहि था, तब तक उपलब्ध एकमात्र जातीय अध्ययन वर्ग हवाई के लिए समर्पित था, लूम ने अपनी मूल पहचान को गले लगाना शुरू कर दिया। हवाई संस्कृति ने 1970 के दशक में लुम और काज़िमेरो जैसे लोगों के प्रयासों के माध्यम से पुनर्जागरण का अनुभव किया, जो कि स्वदेशी भाषा, संगीत और कला में नए सिरे से रुचि पैदा करता है। 1978 में, राज्य के संविधान में एक हवाई शिक्षा कार्यक्रम को अनिवार्य करने के लिए संशोधन किया गया, साथ ही राज्य की एक आधिकारिक भाषा के रूप में हवाईयन को मान्यता दी गई।

जब हुला क्लास खत्म हो जाता है, तो लुम और काज़िमेरो मुझे रानी एम्मा समर पैलेस में ले जाते हैं, जहा शहर कि गर्मि और धुल से विपरित शाहि ठंडक थी। इस छोटे से द्वीप पर, ऐसा लगता है जैसे कि हर कोई हर किसी को जानता है, और हमें पता चलता है कि हमारे टूर गाइड में से एक रोटरी क्लब ऑफ होनोलुलु पऊ हाना के राष्ट्रपति का बेटा है, जहां लुम और काज़िमेरो सदस्य हैं। डिसप्ले पर एक आश्चर्यजनक पीले और लाल पंख वाले केप हैं जो कम्मेहा द ग्रेट से संबंधित थे, जिन्होंने 19 वीं शताब्दी की शुरुआत में हवाई द्वीप को एक राज्य में एकजुट किया था। हवाई में कोई बड़ा स्तनधारी नहीं था, न ही कीमती धातु या पत्थर, इसलिए पंखों का इस्तेमाल धन और शक्ति को प्रदर्शित करने के

Dabbling paddlers prepare to launch their oceangoing outriggers.

लिए किया गया था। लुम बताते हैं कि पंखीओ को पकडने वाले वास्तव में राजा और रानी के लिए महत्वपूर्ण थे, हवाई वासियों ने कभी पक्षियों को नहीं मारा। वे पेड़ों पर शहद की चाशनी डालते थे, पक्षी उसमें उड़ते थे और वे पक्षी के पंखों को तोड़ते थे।

हवाई संस्कृति के कुछ प्रमुख मूल्य हैं, और, लुम बताते हैं, वे रोटरी के सेवा से ऊपर स्व की अवधारणा के साथ काम करते हैं। ओहना, या परिवार की अवधारणा, बहुत महत्वपूर्ण है, चाहे वह आपका खुन के रिश्ते वाला परिवार हो, आपका कार्य परिवार, या आपका पड़ोस परिवार। यह एक विनम्रता है, और निश्चित रूप से अलोहा है, जो हवाई शब्द हैलो और अलविदा दोनों के लिए पहेचाने जाते है। लेकिन अलोहा का बहुत व्यापक अर्थ है, एक ऐसा जो प्रेम, शांति, करुणा और दया को समाहित करता है। यह हवाई संस्कृति का इतना केंद्रीय है कि अलोहा आत्मा - को चरित्र के लक्षण के रूप में परिभाषित किया गया है जो हवाई के लोगों के आकर्षण, गर्मी और ईमानदारी को व्यक्त करता है - हवाई कानून में संहिताबद्ध था। ङ्गलाइव अलोहा मएक ऐसी चीज है जिसके बारे मे हम हर समय बात करते है, एसा काज़िमरो कहते हैं। यह टी-शर्ट का वाक्यांश नहि है। बल्कि यह दिल से आता है।

हवाई द्वीप एक ऐसी खूबसूरत जगह है, वे कई फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों के लिए स्थापित है, और टोनी और जो गेडोन उनमें से हर एक का स्थान जानते हैं। हम (पिता-पुत्र की जोड़ी, रोटरी क्लब ऑफ वाइकी के सदस्य) पूर्व ओहू के रास्ते से गाडी चला रहे थे, हमारा दौरा उष्णकटिबंधीय जंगल के माध्यम से एक ड्राइव में समाप्त होता है और हेयरपिन की एक श्रृंखला माउंट टैंटलस के शीर्ष पर जाती है, जहां हम द्वीप के 270 डिग्री के परिप्रेक्ष्य में प्रसन्न होते हैं। (हमने कार द्वारा अधिक साहसी चढ़ाई की)

हमारा दौरा उष्णकटिबंधीय जंगल के माध्यम से और माउंट टैंटलस के शीर्ष पर होने वालि एक ड्राइव पे खत्म होता है और जहां हम द्वीप के 270 डिग्री के परिप्रेक्ष्य का आनंद ले रहे है। (हमने कार से चढ़ाई की; अधिक साहसी आगंतुक साइकिल पर स्विचबैक को चुनौती देने का विकल्प चुन सकते

Poke (rhymes with OK), diced and marinated raw seafood, is a staple of native Hawaiian cuisine — though its different incarnations come seasoned with a variety of sometimes spicy-hot ingredients.

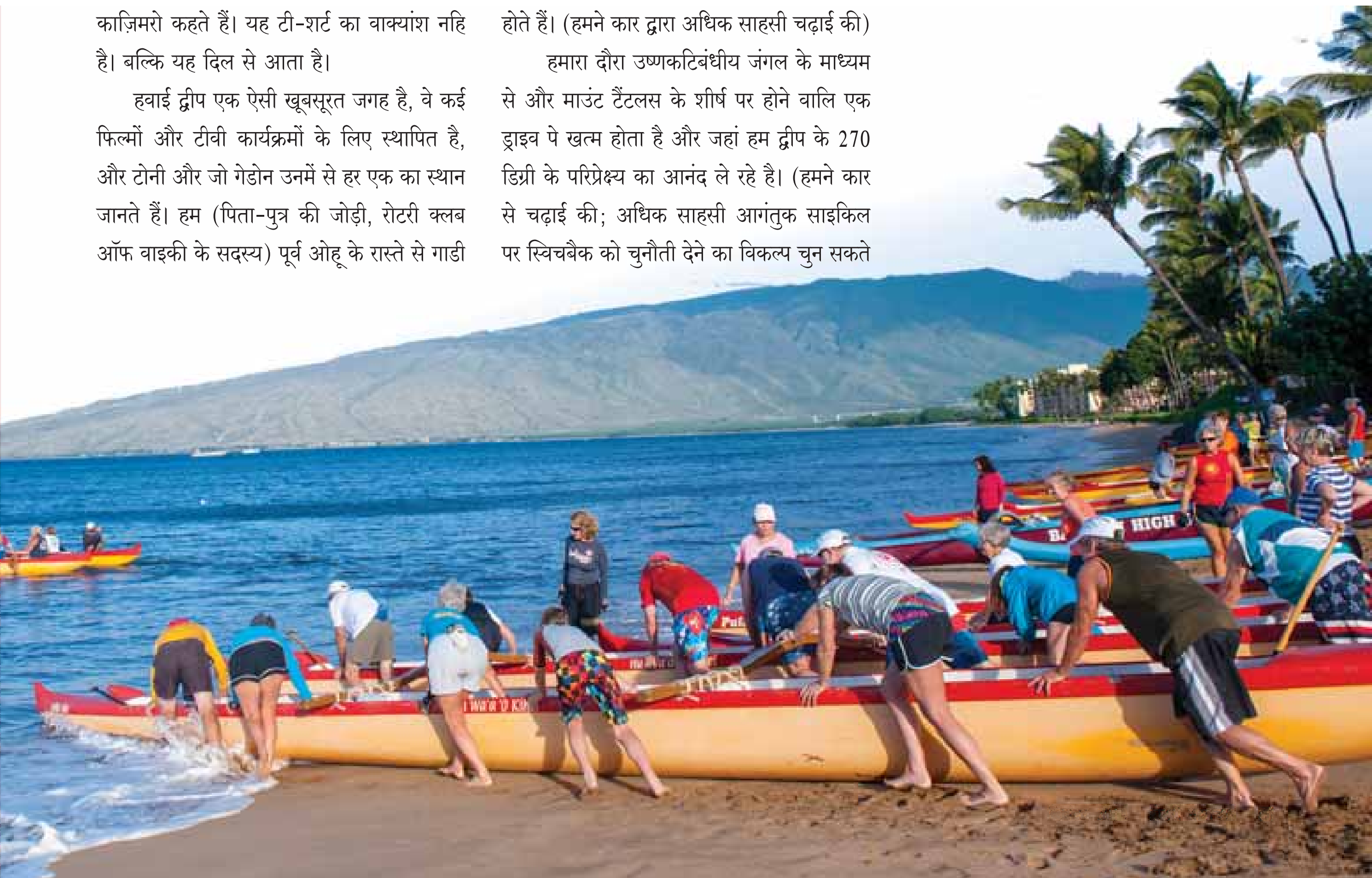

हैं।) पु, उलाका लुक आउट से हम डायमंड हेड, पंचबोल क्रेटर और डाउनटाउन होनोलूलू को देख सकते हैं - वही दृश्य जिसे चाड (एल्विस प्रेस्ली) और मेल (जोन ब्लैकमैन) ने ब्लू हवाई में अपने संक्षिप्त पिकनिक के दौरान देखा था और उसका आनंद लिया था। हमे दोपहर को बहोत भुख लगी थी, हम मसालेदार समुद्री भोजन का आनंद लेने के लिए शहर मे वापस गए। जब आप ऑर्डर करते हैं, तो याद रखें: ओके के साथ जवाब मिलता है।

हमने इस भोजन के साथ दिन का समापन किया, हालंकि इस भोजन मे लाउउ से अधिक मनोरंजन था। हवाईवासी एक जन्मदिन या सालगिरह मनाने के लिए एक लाउउ की मेजबानी कर सकते हैं जिस तरह से देश के अन्य हिस्सों में लोग एक क्लैम्बेक या एक बारबेक्यू ले सकते हैं। हम जिस लुऊ में उपस्थित होते हैं, वह कपोली में कोए ओलिना रिसोर्ट में पैराडाइज कॉव में है, जब हम वहा पहोंचे तब दो आदमी इमू - केले के पत्ते और गर्म चट्टानों वाला आग का गड्ढा के बाहर भुना हुआ सुअर खिंच रहे थे। भूख बढ़ाने के लिए, हम अपने फ्लिप-फ्लॉप - लोकल पार्लरों में चप्पल - को ले कर चलते हैं और एक आउटरिगर डोंगी में लग जाते हैं, जिसमें लुढ़कने वाले पतवार से क्षैतिज या प्रक्षेपित (आउटरिगर) रोलिंग महासागर में नाव को स्थिर करने के लिए क्षैतिज रूप से पेश करते हैं। कुछ जोरदार पैडलिंग करने के बाद, हम पानी के ऊपर एक शानदार सूर्यास्त देखने के लिए रुकते हैं।

किनारे पर, एक चमकते आकाश और एक अर्धचंद्राकार चाँद के नीचे, हम विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजन खाते हैं, जिसमें रसीला कलुआ सुअर - कलुआ का अर्थ है एक अर्थ ओवन में पका हुआ - और पोई, और तारो से बनी हुई बेंगनी शामिल है। इस पारंपरिक परिवार और दोस्तों के लाउ के लिए एक संकेत के रूप में, इमसी पूछती है कि जन्मदिन, हनीमून या वर्षगांठ कौन मना रहा है। हम प्रशांत द्वीपों के चारों ओर न्रृत्य कि विभ्भिन शैलीओ को देखते है, और जब वह स्वयंसेवकों से हुला करने के लिए कहते है तब बे अपनी जगह से खडी होती है और छलांग लगाती है, अन्य बच्चो के साथ जुडने के लिए उसने भी अन्य कि तरह महासागर कि लहेरे कि तरह अपने हाथ हिलाना शुरु किया। द्वीप ड्रम को सम्मोहित करने के लिए, शाम को एक आदमी ने अपने हाथ मे आग कि छडी ली और उसे गोल गोल घुमाकर और छलांगे लगाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मैं टीना और क्रिस्टीना ब्यूस के साथ होनोलुलु संग्रहालय ऑफ आर्ट के अंदर हूं। जुड़वां बहनें मेडिकल स्कूल जाने की योजना के साथ हवाई विश्वविद्यालय में जीव विज्ञान का अध्ययन कर रही हैं, और वे मनोआ रोटरैक्ट क्लब में हवाई विश्वविद्यालय के सह-अध्यक्ष हैं, जो हाई स्कूल में इंटरेक्शन में कई वर्षों के बाद शामिल हुए थे।

ब्यूस ने उन जुडवा कि हर समान विशेषता को प्रदर्शित किया है जो मैंने कभी देखा या सुना है: वे एक जैसे कपड़े पहनते हैं - सभी काले रंग में - और एक ही शब्द का उपयोग करते हुए एक साथ बात करते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है जैसे मैं स्टीरियो में सुन रहा हूँ। मुझे यहा कि शांति पसंद है, जब हम बौद्ध कला के विकास का पता कर रहे होते है तब टिना फुसफुसाती है। यह कितना शांत है यह आप अपने तरिके से सोच सकते हो

दो युवतियां मुझे संग्रहालय दिखाना चाहती थीं क्योंकि यह पसंदीदा जगह है जहां वे दोस्तों के साथ

Clockwise: Diners enjoy an outdoor meal at the café in the courtyard of the Honolulu Museum of Art; A hula dancer tells a sinuous tale; A Kaka‘ako mural; A sample of aloha “spirits”; Colourful surfboards of varying sizes are an omnipresent reminder of Hawaiian culture; A statue of the legendary surfer Duke Kahanamoku.

जाना पसंद करती हैं। जैसा कि मैं घूमता हूं, मैं अपने आप को संग्रहालय के हवाईयन कमरे में लुभाता हूं, जो ऐतिहासिक हवाईयन कलाकृतियों पर कम और हवाई कलाकारों के आधुनिक दुनिया की भावना पर ध्यान देने पर अधिक ध्यान केंद्रित होता है। ब्यूस को विशेष रूप से पोर्ट्रेट गैलरी से प्यार है, जहां पुराने और आधुनिक चित्रों की कलात्मक शैलियों की किस्मों को दर्शाता है। इनडोर, जलवायु-नियंत्रित दीर्घाओं के बीच अंतर्विरोधित थीम वाले आंगन हैं जो स्वयं कला का काम करते हैं; उदाहरण के लिए, भूमध्य प्रांगण, दीवारों पर फव्वारे और चैती टाइलों के साथ, और चीनी प्रांगण, कोइ तालाब, संग्रहालय के आगंतुकों को सड़क पर घूमने का अवसर प्रदान करते हैं।

बाद में ब्यूस मुझे काकाको में कुछ सड़क कला देखने के लिए ले जाता है, एक पूर्व औद्योगिक पड़ोस जो वैकीकी से लगभग 2 मील की दूरी पर है और अब शिल्प ब्रुअरीज, कॉफी शॉप, रेस्तरां, और सबसे प्रसिद्ध, भित्ति चित्रों से भरा हुआ है, जो इसे आबादी से दूर घूमने के लिए जगह बनाता है। यह युवा और सभी के लिए खुला है, टीना कहती हैं। पड़ोस की हर दीवार की लगभग हर सतह को भित्ति चित्रों से चित्रित किया गया है, जिसमे यथार्थवादी चित्रों से लेकर कार्टून अलोहा राक्षस तक है। हम कुछ पर्यटकों के साथ सेल्फी लेते हैं - और कई ने हमारे साथ भि ली। हम विरोध नहीं कर सकते।

पर्ल हार्बर नेशनल मेमोरियल में आगंतुकों के केंद्र में प्रदर्शन के माध्यम से एक ऑडियो टूर और मेन्डर कि जाहेरात हो रहि थी उसे सुनकर हम अन्य पर्यटकों के साथ मजाक कर रहे हैं। लेकिन जैसे ही हम उस बिंदु पर पहुँचते हैं जहाँ हम किनारे पर खड़े होकर यूएसएस एरिज़ोना मेमोरियल को देखते हैं, वहा पहोंचकर मैं रुकने के लिए मजबूर हो गया। मैं अपने हेडफ़ोन को हटा देता हूं और कुछ भी देख ना सकु इस लिए अपनी आंखे बंध कर लेता हू। मे इस पल को हमेशा याद रखना चाहता हू और इसलिए इस पवित्र स्थल के महत्व को पूरी तरह समझने की कोशिश करता हूं।

यह ओहू का शीर्ष पर्यटक आकर्षण हो सकता है - 2 मिलियन लोग सालाना स्मारक पर आते हैं - लेकिन यह उस तरह की जगह भी है जो आपको अजनबियों से घिरे होने के बावजूद आपको गोसेबंप

The nearly one-mile trail to the summit of Diamond Head is strenuous and steep, but the stunning panoramic views from the platform at the top of the crater are worth the effort.

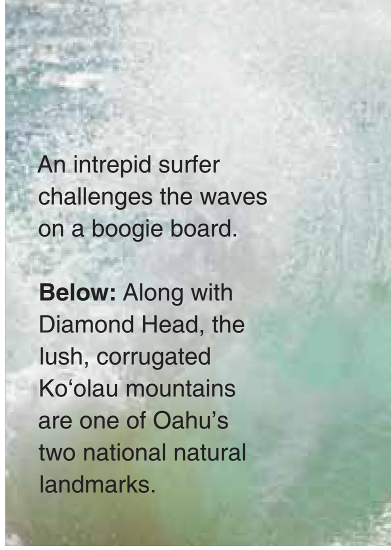

An intrepid surfer challenges the waves on a boogie board.

Below: Along with Diamond Head, the lush, corrugated Ko‘olau mountains are one of Oahu’s two national natural landmarks.

भी दे सकती है। यह युद्ध की त्रासदी का एकमात्र अनुस्मारक है।

लेकिन यह सामंजस्य की शक्ति का भी प्रतीक है। पर्ल हार्बर और हिरोशिमा, जापान के रोटरी क्लब ने 1982 में युद्ध से शांति के बंधन में बदलने के लिए एक बहन क्लब रिश्ते का गठन किया। क्लब के रोटेरियन एक-दूसरे के स्मारक स्थलों पर जाते हैं और दो शहरों में इसकी शांती कि महिमा फैलाते है।

यूएसएस एरिज़ोना मेमोरियल ने युद्धपोत की जलमग्न पतवार को थाम लिया, जो 7 दिसंबर 1941 के आश्चर्यजनक हमले के दौरान नौ मिनट में डूब गया था। जब मेरे परिवार ने दौरा किया तो स्मारक मरम्मत के लिए बंद था। लेकिन यह 2019 के अंत में फिर से खोलने का अनुमान है, जब आगंतुक एक बार फिर जहाज पर मरने वाले 1,000 से अधिक पुरुषों के अंतिम विश्राम स्थल के ऊपर चल पाएंगे।

मुझे पता नहि था कि मेरी छोटी सी बच्ची इन सब के बारे मे समज पाएगी या नहि। लेकिन बे को इस स्थान कि पवित्रताने छू लिया था, जब हम यहा से बहार निकले तब उसने अपने दिल पर हाथ रखा था।

बे लहरो को छुने वाली मिट्टी को निचे बैठकर छुती है और उसे अपनि जिभ से चाटती है। वह पानि की ओर उंगलि कर के बोलती है कि देखिए वहा इससे भी बडा है। मेरे पास आओ!!! इस बीच, डेल ग्रीन, 2020 होस्ट ऑर्गनाइजेशन कमेटी के अध्यक्ष, हरे रंग के समुद्री कछुए को पानी के नीचे बैकलिट की ओर इशारा कर रही है। उत्तेजना संक्रामक है, और मैं चीखता हूं क्योंकि मुझे पानी से कभी-कभार डर लगता है। ग्रिन हम सभी के बच्चे को बहार लाते है।

हम ओहु उत्तर किनारे पर लनिकेआ समुद्र तट पर हैं, जिसे अक्सर हरे समुद्री कछुओं के लिए कछुआ समुद्र तट कहा जाता है। हवाई में होनु नामक कछुए 3 से 4 फीट की लंबाई तक पहुंचते हैं और 200 से 500 पाउंड वजन के होते हैं। आप उन्हें होनोलूलू सम्मेलन में भुल नहीं सकते: वे कन्वेंशन लोगो पर चित्रित किए गए हैं। (हवाई के होनु के बारे में अधिक जानकारी के लिए।

हम रोटरी क्लब ऑफ़ डाउनटाउन होनोलूलू के एक सदस्य और उनकी प्रेमिका डायना दोन, जो होनोलुलु पऊ हाना क्लब की सदस्य हैं उनके साथ ग्रीन के साथ द्वीप के हमारे सर्कल टूर के माध्यम से मिडवे पर हैं। जब उन्होंने सुबह हमें पहले उठाया, तो ग्रीन और दून ने हमारे गालों को चूमकर और हमारी गर्दन के चारों ओर बैंगनी और सफेद फूलों की लाई लगाकर हमारा स्वागत किया, एक स्वागत समारोह में हमारी यात्रा में कई बार मुलाक़ात हुई। जब भी कोइ अच्छा कारण होता है तो ग्रिटिंग या धन्यवाद के रुप मे फुल देते है। उस फुल कि दुकान चाइनाटाउन और हवाई अड्डे पर है, और अलंकरण न

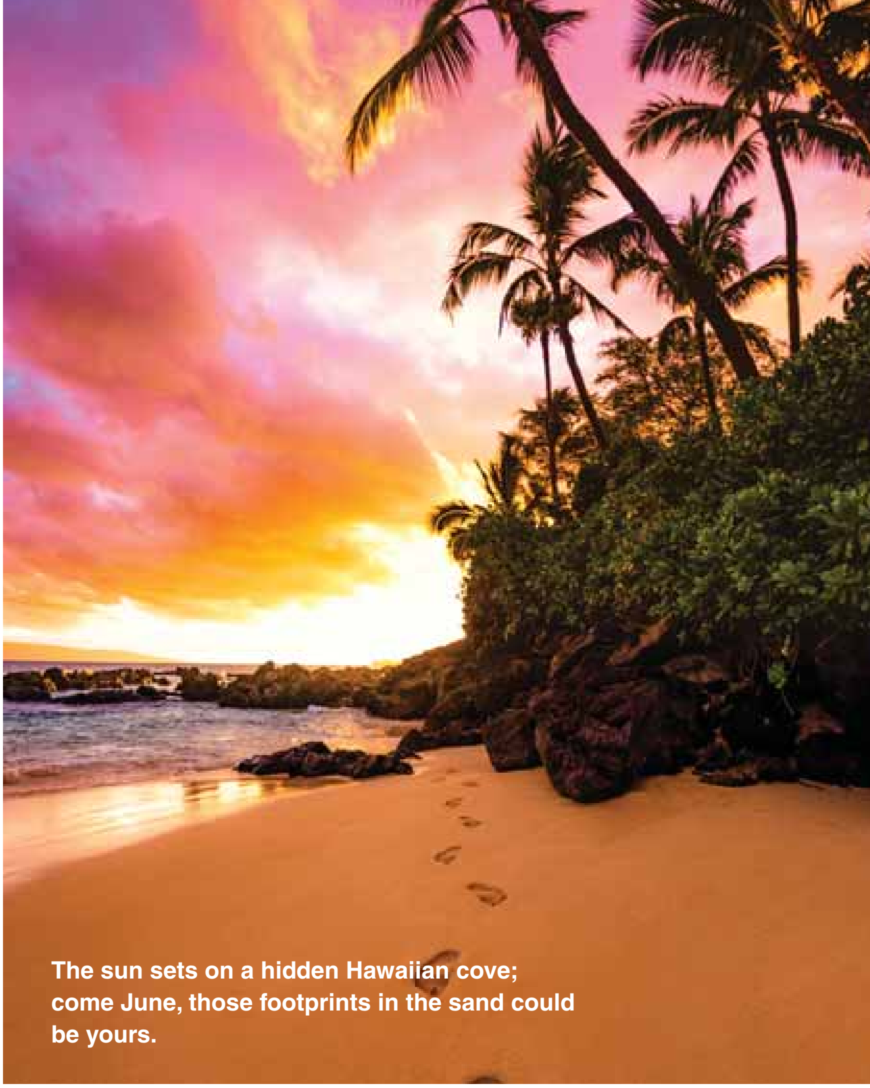

The sun sets on a hidden Hawaiian cove; come June, those footprints in the sand could be yours.

केवल फूलों की पंखुड़ियों के साथ बनाया जा सकता है, बल्कि नट्स, गोले - या डॉलर के बिल भी हो सकते हैं। ग्रीन समिति का कहना है कि रोटेरियन्स की योजना है कि दुनिया के सबसे बड़े लेई को अपने देशों से पेपर मनी से बाहर निकालने में मदद करें।

जैसे हि हम होनोलुलु से निकले ग्रीन बताते हैं कि यहां के लोग दिशा-निर्देशों के रूप में पूर्व और पश्चिम शब्दों का उपयोग नहीं करते हैं, जैसा कि वे मुख्य भूमि पर करते हैं। इसके बजाय वे भौगोलिक स्थलों का संदर्भ देते हैं: पूर्व के लिए डायमंड हेड और पश्चिम के लिए ईवा (ईवा बीच के लिए उच्चारण ईएच-वा)। और फिर वहाँ मौका और मकाई, जिसका अर्थ है पहाड़ की ओर और समुद्र की ओर।

रास्ते के साथ, हमने इतने भव्य समुद्र तटों को पार किया है कि मैं पानी का वर्णन करने के लिए रंगों से बाहर चला गया हूं: यह एक्वा है और एक आकर्षक पिछले स्नॉर्कलिंग हॉट स्पॉट हानुमा बे में झिलमिलाता है - वाह, यह पानी की तरह चमक रहा है बे ने कहा। सैंडी बीच पार्क में एक ब्लू हवाई कॉकटेल का फ़िरोज़ा, जो अपने साहसी और खतरनाक के लिए प्रसिद्ध है। जब तक हम मोकुपु लाइटहाउस पहुँचते हैं, तब तक आगंतुक पक्के मार्ग पर एक छोटी सी यात्रा कर सकते हैं। आसमानी? क्रेग का सुझाव है।

समुद्र तटों के बीच, हम राजसी कोइलाऊ पहाड़ों की प्रशंसा करते हैं, कड़े चेहरे के साथ झुर्रियों वाली सिलवटों वाले चेहरे जैसे कि टब मे बहोत लम्बे समय से भिगोए गए हो। दोपहर के भोजन से ठीक पहले, और दोपहर की रोशनी में पहाड़ लगभग दो आयामी दिखते हैं, जैसे कि वे एक फिल्म के लिए पृष्ठभूमि हो। (वास्तव में, वे जुरासिक पार्क के लिए अन्य फिल्मों में स्थापित थे।) ग्रिन इस प्रसंशा को कहेते हुए कम से कम तिन बार रोकते है। उन्होने कहा कि क्या वे सुंदर नहि है? हम एक पार्किंग बाधा पास करते हैं, जो अलोहा एक जीवन शैली है वाक्यांश के साथ चित्रित किया गया है - एक भावना जिसे हम अपनी यात्रा पर पूरी तरह से समर्थन करते हैं।

जब हम विंट्री विस्कॉन्सिन के लिए घर से उड़ान भरते हैं और बे वापस स्कूल जाते हैं, तो उनके किंडरगार्टन शिक्षक ने उन्हें हमारी यात्रा के बारे में अपनी पत्रिका में लिखने के लिए कहा। इस बार, यह समुद्र तटों, समुद्र या अविश्वसनीय मौसम को याद नहि करती है। इसके बजाय, वह डेल और डायना के साथ घूमने के हमारे दिन के बारे में लिखती है। यहां तक कि मेरा छह साल का बच्चा भी पहचानता है कि जितने भी प्राकृतिक अजूबे हैं, जितने द्वीपों की पेशकश करनी है, एक रोटरी सम्मेलन के बारे में सबसे अच्छा हिस्सा वे लोग हैं जिन्हें आप मिलते हैं।

© The Rotarian

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

पूरी तरह सच्ची रोटेरियन

बीना देसाई

समाज सेवा, रोटरी क्लब कंकरिया-अहमदाबाद, रो ई मंडल 3054

वह अपने मंडल के रोटेरियनों का धन्यवाद करती है कि ''उन्होंने उनका नेतृत्व करने के लिए एक महिला पर भरोसा किया।'' और उनके पति, पीडीजी आशीष देसाई स्वयं को 'मंडल का प्रथम पुरुष' कहते हुए गर्व महसूस करते है। बीना देसाई उन्हें उनके 200 प्रतिशत समर्थन के लिए धन्यवाद देती है। उन्होंने एक रोटरेक्टर के रूप में शुरुआत और आज रो ई मंडल 3054 की DG हैं।

बीना ने एक रोटेरियन के रूप में अनेक दिली यादों को साझा किया। जब उनका बेटा शाश्वत, जो अस्थिरज्जु के घिसाव से पुनः स्वस्थ हो रहा था, एक रोटरी कार्यक्रम के लिए स्विट्ज़रलैंड में था, तब वह चिंतित थी। ''लेकिन उसके लिए वहाँ रोटरी थी और उसे विदेशी भूमि पर भी घर जैसा एहसास होता था। गुजरात के भूकंप पीड़ितों तक सर्वप्रथम पहुँचने वाले रोटरियन ही थे और रोटरी के पोलियो उन्मूलन के गहन प्रयासों को कौन भूल सकता है। सूची असीमित है। जो पिन हम पहनते है वह हमें दूसरों से अलग करती है,'' वह कहती है।

बीना मंडल के 1,500 गांवों में परिहार्य दृष्टिहीनता परियोजना पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। ''हमने 'एक चम्मच कम' अभियान को शामिल किया है जिसे हाल ही में रो ई निदेशक भरत पांड्या ने गैर संक्रामक रोगों की घटनाओं को संबोधित करने के लिए सुझाया था।'' उनका उद्देश्य एक विशेष एप के माध्यम से एक-दूसरे के साथ रोटेरियनों के संबन्धों को बढ़ाना है और रोटरी में उनके 'अधिष्ठापन दिवस' को अभिस्वीकृत करने के लिए एक विशेष टीम मौजूद है, ''बिलकुल उसी तरह जैसे उनके जन्मदिन पर हम उनका अभिवादन करते है। 'रोटरी येलो पेजेस' एक अन्य पहल है जो सदस्यों के मध्य संपर्क को बढ़ाती है।''

उनकी दस प्रतिशत से सदस्यता वृद्धि करने की योजना है, लेकिन मेरा ध्यान अवरोधन पर है। ''हमें सदस्य मिल सकते है, लेकिन उसका कोई अर्थ नहीं होगा यदि हम रोटरी में उनकी रुचि को बनाए नहीं रख पाएंगे तो,'' वह कहती है।

टीआरएफ योगदान पर, उनका लक्ष्य 5 मिलियन डॉलर का है। लेकिन यह एक बड़ा कार्य है। यहाँ पर रोटेरियन खुद से बड़ी परियोजनाओं को करने में विश्वास रखते है और मुझे टीआरएफ में योगदान देने के लिए उनकी मानसिकता पर कार्य करना होगा।

बीना का बेटा, शाश्वत एक PDRR और RSAMDIO का एक पूर्व अध्यक्ष है, और उनकी बेटी RAC कंकरिया-अहमदाबाद की एक सदस्य है।

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

एक साथ मिलकर हम अधिक कर सकते है

एन मणिमारन

बिल्डर, रोटरी क्लब तंजावुर साउथ, रो ई मंडल 2981

एक आदमी के लिए जो संयोग से 2005 में रोटरी में आया था, संगठन के लिए मणिमारन का प्यार साल दर साल इस कदर बढ़ गया कि अब उनका ''जीवन रोटरी के इर्द-गिर्द घूमता है।'' वह एक अवसर को याद करते है जहाँ एक एनआरआई दोस्त, उनके क्लब का एक अक्षयनिधि दाता, ने एक सदस्य की बेटी की मदद की थी जो मिस्र में फंस गई थी। देश घूमने के दौरान उसका पर्स खो गया था। ''वह दुबई में रहते है लेकिन केवल दो घंटों में ही पैसे उसके पास पहुँच गए। ऐसा कभी नहीं होता जब रोटरी का नेटवर्क मुझे चकित ना करता हो,'' वह कहते है।

सामूहिक कार्य और टीम भावना वे अन्य पहलू है जो मणिमारन को रोटरी में पसंद है। ''जब एक बच्चे की शिक्षा को प्रायोजित करने की आवश्यकता होती है, तो एक अकेले व्यक्ति के रूप में आपकी अपनी सीमाएं होती है। लेकिन जब हम रोटरी के माध्यम से पैसा लगाते है, तो हम बहुत कुछ कर सकते है,'' वह कहते है।

टैंकों में से गाद निकालना उनकी अगली प्राथमिकता है और मंडल में अब तक 100 से अधिक टैंक पुनर्जीवित किए जा चुके है। विशेष रूप से स्कूल संरचनाओं को सुधारने के लिए डीजी डीडीएफ़ से उनके क्लबों के लिए 50,000 आवंटित कर रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना भी उनकी कार्यसूची में है।

टीआरएफ़ में उन्हें 1 मिलियन डॉलर का दान करने की उम्मीद है। सदस्यता के मामले में, उनका लक्ष्य 600 नए सदस्यों और 100 महिला रोटेरियनों को शामिल करने का है।

रोटरी में महिलाओं को प्रोत्साहन

पंडी शिवनारायण राव

स्कूल प्रबंधन, रोटरी क्लब गुंटूर विकास, रो ई मंडल 3150

वह 2001 से एक रोटेरियन है और रोटरी से जुड़ने के लिए उन्होंने परिवार के और भी सदस्यों को प्रेरित किया है। शिवनारायण राव की पत्नी अन्नपूर्णा उनके क्लब की एक सदस्य है, बेटी रिचा रोटरी क्लब आदर्श की एक सदस्य है और बेटा तानसेन, एक पूर्व डीआरआर, रोटरी क्लब हैदराबाद के सदस्य है। ''वह मेरा महासचिव भी है,'' एक गौरवान्वित पिता कहते है।

राव का ध्यान संगोष्ठियों के माध्यम से किसानों को सरकारी सब्सिडियों, बेहतर और आधुनिक कृषि तकनीकों जैसे आवश्यक पहलुओं पर शिक्षित करने का है। उन्होंने उनके क्लबों से महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित योजनाएँ बनाने एवं अधिक महिला रोटेरियनों को शामिल करने का अनुरोध किया है। ''यदि हम हमारी परियोजनाओं में संवहनीयता चाहते है, तो हमें अधिक महिलाओं की आवश्यकता है। वे इस बात का खयाल रखेंगी की सेवा परियोजनाएं जारी रहे,'' वह कहते है। उनकी 300 महिला रोटेरियनों को शामिल करने की योजना है।

सदस्यता के मामले में, उन्हें सदस्य संख्या को 1,000 से बढ़ाने का विश्वास है। टीआरएफ़ के लिए उन्हें 1 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने की उम्मीद है।

मंडल में विनएस कार्यक्रम के जीवंत होने के कारण, डीजी कहते है कि नवनिर्वाचित गवर्नरों के साथ, उनका लक्ष्य तीन वर्षों में 1,000 सरकारी स्कूलों को सुधारने का है।

रोटरी में उनका सबसे अभिलषित पल तब था जब एक वृद्ध महिला ने उनके क्लब द्वारा कुछ वर्ष पूर्व आयोजित किए गए एक शिविर में मोतियाबिंद की सर्जरी कराने के बाद आँखों की रोशनी फिर से पाकर उन्हें दिल से आशीर्वाद दिया था।

साक्षरता को बढ़ावा देना

गोपाल खेमका

स्वास्थ्य देखभाल, रोटरी क्लब पटना मिडटाउन, रो ई मंडल 3250

वह इस बात से उत्तेजित है कि उनके क्लब ने समुदाय के लिए विविध सेवा परियोजनाएं तैयार की है। मुझे मेरे रोटेरियनों का जोश पसंद है। ''हमारी बहुत सी परियोजनाएं स्कूली शिक्षा और स्वच्छता पर केन्द्रित है,'' गोपाल खेमका कहते है। उन्होंने प्रत्येक 102 क्लबों को कम से कम दो सरकारी स्कूलों में हाथों की धुलाई के स्टेशन स्थापित करने और मंडल में कम से कम 100 हैप्पी स्कूल बनाने के लिए प्रेरित किया। डीडीएफ़ या वैश्विक अनुदान सहायता के अतिरिक्त, वह 1 करोड़ की इंटर क्लब परियोजनाओं को भी प्रोत्साहित कर रहे है। अब तक तीस क्लबों ने मिलकर 60 लाख की सेवा परियोजनाएं निष्पादित कर ली है, वह मुस्कुराते है।

खेमका महिला रोटेरयनों को बड़े स्तर पर क्लब गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है और क्लबों से अधिक महिला सदस्यों को शामिल करने का अनुरोध कर रहे है। उनकी बहू, एक कर्करोग-सर्जन, भी उनके क्लब की एक सदस्य है। उनका लक्ष्य मंडल सदस्यता को 10 प्रतिशत से बढ़ाने का है और उन्होंने 90 प्रतिशत तक सदस्य अवरोधन करने वाले क्लबों के लिए पुरस्कार की घोषणा की है।

वह 1994 से एक रोटेरियन है और वह उनके व्यापारिक संपर्कों से प्रेरित हुये थे। मित्रता और बड़े स्तर पर सेवा करने का अवसर वे बातें है जो रोटरी के बारे में उन्हें पसंद है। उनका सबसे अभिलषित पल वह था जब उन्होंने उनके क्लब द्वारा समर्थित दृष्टि-बाधित बच्चों के एक स्कूल का दौरा किया और ''जाना कि वहाँ से निकले सभी बच्चे अच्छी तरह स्थापित है और उनके जीवन में अच्छा कर रहे है।''

गाँवों को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता

राजेंद्र मधुकर भामरे,

बिल्डर, रोटरी क्लब मालेगाँव मिडटाउन, रो ई मंडल 3030

वह 2004 से एक रोटेरियन है। ''मैंने 1997 में रोटरी से जुड़ने की कोशिश की थी लेकिन कुछ वर्गीकरण मसलों के चलते उसमें देरी हो गई,'' राजेंद्र भामरे कहते है। वह 40 साल से कम उम्र के युवाओं को सदस्य बनाने के लिए उत्सुक है और वह रोटेरियनों के साथियों से भी सेवा परियोजनाओं के निष्पादन में सक्रिय रूप से भाग लेने का अनुरोध कर रहे है।

मंडल का अधिकांश हिस्सा ग्रामीण पट्टी में आता है और बुरी तरह सूखा-ग्रस्त है। इसलिए वह पनढाल प्रबंधन एवं गांवों को गोद लेने की परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित कर रहे है।

उनका लक्ष्य सदस्यता को 10 प्रतिशत से बढ़ाने का और रोटरी सेंट्रल में सदस्यों का 100 प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने का है। वह चाहते है कि हर एक क्लब एक रोटरेक्ट क्लब की शुरुआत करें, एक या दो गाँव गोद लें और वहाँ पर आरसीसी की स्थापना करें।

डीजी इस बात से अप्रसन्न है कि मंडल ने पिछले कुछ वर्षों में टीआरएफ़ योगदान में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, हालांकि दिशा बैठक में इस वर्ष के लिए मंडल का लक्ष्य 4 लाख डॉलर निर्धारित किया गया है। ''मैं हर एक रोटेरियन को मेरे ओसीवी के दौरान समझाता आ रहा हूँ कि वे जितना हो सके उतना संस्थान को दान दें,'' वह कहते है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया

कार्यालय से संदेश

माय रोटरी में पंजीकरण करने के फायदे

क्लब के अधिकारियों को सदस्य संसाधनों तक पहुँचने, सम्मेलन के लिए पंजीकरण करने, और ईमेल सदस्यता का प्रबंधन करने के लिए माय रोटरी के माध्यम से पंजीकरण करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। क्लब नेतृत्वकर्ता साथ में; रोटरी क्लब सेंट्रल के माध्यम से लक्ष्यों को निर्धारित कर सकते है एवं उपलब्धियों की रिपोर्ट दे सकते है।; क्लब के सदस्यता आंकड़ों और क्लब की बैठक के दिन व समय को अपडेट कर सकते है।; 31 दिसंबर तक अगले वर्ष के अधिकारियों के नाम जमा कर सकते है; क्लब सदस्यों के ईमेल एड्रेस को ऑनलाइन अपडेट कर सकते है।; ऑनलाइन आधिकारिक डायरेक्टरी को खोज सकते है।

ई-क्लब और रोटरी क्लब:

पारंपरिक क्लबों एवं ई-क्लबों के बीच अब कोई अंतर नहीं है। हालाँकि रोटरी के संवैधानिक दस्तावेजों में से ई-क्लबों का उल्लेख हटा लिया गया है, फिर भी ई-क्लब स्वयं को ऐसे रोटरी क्लबों के रूप में वर्णित एवं प्रचार कर सकते है जो पूरी तरह से या मुख्य रूप से ऑनलाइन मिलते है।

नए सदस्यों को प्रेरित करने के लिए क्लब अब सीमित समय एवं लंबी दूरी से संबंधित मुद्दों का समाधान कर सकते है; भौतिक बैठक स्थान अब कोई अवरोध नहीं है। वास्तविक व्यक्तिगत उपस्थिति, या टेलीफोन/ऑनलाइन/ एक ऑनलाइन संवादात्मक गतिविधि के माध्यम से क्लब लचीलापन दे सकते है। बैठक के इन विभिन्न विकल्पों एवं लचीलेपन का होना भले ही देखने में यह कुछ ख़ास ना लगे, पर उपस्थिति जरूरतों का इस बात पर बड़ा प्रभाव पड़ता है कि क्लब नए सदस्यों को भर्ती कर पा रहा है या नहीं। एक अच्छा अभ्यास यह है कि आप नए सदस्यों से बातचीत करके पूछे कि एक सदस्य के रूप में वे क्या करने की उम्मीद रखते है। इससे एक निष्पक्ष सूचना मिलेगी कि रोटरी से जुड़ते वक्त सदस्य क्या तलाश रहे है।

रोटरी वर्ष 2018-19 में भारत के अनुदान संचयन आंकड़ें

21.4 मिलियन डॉलर (बिना ऑडिट किया गया आंकड़ा) के कुल दान के साथ भारत ने दुनियाभर से देने वाले शीर्ष देशों में दूसरा स्थान बरकरार रखा है। कुल टीआरएफ योगदान में भारत के सात मंडलों ने 1 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया। रो ई मंडल 2981, 3132, 3142 और 3182 के 100 प्रतिशत क्लबों ने टीआरएफ में दान किया। कुल 69 प्रतिशत क्लबों ने टीआरएफ में दान किया। दानकर्ता भागीदारी के मामले में, रोटरी वर्ष 2018-19 के दौरान भारत से 23 प्रतिशत सदस्यों ने टीआरएफ में योगदान दिया।

Top 10 Giving Districts (2018–19)			
District	Total Contribution in US$	World wide Rank	2018–19 District Governor
3190	3,054,327	1	Suresh Hari S
3141	2,597,241	2	Shashi Sharma
3011	1,513,904	9	Vinay Bhatia
3131	1,388,290	15	Shailesh Palekar
3232	1,169,580	22	Babu Peram
3142	1,147,028	29	Ashes Ganguly
3201	1,033,161	36	A V Pathy
3060	977,037	45	Pinky Patel
3150	848,437	54	Ramesh Vangala
3170	724,285	75	Ravikiran Kulkarni

टॉप 5 गिविंग क्लब्स (2018-19)

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस्, रो ई मंडल 3190 ($1,956,993); रोटरी क्लब बांम्बे, रो ई मंडल 3141 ($864,169); रोटरी क्लब ठाणे लेक सिटी, रो ई मंडल 3142 ($431,146); रोटरी क्लब बैंगलोर इंद्रानगर, रो ई मंडल 3190 ($380,933) और रोटरी हैदराबाद डेक्कान, रो ई मंडल 3150 ($264,834).

ध्यान दें! एफसीआरए पंजीकृत क्लब

पिछले कुछ वर्षों में, रोटरी संस्थान (भारत) को भारतीय अनुदान भुगतानों में एक अच्छी मात्रा में वृद्धि देखने को मिली है जिसका मतलब है कि हमने RF(I)-INR खाते में उपलब्ध राशी को अपेक्षा से पूर्व ही खर्च कर दिया। इसके परिणामस्वरूप अनुदान भुगतान कतार में लग गए और जब कभी भी अतिरिक्त दान किये गए और पर्याप्त धन उपलब्ध हुआ तो उनका भुगतान पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया गया।

निधीयन में आ रहे इस अंतराल को पूरा करने का एक विकल्प RF(I)-FCRA खाते से उन इकाइयों/क्लबों को अनुदान भुगतानों का वितरण करना है जो FCRA पंजीकृत है (और जिसका नियंत्रण संबंधित रोटरी क्लब द्वारा किया जाता है)।

हम FCRA पंजीकृत इकाइयों से उनके FCRA पंजीकरण/नवीनीकरण पत्र की एक प्रति को रोटरी संस्थान (भारत) के साथ साझा करने का अनुरोध करते है। ■

Rotary
India Literacy Mission

Asha Kiran... a ray of hope

(A program to send children back to school)

8.4 crore children in India are out-of-school.
It's time to take action.
Join hands with RILM's Asha Kiran Program.
Shape the Future of millions of children.

Asha Kiran... a ray of hope, aims to send children back-to-school who are between 7 to 14 years and are:

- Drop outs
- Never Enrolled or
- Laggards

Subho studied in Jogeshgunj Asha Kiran Center, Sundarban, West Bengal

From being a fisherman,
Subho is now destined to dream big
Thanks for your contribution towards Asha Kiran.

Child Development National Committee

PDG Dr. Rekha Shetty
Chair

PDG Dr. John Daniel
Member (South)

PDG Sharat Jain
Member (North)

PDG Sibabrata Dash
Member (East)

PDG Mohan Palesha
Member (West)

PDG Atul Gargava
Member (Central)

Dear Rotarians and Rotary Clubs in India,

1. **Light up a candle** as commitment to **send one child** or more **back to school**
2. **Take a photo or video** of yourself or in a group and exhibit your commitment on **RILM Facebook group** www.fb.com/groups/RotaryIndiaLiteracyMission/ with **#AshaKiran**
3. **Motivate** your club **members**, **friends** and **family members** to **sponsor** children under the **Asha Kiran program.**

Let us together light up the flame of Literacy through Asha Kiran.. a ray of hope and help children go back-to-school!

You can help **make their dreams** come true!

Asha Kiran Footprints

14 States

33 NGO Partners

37,436 Children Reached

35,078 Children Mainstreamed

SUPPORT A CHILD TODAY BY DONATING ₹ 2,500/-

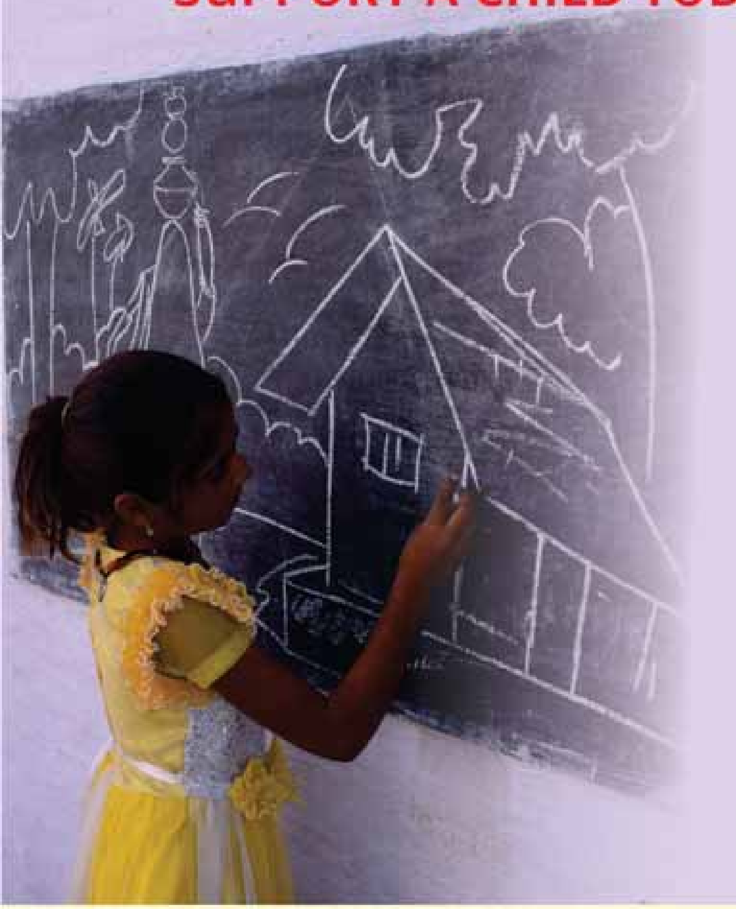

Bank details for donation

Name	: Rotary South Asia SFD & C Literacy Mission
Account Number	: 037201003120
Bank	: ICICI Bank
IFSC	: ICIC0000372
Branch	: 95, Sarat Bose Road, Kolkata - 700 026

Send following details to **admin@rotaryteach.org**

1. Payment details -
   - I. NEFT /Cheque/DD No
   - II. Date
   - III. Amount of Donation
2. Donor details -
   - I. Name
   - II. Address
   - III. Mobile No
   - IV. E-mail id
   - V. Rotary District
   - VI. Rotary Club
3. Copy of PAN Card required for donation above ₹ 20,000.

For online donation visit : www.rotaryteach.org

All donations to RILM are tax exempted u/s 80G of Income Tax Act.

For program related query mail to **childdevelopment@rotaryteach.org**
For donation related query mail to **admin@rotaryteach.org**
www.rotaryteach.org | 033-2486 3434/ 70031 48401

शब्दों की दुनिया

अ लाइफ बियोंड

संध्या राव

किताबों का एक उपहार एक अकल्पनीय दुनिया की खिड़कियाँ खोलता है

मेरा एम. एस. धोनी का प्रशंसक होने के कारणों में से एक कारण यह है कि वह हमेशा उस पल में जीने कि महत्ता के बारे में बात करते है। उनके खेल, क्रिकेट, के संदर्भ में वह हमेशा कहते है कि बीते हुए कल की जीत या हार उसी दिन के साथ समाप्त हो जाती है और कौन जाने कि आने वाला कल क्या लेकर आएगा। जो चीज़ मायने रखती है वह है उस पल के लिए खेल में अपना सौ प्रतिशत देना। यह सिद्धांत जीवन के हर पहलू पर लागू होता है। व्यक्तिगत स्तर पर, जब मैंने हाल ही में अपनी माँ को खोया, उस दिन मुझे उस पल में अनिच्छापूर्वक रहना पड़ा; और इस बात में कोई शक नहीं है कि यह बहुत से लोगों का अनुभव होगा।

यह शोक और असीम दुख का सामना करने के संदर्भ में है कि नॉर्थ कैरोलिना में एक डॉक्टर के रूप में अनेक वर्षों तक संवेक्षाशील अभ्यास करने के बाद एक प्रिय मित्र ने मुझे दो किताबें भेजी: जेम्स वान प्राघ द्वारा लिखित *हीलिंग ग्रीफ: रीक्लेमिंग लाइफ आफ्टर एनी लॉस* और ओप्रा विनफ्रे द्वारा लिखित *वॅट आई नो फॉर श्योर*। आपको याद दिला दूँ कि वान प्राघ एक सूक्ष्मदर्शी और आध्यात्मिक माध्यम है; ओप्रा एक टॉक शो की होस्ट, मीडिया प्रवर्तक, अभिनेत्री और टीवी निर्माता है। मेरी दोस्त ने मुझे आश्वस्त किया कि इन दोनों लेखकों ने असफलता और दुख के कठिन एवं भ्रामक समय में उसकी मदद करना जारी रखा।

सच्चाई यह है कि, स्व-सहायता किताबें मुझे आकर्षित नहीं करती, और ये, एक तरह से, उसी श्रेणी में आती है: वे आपको आपकी स्वयं की मदद करने का दावा करती है, कम से कम भावनाओं में। तो काफी संशयवाद के साथ मैंने उन्हें पढ़ना शुरू किया। प्रेरक कारक यह था कि वे एक ऐसे व्यक्ति से मिला उपहार था जिसे मैं प्यार करती हूँ और उसकी इज्जत करती हूँ, और जिसकी एक वैज्ञानिक मनोवृति है ...आखिरकार वह एक डॉक्टर है।

पढ़ना शुरू करने वालों के लिए, दोनों ही किताबें अच्छी तरह से लिखी गई है। वान प्राघ उन मुद्दों पर एक प्रत्यक्ष, सरल तरीके से संवाद करते है जो वास्तव में समझने में कठिन होते है। वह दूसरी दुनिया में जा चुके लोगों, मतलब जिन लोगों की मृत्यु हो गई है, के साथ संपर्क करके जो अब भी जीवित है उनकी दुनिया में स्पष्टता लाने की बात करते है। जबकि हम में से कुछ लोग मृत्यु के सिद्धांत को एक तथ्य के रूप में लेते है, ऐसे बहुत से लोग है जिनके पास इस बारे में और मरणोपरांत जीवंत के बारे में अंतहीन सवाल होते है। हम क्यों मरते है? मरने के बाद क्या होता है? हम अपने शरीर से मुक्त होने के बाद कहाँ जाते है? क्या मेरे परिजन वहाँ सुरक्षित है? ये कुछ सवाल है जो शोक का सामना कर रहे माता-पिता और बच्चों और दोस्तों को परेशान करते है। मैंने इसे अधिक स्पष्टता के साथ तब महसूस किया जब मैंने अपने दूसरे पालक को खो दिया और स्वयं को दिशाहीन, भटका हुआ और दुखी महसूस किया।

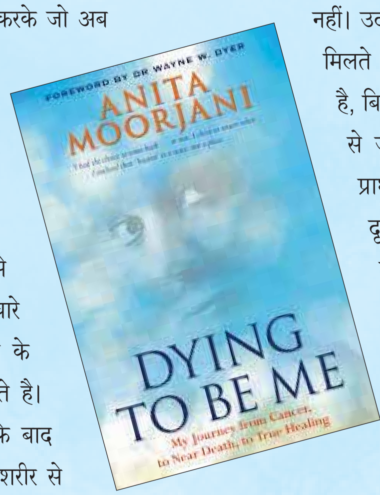

आध्यात्मिक माध्यम के रूप में उनकी भूमिका के बावजूद भी वान प्राघ को पढ़ना, एक शांत, सक्षम अनुभव है जो आश्वासनपूर्ण होकर भी व्यावहारिक है। यह इस तथ्य को भी रेखांकित करता है कि दुखद हानि केवल मृत्यु से ही जुड़ी हो ऐसा आवश्यक नहीं है, हालांकि यह एक प्रमुख विशेषता हो सकती है। यह अलगाव, तलाक, घर की हानि, एक दर्दनाक बीमारी, मध्य-जीवन के संकट, बढ़ती उम्र, या पालतू जानवर की मृत्यु से भी जुड़ा हो सकता है। जहाँ उनकी अन्य किताबें उनके जीवन और एक सूक्ष्मदर्शी एवं एक माध्यम के रूप में उनके कार्यों पर अधिक बात करती है, वहीं हीलिंग ग्रीफ नुकसान के बाद के परिणाम पर ध्यान देती है, भावनाओं पर विस्तार से चर्चा करती है और प्रत्येक अनुभाग के अंत में उपचार के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करती है।

हालांकि कट्टर वैज्ञानिक इस परिभाषा को दुत्कारेंगे, डेजावू शब्द आमतौर पर कहीं पर होने या देखे जाने/ कुछ पहले से अनुभव किए हुए को महसूस करने, कुछ परिचित सा पहले से ज्ञात होने की भावना का वर्णन करने के बारे में माना जाता है।

अधिकतर लोगों को कभी न कभी इस *डेजावू* की भावना का अनुभव हुआ है। कभी-कभी इसके लिए एक तर्कसंगत स्पष्टीकरण होता है, कभी नहीं। उदाहरण के लिए, आप किसी से मिलते है और उससे तुरंत जुड़ जाते है, बिलकुल ऐसे जैसे आप उसे पहले से जानते हो। इसलिए, जब वान प्राघ कहते है कि, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखें तो, तलाक होता है क्योंकि दो आत्माओं के बीच कार्मिक दायित्वों को पूरा होना होता है। आत्मा का अनुबंध पूरा करने के लिए एक जीवनकाल के दौरान आत्माएँ एकसाथ पुनर्जन्म

लेती है, यह एक अमूर्त तरीके से समझ में आता है भले ही आप कर्म या आत्मा या पुनर्जन्म या भगवान पर विश्वास नहीं करते हो। यह उन लोगों की मदद करता है जो तलाक या हार के बाद स्वयं से दर्दनाक आत्म-पूछताछ और प्रत्यारोपों से गुजरते है।

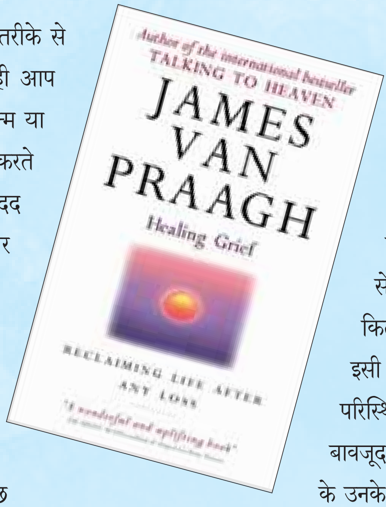

लेखक अपने पिता से पूछते है कि क्या बूढ़ा होने ने उन्हें कुछ सिखाया है। ओह, हाँ, वह उत्तर देते है। मेरे पास अपने जीवन पर मनन करने के लिए बहुत समय है, और मैं बार-बार सोचता रहता हूँ, यदि तब मैं केवल जानता था तो अब मुझे क्या पता है। मैंने कई तरीके से जिंदगी को हल्के में लिया। एक व्यक्ति को यह एहसास नहीं होता कि जिंदगी कितनी कीमती है। यह बहुत तेज़ी में गुज़र जाती है... जब मैं सोचना बंद कर देता हूँ, तो मुझे आश्चर्य होता है कि मेरे सभी वर्ष कहाँ गए, और वे इतनी शीघ्रता से कैसे बीत गए।

किताब हमसे यह भी याद रखने के लिए कहती है कि प्यार कभी मरता नहीं है, डर एक भ्रम होता है, हम कभी सीखना बंद नहीं करते है; आपको हर पल की कीमत समझना चाहिए और जिनसे आप प्यार करते है उनसे अपने दिल की बात कहना चाहिए। हम सृष्टि को नियंत्रित नहीं कर सकते लेकिन हम स्वयं को नियंत्रित कर सकते है, अपने सुख-दुख को साझा कर सकते है। वह कुछ व्यायाम भी सुझाते है जो हमें अपने बारे में अधिक सीखने एवं दुख का सामना करने में मदद कर सकते है

ओप्रा विनफ्रे की किताब हर मायनों में अधिक मनोहर है: उसके रूप में, उसके विचारों के प्रसार में, और तो और लेखन में भी। किताब एक सवाल से शुरू होती है जो उनसे शिकागो ट्रिब्यून की फिल्म समीक्षक जीन सिस्केल ने पूछा था: मुझे बताइये, आप निश्चित रूप से क्या जानती है? इस सवाल का जवाब देने का उनका प्रयास हमें उनके स्वयं के जीवन के हर्ष, प्रतिरोधक्षमता, संबंध, कृतज्ञता, आदर, स्पष्टता और बल के बारे में उनके परिज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित करता है। जैसा कि किताब के पीछे के कवर में लिखा है, मैं निश्चित रूप से जानती हूँ कि आपकी यात्रा उठने, बाहर निकलने, और पूरी तरह से जीने के एक चुनाव के साथ शुरू होती है।

वान प्राघ की किताब की तरह, ओप्रा की किताब जोश से गुंजायमान है, लेकिन उनकी किताब के विपरीत, इनकी किताब इसी संसार में रहती है। यह उनके दरिद्र परिस्थितियों में बढ़ने और बाधाओं के बावजूद भी अपने जीवन को साकार करने के उनके स्वयं के अनुभवों से उभरता है।

वह लिखती है, अपने पति द्वारा यह कहने कि "मैं तुम्हारी प्रशंसा करता हूँ", अपने बच्चों से यह सुनने कि आप एक अच्छी माँ है, किसी आदमी का आपको ले जाने और आपसे शादी करने, या आपके पक्के दोस्त द्वारा आपको यह आश्वस्त करने कि आप सुधरने के लायक है, यह सब सुनने का इंतज़ार न करें। अपने अंदर झाँकिए - प्यार की शुरुआत आपसे ही होती है। यह बिलकुल वही है जिसके बारे में *डाइंग टू बी मी* की लेखिका अनीता मूरजानी, अपनी TEDx टॉक में उनके मृत्यु के करीबी अनुभव के बारे में कहती है। जीवन के बारे में उनके शीर्ष पाँच अनुभव निश्चित रूप से आपके साथ-साथ संशयवादियों के समझ में भी आएंगे: प्यार पर ध्यान केन्द्रित करें और सबसे पहले, स्वयं से प्यार करें; निडर होकर जीवन जिएँ; दिल्लगी, हँसी और खुशी को गले लगाएँ; जीवन एक उपहार है; और हमेशा जैसे हो वैसे रहो।

ओप्रा कहती है कि किसी भी संबंध का मूल बातचीत में होता है। वह एक सुहावने दिन में उनके द्वारा सचेत रूप से लिए गए निर्णय के बारे में बात करती है जब उन्होंने आस-पड़ोस के लोगों के साथ मेल-मिलाप करने का फैसला किया, एक फैसला जिससे उन्हें महसूस हुआ कि वह एक सक्रिय और जीवंत समुदाय का हिस्सा है। वह जीवन के एक उपहार होने के बारे में भी बात करती है और इस उपहार की सराहना करने के लिए उन्हें कुछ चीज़ें करके खुशी मिलती है जैसे उनके बगीचे में सब्जियाँ उगाना, एक अच्छी किताब पढ़ना, जागने की इच्छा होने तक सोते रहना, मौन रहना, आभार व्यक्त करना...

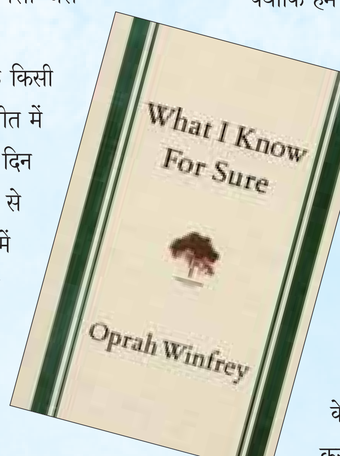

उन्होंने अक्सर उनके जर्नल में स्वयं से पूछा, वह किस चीज़ से डरती थी: वक्त के साथ मुझे एहसास हुआ कि बहुधा बाहर से मैं जितना भी बहादुर दिखाई देती थी, मैंने अपना अंदरूनी जीवन उतना ही बंधन में जिया था। मैं डरती थी कि दूसरे मुझे पसंद नहीं करेंगे। मैं भयभीत होती थी कि यदि मैंने लोगों को ना किया, तो वे मुझे अस्वीकार कर देंगे। मैंने जो कुछ भी किया, सोचा, महसूस किया, कहा, या खाया वह सब मेरे उस डर से संबन्धित था जिसे मैं अपने आसपास लेकर चलती थी - और मैंने उसे इस बात को जानने से रोकने की अनुमति दी कि मैं वास्तव में कौन हूँ। वह कहती है, यह बात सत्य है कि आपको स्वयं के अलावा किसी और को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है।

जैसे आप पढ़ना शुरू करते है, ओप्रा आपको अंदर झांकने, अपने स्वयं के जीवन का परीक्षण करने के लिए मजबूर करती है। डटे रहने से आसान हार मानना होता है, लेकिन गिरने के बाद बारंबार अपने पैरों पर वापस खड़ा होना ही आपके साहस का सच्चा पैमाना होता है। ओप्रा विनफ्रे एक अंतर्राष्ट्रीय प्रख्यात शख्सियत है और इसलिए वह जो कहती है उसे अस्वीकार करना हमारे लिए बहुत आसान है क्योंकि हम उन्हें सफल महिला के रूप में देखते है। लेकिन आज वह जहाँ है उस मुकाम तक की यात्रा लंबी, प्रायः भयानक और चुनौतियों से भरी थी। लेकिन वस्तुतः उन्होंने शून्य से शुरुआत की थी।

ओप्रा, वान प्राघ, अनीता... सभी हमारे साथ उनकी अद्भुत कहानियाँ साझा करते है लेकिन आखिर में उन्हें हमें अपने आप पर, अपने स्वयं के जीवन पर विचार करने के लिए विवश करना चाहिए। यही एक अच्छी किताब की सच्ची कसौटी है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रोटरी क्लब वेदरनियम - रो ई मंडल 2981

IPDG एस पिराइयो ने साल्ट सत्याग्रह मेमोरियल हॉल में 35 सुविधाओं से वंचित परिवारों को राहत सामग्री प्रदान की। परियोजना की लागत ₹10,000 थी और इस सामुदायिक परियोजना में 25 रोटेरियनों ने हिस्सा लिया।

रोटरी क्लब गंदर्वकोट्टई भारत - रो ई मंडल 3000

मिशन मेंटल हेल्थ लाइवलीहुड ट्रेनिंग सेंटर को दो बिजली से चलने वाले पंखे और एक दीवार घड़ी दान की गई। इस कार्यक्रम में केंद्र के मंडल समन्वयक माइकल राज, उसके कार्यकारी सदस्य मारुती मोहनराज, पूर्व एजी अरुण कुमार और अन्य रोटेरियन मौजूद थे।

रोटरी क्लब वाइज़ाग कपल्स - रो ई मंडल 3020

रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करने के उद्देश्य से, क्लब ने हनुमंथवाका जंक्शन पहाड़ी पर स्थित 64 घरों को चमकीले रंगों से रंग दिया। इसके अलावा रोटरी के नाम और इसके लोगो को पहाड़ी की चोटी पर चित्रित किया गया ताकि वह निकटतम ट्रैफिक सिग्नल स्टॉप से दिखाई दे सकें। परियोजना की लागत ₹2.75 लाख थी।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथएक्स - रो ई मंडल 3011

आह्लकॉन इंटरनेशनल स्कूल के इंटरैक्ट क्लब के साथ मिलकर क्लब सदस्यों ने प्रगति केंद्र नामक एक एनजीओ द्वारा कैलाश कॉलोनी में चलाये जाने वाले स्कूल का दौरा किया और 150 बच्चों एवं कढ़ाई और सिलाई में प्रशिक्षण ले रही 15 महिलाओं को कपड़े, लेखन सामग्री, रंगबिरंगी मिट्टी और अल्पाहार वितरित किये।

विधियाँ

रोटरी क्लब अकोला मिडटाउन - रो ई मंडल 3030

क्लब सदस्यों द्वारा सोनला गाँव स्थित ज़िला परिषद स्कूल के विद्यार्थियों को किताबें वितरित की गई। इसके अलावा, डीजी राजेंद्र भामरे की मौजूदगी में थैलासीसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। एन्स ने रक्त दान करने वाले युगलों को गृह निर्मित साबुन उपहारस्वरूप भेंट किए।

रोटरी क्लब अमरेली गिर - रो ई मंडल 3060

इंटरैक्टरों के सहयोग से शहर में सुनने एवं बोलने में अक्षम लोगों के एक स्कूल में एक पौधारोपण मुहिम चलाई गई। क्लब अध्यक्ष पियूष अजमेरा ने पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की महत्ता पर विद्यार्थियों से बातचीत की।

रोटरी क्लब इंदौर मेघदूत - रो ई मंडल 3040

रोटरी क्लब इंदौर अपटाउन के सहयोग से, क्लब ने शहर के पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में 200 पेड़ लगाए। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश्वरी मोहोबिया, क्लब अध्यक्ष घनश्याम सिंह, पीडीजी लोकेन्द्र पपलाल और अन्य रोटेरियन मौजूद थे।

रोटरी क्लब जम्मू मिडटाउन - रो ई मंडल 3070

एक झुग्गी बस्ती में मासिक धर्म स्वच्छता पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम के बाद युवतियों को सेनेटरी पेड वितरित किये गए।

रोटरी क्लब मांडवी - रो ई मंडल 3054

एक शुभ संकेत के साथ रोटरी वर्ष की शुरुआत करने के लिए रोटेरियनों ने 100 गायों को घास खिलाई। मांडवी कॉलेज और एस. वी. आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के विद्यार्थियों के सहयोग से, उन्होंने एक कैंपस गार्डन विकसित किया है जिसकी देखरेख प्रथम-वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा उनकी पढ़ाई पूरी होने तक की जाएगी।

रोटरी क्लब चंडीगढ़ - रो ई मंडल 3080

PGIMER के डिपार्टमेंट ऑफ़ पेडियाट्रिक्स के साथ साझेदारी में सुखना झील पर एंड टीबी अभियान के लिए एक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉक्टर जगत राम ने कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई जिसमें आम जनता के अलावा PRIP राजेंद्र साबू, रोटरेक्टरों, चिकित्सा सहायकों एवं भवन विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था।

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

रोटेरियनों ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर स्कूल, बगीचे, औद्योगिक क्षेत्रों और शहर के अन्य हिस्सों सहित 13 विभिन्न स्थानों पर 140 पौधे रौपें। क्लब अध्यक्ष यश पाल मंगला और परियोजना प्रमुख देविंदर पी सिंह मौजूद थे।

रोटरी क्लब अंबरनाथ स्मार्ट सिटी - रो ई मंडल 3142

क्लब ने अपनी आंगनवाड़ी परियोजना के अंतर्गत, शिव मंदिर के निकट उसकी पहली 'डिजिटल आंगनवाड़ी' सौंपी। क्लब अध्यक्ष दिलीप कोठावड़े द्वारा शुरू की गई परियोजना में अन्य सुविधाओं के साथ गद्दे, शिक्षात्मक चार्ट, कूड़ेदान और मल्टीमीडिया स्पीकर दान करके पहले चरण में 28 आंगनवाड़ियों को पुनर्निर्मित करना शामिल है।

रोटरी क्लब कादुर - रो ई मंडल 3182

एक विशाल परियोजना के अंतर्गत, क्लब ने ₹1.5 लाख के 300 स्कूली बस्तों को लेखन सामग्रियों के साथ दूरस्थ गाँवों के आठ स्कूली बच्चों को वितरित किया।

रोटरी क्लब मीरा रोड - रो ई मंडल 3141

मीरा गाँव के ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों को स्पोर्ट्स टी-शर्ट वितरित की गई। शारीरिक और मानसिक चपलता के लिए उन्हें एक खेल गतिविधि जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

विधियाँ

रोटरी क्लब पेरुम्बवूर सेंट्रल - रो ई मंडल 3201

शहर के आश्रम लोवर प्राइमरी स्कूल में क्लब अध्यक्ष एल्धो टी पॉल ने एक 'विन अ स्माइल' परियोजना का उद्घाटन किया जिसके दौरान 250 विद्यार्थियों को डेंटल किटें दान की गई। इसके बाद विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए मौखिक स्वच्छता सत्र आयोजित किये गए।

रोटरी क्लब तिरुपुर मिडटाउन - रो ई मंडल 3202

वेल्लाकोविल शहर के तीन सरकारी स्कूलों में 2,000 से अधिक अकादमिक पुस्तकें और खेल सामग्री दान की गई। रोटेरियनों ने स्कूल परिसर में 50 से अधिक पौधे रौपें।

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल - रो ई मंडल 3232

क्लब अध्यक्ष संजय धुरका ने एक एनेट्स क्लब की स्थापना की। स्थापना के दौरान, जल संरक्षण पर बच्चों द्वारा पूरी तरह से शूट और संपादित किये गए एक वीडियो को ज़ारी किया गया। मंडल समन्वयक एन आशा मरीना के सहयोग से एनेट गौरी रविकुमार द्वारा विषयवस्तु और स्क्रिप्ट प्रदान की गई।

रोटरी क्लब दीमापुर - रो ई मंडल 3240

रोटरी के अस्तित्व के 114 वर्षों का उत्सव मनाने के लिए क्लब ने 100 से अधिक फलदार एवं सजावटी पेड़ों के पौधे रौपें। रोटेरियनों के साथ स्वयंसेवकों ने भी जोश के साथ हिस्सा लिया और इस हरित पहल ने इलाके में रोटरी की छवि को बढ़ाया।

रोटरी क्लब जबलपुर साउथ - रो ई मंडल 3261

क्लब द्वारा राज्य सभा सांसद और पीडीजी विवेक तन्खा को सामुदायिक विकास की दिशा में रोटेरियन के रूप में उनकी तीन दशक से अधिक की सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

अच्छी नींद और वजन कम करने के लिए रात की आदतें

शीला नंबीयार

नहीं, ये उस तरह के तुरंत के उपायों की तरह की नौटंकी नहीं है कि यह 6 चीजें करें और आपका वजन 10 पाउंड कम हो जाएगा। यहां पर कुछ व्यावहारिक आदतों को बताया गया है जिनका अगर निरंतर रूप से अभ्यास किया जाए तो यह 6 आदतें आपको आपके वेट लॉस प्लान और अच्छी नींद लेने के लिए आपको ट्रैक पर रखने में आपकी मदद करेंगी, (जो कि बदले में आपको वजन कम करने में मदद करेगा)।

नींद और वजन एक दूसरे से अंतर-संबंधित हैं। रात को बिना अच्छी नींद लिए अगले दिन शरीर ठीक से कार्य नहीं कर पाता है। निरंतर ही अच्छी नींद नहीं लेने से यह आपको ह्दय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, ऐजिंग स्कीन और वेट बढ़ने की ओर अग्रसर करता है। नींद आपकी भूख को प्रभावित करती है और भूख का संकेत लेप्टिन और ग्रेलिन हार्मोन में बदलाव होने से मिलता है जो इच्छा को बढ़ाता है, (विशेष रूप से शर्करायुक्त उच्च कार्ब, उच्चा वसा वाला भोजन), और यह भूख और थकान के बीच अंतर कर पाने में असमर्थ बनाकर शरीर को कन्फ्यूज करता है। अपर्याप्त नींद जीवन के हर पहलू में, अच्छी गुणवत्ता वाले भोजन और जंक फूड के बीच चुनाव करने के बीच, हर पहलू में निर्णय लेने की क्षमता से समझौता करती है। इसलिए रात को अच्छी नींद लेना आपकी प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए।

अच्छी नींद के लिए रात की आदतों के तौर पर शामिल करने के लिए यहां कुछ आसान आदतें दी गई हैं:-

- रात के खाने के बाद कम से कम 20 मिनट तक टहलते रहें।
- अगले दिन के लिए अपने भोजन की योजना बनाएं।
- अगले दिन के लिए अपने कार्यक्रम की योजना बनाएं।
- गर्म पानी से स्नान करें।
- आभार-पत्रिका (ग्रेटिट्यूड जर्नल) लिखें।
- मेडिटेशन करें या कोई रिलैक्सेशन तकनीक का उपयोग करें जैसे गहरी सांस लेना आदि।

रात के खाने के बाद टहलना

अधिकतर लोग रात के खाने के बाद तुरंत ही टीवी देखने लगते हैं या तुरंत बिस्तर पर सोने चले जाते हैं। यह अच्छा आइडिया नहीं है! ऐसा करने की बजाय क्यों नहीं घर का चक्कर लगाया जाए या कुत्ते के साथ टहलने जाया जाए या शायद 30-60 मिनट तक खाना खाने के बाद कोई काम किया जाए ताकि हम टहलते या क्रियाशील रह सकें। आपका ब्लड शुगर स्तर बेहतर रूप से नियंत्रण में रहता है जब बजाय पूरी तरह गतिहीन रहने के आप रात का खाना खाने के बाद क्रियाशील अवस्था में रहते हैं।

अगले दिन के लिए अपने भोजन की योजना बनाएं

भोजन-योजना उन चीजों में से एक चीज है जिस पर बहुत ज्यादा विचार करने और ध्यान देने की आवश्यकता है और अक्सर ही इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। जब भोजन की योजना को पहले से ही बना लिया जाता है, यहां तक कि अगले दिन के लिए मूलभूत तैयारी कर ली गई होती है तो इससे आपको काम पर जाने के लिए तैयार होने या आपके बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए दूसरे दिन बहुत सारा समय मिल जाता है।

उदाहरण के लिए, यदि आप नाश्ते में ओटमील खाते हैं तो इसे आप कटे हुए फलों, थोड़े से बादाम वाले दूध के साथ अलग-अलग कटोरियों में रात भर भिगो कर तैयार करें और इसे पूरे परिवार के लिए नाश्ते के लिए निकालने के लिए फ्रिज में रख दें। बस एक मुट्ठी बीज/मेवे मिलाएं और इसे मीठा करने के लिए खजूर का शरबत मिलाएं और नाश्ता तैयार है। फ्रिज में पकाए हुए बीन्स या कटी हुई सब्जियों को रखें जो सलाद में डालने के लिए तैयार हैं, इसे फ्रीजर में अलग-अलग कंटेनरों में रखें जिससे आपको सुबह की भागदौड़ में नाश्ते में आसानी हो।

बहुत बार रात की नींद अगले दिन की चिंताओं से प्रभावित हो जाती है या यहां तक कि अगले दिन खाना बनाने के लिए आधे घंटे पहले जागना है इस चिंता से भी नींद प्रभावित हो जाती है। पिछले रात तैयारी करके, आंशिक रूप से ही सही, तनाव को अपने सुबह की दिनचर्या से बाहर निकालें।

अगले दिन के लिए अपने कार्यक्रम की योजना बनाएं

एक योजना तैयार करें। आप काम पर कब जाएंगे? आप खाना कब बनाएंगे? आपकी व्यायाम करने की क्या योजना है? मेल चेक करने के लिए आपकी क्या योजना है? खाली समय में आप क्या करेंगे?

अक्सर ही हम दिन की भागदौड़ में खो जाते हैं और हमारे पास पालन करने के लिए कोई स्पष्ट रूपरेखा नहीं होती है। हालांकि चीजे बिल्कुल वैसी नहीं हो सकतीं जैसी की योजना तैयार की गई थी, लेकिन कम से कम आपके पास ऐसी योजना है जिसे आप फॉलो करने का इरादा रखते हैं अपनी सुविधानुसार आपके समय के अनुकूल।

वह लोग जो समय पर काम करना नहीं चाहते हैं, वे वह लोग होते हैं जिनके पास काम के लिए कोई वास्तविक रणनीति नहीं होती है। उदाहरण के लिए आप कुछ घंटे ऐसे ही असावधान खाली पाए जा सकते हैं जब आप कुछ नहीं कर रहे होते। यह वह समय होता है जब आप बिना सोचे समझे कुछ भी नाश्ता कर लेंगे। यह बस केवल संक्षिप्त सा एक रिमाइंडर हो सकता है, जिसका कि आप अगले दिन पालन करेंगे। ऐसा करना अगले दिन के लिए आशा एवं उद्देश्य के साथ यह आपको बीत गए दिन का एहसास देता है।

गर्म पानी से स्नान करें

बिस्तर पर सोने जाने से पहले गर्म पानी से स्नान करना पाया गया है कि यह रिलैक्स करता है अर्थात यह रिलैक्सेशन देता है और ऐसा करना अच्छी नींद के लिए लाभकारी है। गर्म पानी से स्नान के बाद शरीर के तापमान में गिरावट आना अच्छी नींद के अनुकूल है। सोने से 1-2 घंटे पहले स्नान करना चाहिए और स्लीप मेडिसिन रिव्यू, अगस्त 2019 में प्रकाशित स्टडी के अनुसार इसे 10 मिनट से अधिक समय तक नहीं करना चाहिए, शोधकर्ता शहाब हेगेयेएग अल, टेक्सास ऑस्टिन यूनिवर्सिटी ने वार्म बाथ बिफोर स्लीप पर किए गए अध्ययनों का विश्लेषण किया। बिस्तर पर जाने से पहले गर्म पानी से किया गया स्नान लोगों को जल्दी नींद में जाने में और गहरी नींद में मदद पहुँचाता है।

आभार-पत्रिका लिखें

पॉजीटिव साइकोलॉजी के क्षेत्र में हुई रिसर्च से पता चला है कि हर रात आभार-पत्रिका लिखना नींद को बेहतर बना सकता है। नींद की बेहतर गुणवत्ता के लिए केवल 15 मिनट उन चीजों को लिखना जिनको कि आपने दिन के दौरान अच्छा पाया, जिनके प्रति आप आभारी रहे। यह नकारात्मक भावनाओं के चिंतन से बचाता है। इस तरह से यह जल्दी से नींद में जाने और लंबी एवं बेहतर नींद से जुड़ा हुआ है। हर रात बेडटाइम पर कुछ मिनट आभार-पत्रिका लिखने में बिताएं और तीन चीजें लिखें जिनके प्रति आप आभारी रहे।

मेडिटेशन करें या कोई रिलैक्सेशन तकनीक का उपयोग करें

अंत में, जब आप रात में बिस्तर पर अपनी ऑखें बंद कर लेटते हैं, तब विचारों को अव्यवस्थित ढंग से भटकने रहने देने की बजाय माइंडफुल (सजगता), मेडिटेटिव भावदशा में जाएं और गहरी सांस लें। केवल सांस पर ध्यान दें। यह पाया गया है कि मेडिटेशन और माइंडफुलनेस तनाव को कम करता है और डीप ब्रेदिंग (गहरी सांस) पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को उत्तेजित करती है जिससे कि आपको शांति मिलती है और जिसके परिणामस्वरूप यह आपको रात को अच्छी नींद लेने में मदद करता है।

एक लेखक लाइफस्टाइल मेडिसिन फिजीशियन फिटनेस सलाहकार हैं।

sheela.nambiar@gmail.com
www.drsheelanambiar.com

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank	:	HDFC Bank SB Account
Branch	:	Egmore, Chennai
A/c Name	:	Rotary News Trust
A/c No.	:	50100213133460
IFSC Code	:	HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,205,049
Clubs	:	35,927
Districts	:	538
*Rotaractors	:	157,520
Clubs	:	9,520
*Interactors	:	567,387
Clubs	:	24,669
RCC	:	10,615

As on Aug 15, 2019

Membership Summary

As on Aug 1, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	112	4,591	209	46	239	219
2982	68	3,048	163	69	117	54
3000	132	5,191	482	234	691	208
3011	85	3,587	865	47	119	25
3012	95	3,783	963	59	134	57
3020	71	4,168	221	58	467	350
3030	92	4,848	619	91	327	210
3040	93	2,079	230	33	138	143
3053	65	2,891	522	12	60	96
3054	125	5,711	928	82	330	475
3060	99	4,125	545	60	130	140
3070	105	3,100	392	49	164	58
3080	84	3,475	324	92	237	111
3090	81	2,001	49	36	39	122
3100	79	1,949	120	12	80	146
3110	123	3,940	392	32	55	104
3120	80	3,375	448	32	63	52
3131	134	5,281	1,142	99	319	91
3132	96	3,742	388	40	222	157
3141	104	5,678	1,352	113	274	88
3142	97	3,275	633	81	206	64
3150	95	3,604	367	63	255	115
3160	77	2,679	186	32	48	83
3170	129	5,688	670	63	356	165
3181	86	3,648	352	58	275	115
3182	84	3,124	224	32	283	97
3190	125	4,873	658	129	374	54
3201	145	5,488	390	98	141	49
3202	129	4,978	276	80	452	47
3211	141	4,448	290	8	98	129
3212	100	4,071	322	101	304	145
3231	85	3,708	355	54	226	355
3232	125	5,315	913	125	354	85
3240	89	3,088	402	55	478	188
3250	102	3,857	672	65	222	181
3261	71	2,536	332	13	114	43
3262	93	3,355	414	40	81	77
3291	146	3,637	731	85	147	610
India Total	**3,842**	**147,935**	**18,541**	**2,478**	**8,619**	**5,508**
3220	72	1,979	271	81	212	73
3271	87	1,363	226	61	19	18
3272	137	1,707	290	52	40	43
3281	212	5,775	874	222	101	192
3282	154	4,768	585	137	50	44
3292	120	4,729	722	123	142	114
S Asia Total	**4,624**	**168,256**	**21,509**	**3,154**	**9,183**	**5,992**

Source: RI South Asia Office

On the racks

Hachette India has come out with a treasure trove of old classics under the category Hachette Essentials, which are collector's items. Here is a taste of four great and award-winning writers — Thomas Keneally, Margaret Artwood, Alice Walker and Viet Thanh Nguyen, whose immortal works have been freshly published.

The Sympathizer

Author : **Viet Thanh Nguyen**
Price : **₹499**

Winner of the 2016 Pulitzer; Andrew Carnegie Medal for Excellence in Fiction; Edgar Award for Best Novel, this is a powerful story of love and friendship, and a skilfully written espionage novel. The narrator, a Vietnamese army captain,

is a man of divided loyalties, being a half-French, half-Vietnamese communist sleeper agent in America after the end of the Vietnam War. Hailed as a "remarkable debut novel" and "a new classic of war fiction", *The Sympathizer* promises exciting reading.

The Color Purple

Author : **Alice Walker**
Price : **₹399**

Set in the deep American South between the wars, this book relates the powerful and poignant story of Celie, a young black girl, born into poverty and segregation. Raped repeatedly by the man she calls 'father', she has two of her children taken away from her and is trapped into an unhappy marriage. But then she meets a woman who

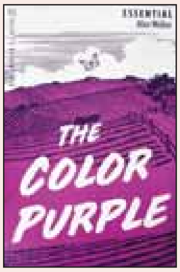

has taken charge of her own destiny and slowly Celie's transformation begins. A global bestseller, it has inspired generations of readers. This is what the celebrated writer, Chimamanda Ngozi Adichie says about *The Color Purple:* "A lush celebration of all that it means to be female, to be a black female, and like the best of celebrations, it is an honest one."

Schindler's Ark

Author : **Thomas Keneally**
Price : **₹999**

Many of us have been deeply moved by Steven Spielberg's powerful film *Schindler's List*, that walked away with as many as seven Oscars in 1994, including best picture, best director, best actor (Liam Neeson) and best supporting actor (Ralph Fiennss). That movie was the adaptation of the brilliant book *Schindler's Ark*, written by Thomas Keneally, about Oskar Schindler, a heavy-drinking, womanising member of the Nazi party. But under the dark shadow of the Auschwitz concentration camp he risks everything, including his life, to whisk away to safety the Jews working for

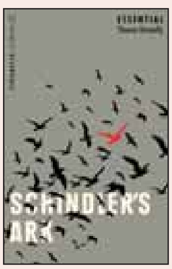

him. And this too from right under the nose of the dreaded SS in Adolf Hitler's Germany.

It was only in 1982 that Keneally's book brought to international attention the incredible story of this brave businessman, who World War II turned into an angel of mercy. The book went on to win the Booker Prize. In 1993, when *Schindler's List* was made, Oskar Schindler and his wife were named Righteous Among the Nations.

The book materialised after Keneally visited in 1980 a luggage store in Beverly Hills, California, looking for a briefcase. The store was run by one of Schindler's survivors Leopold Pfefferberg. "It was beneath Pfefferberg's shelf of imported Italian leather goods that I first heard of Oskar Schindler," writes Keneally. The fascinated man went on to interview 50 of Schindler's survivors from seven nations, and the result was this gem of a classic.

The Blind Assassin

Author : **Margaret Artwood**
Price : **₹499**

Canadian writer Margaret Artwood is the talented and

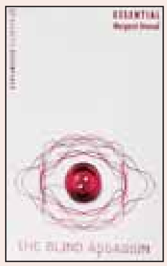

versatile writer of some 40 works that include fiction, poetry, critical essays, and her books have been published in over 35 countries. *The Blind Assassin* won the 2000 Booker Prize. It is a remarkable book where Iris Chase, and her sister Laura, grow up motherless in a small town in Southern Ontario. The aging Iris recalls her life's events and relationships, including her unhappy marriage to Toronto businessman Richard Griffen. Artwood is a remarkable storyteller and critics have lauded this book for the many layers hidden in its pages, which readers have to peel off one by one.

Compiled by Rasheeda Bhagat

अंधियारे सिनेमा घरों से लेकर आलीशान मल्टीप्लेक्सों तक

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

ज़िंदगी, 60 विचित्र वर्षों के दौरान, अनोखे मोड़ लेती है। जब 1967 में मैंने स्कूल की पढ़ाई खत्म की, तो मुझे ज़रा भी अंदाजा नहीं था कि मैं कॉलेज में क्या करने वाला हूँ। यह पूर्णतः एक संयोग ही था कि मैंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स में ऑनर्स का कोर्स किया। उसके बाद, जब मैंने वहाँ से मेरी मास्टर डिग्री पूरी की, एक बार फिर मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि अब मुझे क्या करना है और इसलिए मैं एक एमएनसी प्रकाशन कंपनी में अर्थशास्त्र संपादक के रूप में मुझे पेश की गई पहली अच्छी नौकरी को करने लगा। कुछ वर्षों में वह नीरस हो गई और मैं मेरे सामने आई पहली अच्छी नौकरी - कम से कम मेरे अनुसार - को करने लगा। 1980 में, मैं एक पत्रकार बना। मेरे पिता बहुत निराश हुए जब मैंने उन्हें बताया कि मैं अखबार के लिए अंग्रेजी फिल्मों की समीक्षा करता हूँ। मैं कभी भी उनके उस निराशा भरे चेहरे को नहीं भूल सकता। वह गुस्से से अवाक् हो गए थे, जो कि अच्छी बात थी।

लेकिन मैं फिल्म समीक्षक के रूप में मेरे उन छह महीनों को मेरे जीवन के सर्वश्रेष्ठ दिनों में गिनता हूँ। मैं बहुत ही आकर्षक छोटे थिएटर में सुबह दस बजे, जी हाँ दस बजे, विशेष शो देखने के लिए जाया करता था। वह कार्यालय जाने का मेरा तरीका था। इंटरवल के दौरान वे हमें सैंडविच और बियर देते थे। वे छोटे थिएटर एक रहस्योद्घाटन थे। तब तक मैंने केवल बदबूदार नरक देखे थे जो भारतीय सिनेमा घर होते थे। वे कचरे के मैदान होते थे। इसके बावजूद हम वहाँ जाते थे। तरकीब यह थी कि नीचे देखे बिना लगातार स्क्रीन की ओर देखते रहो क्योंकि ज़मीन अक्सर गन्दगी और सिगरेट-बट से पटी होती थी। एक मौके पर, मेरे मित्र को, जो एक गिरा हुआ सिक्का ढूंढ रहा था, को महिला अंडरगारमेंट्स का एक सेट मिला।

मद्रास में, एक थिएटर था जहाँ महिलाएं छोटे खंड में अलग बैठा करती थी। कलकत्ता बेहतर था। वहाँ कुछ थिएटरों में सलाखे लगी हुई थी।

एक और मौके पर, 1960 के दशक के उत्तरार्ध में, दिल्ली के सबसे पुराने सिनेमा घर में, हमने एक बूढ़े व्यक्ति को उसके पोते, जो पेशाब करना चाहता था, को यह कहते हुए सुना कि वह सीट के नीचे ही कर ले। इसके बाद, हम वहाँ से चले गए। मद्रास में, एक थिएटर था जहाँ महिलाएं छोटे खंड में अलग बैठा करती थी। रौशनी होते ही, एक काला पर्दा डाला जाता था ताकि महिलाएं अलग हो सकें। कलकत्ता बेहतर था। वहाँ कुछ थिएटरों में सलाखे लगी हुई थी। इसके अलावा सर्विसेज सिनेमा थे, कम से कम दिल्ली में तो थे। वे एस्बेस्टस की छत एवं लोहे की बेंच वाले बड़े से शेड होते थे। दिल्ली की गर्मी में, आप भुन जाते थे, ऊपर से भी और नीचे से भी।

उस समय फलता-फूलता काला बाज़ार भी होता था। काला बाजारी करने वाले को जानना एक प्रतिष्ठा का प्रतीक होता था क्योंकि वह हमेशा आपको एक कीमत के बदले अंदर ले जा सकता था। वास्तव में, दिल्ली के कुछ थिएटरों में कुछ काला बाजारी करने वाले ऐसे भी होते थे जो आधा दर्जन लोगों को बिना टिकट के अंदर आने देते थे और फिर फिल्म के बीच में आकर पैसे वसूलते थे।

इसके बावजूद हम जाते थे क्योंकि फिल्में थिएटर अनुभव के लिए बनती थी, जिनमें वे अनुभव भी शामिल होते थे जहाँ आपको बाहर पड़े कुर्सियों के ढेर में से अपनी कुर्सी स्वयं ले जानी पड़ती थी। ऐसा बेहतर टिकट वालों के लिए होता था। जनता वर्ग वालों के लिए, ईंटें होती थी - जिन्हें बाहर आते वक्त वापस रखना होता था।

उन दिनों सरकार तीन या चार या पाँच खण्डों में प्रवेश की कीमतें निर्धारित करती थी - अग्रिम पंक्ति, मध्यम पंक्ति, पिछली पंक्ति, बालकनी, ड्रेस सर्किल और, बेशक, कुछ किस्मत वाली जगहों पर, बॉक्सेस जहाँ पर, यदि वह राज़ी होती थी तो, आप अपनी प्रेमिका को ले जा सकते थे।

दिल्ली के एक थिएटर में एक पंक्ति थी जिसमें केवल दो सीटें होती थी। उसके लिए हमेशा एक अधिशुल्क देना होता था क्योंकि कालाबाजारी करने वाले हर शो की उन सीटों को इस उम्मीद में खरीदते थे कि कोई प्रेमी युगल उन सीटों की तीन गुना कीमत देने के लिए तैयार हो जायेगा। लेकिन हम हफ्ता-दर-हफ्ता, साल-दर-साल इसलिए नहीं जाते थे। टीवी से पहले कोई अन्य मनोरंजन का साधन और प्रणय का स्थान नहीं होता था।

अब उन पुराने सिनेमा घरों में से अधिकांश को तोड़कर कार्यालय, मॉल और होटल बना लिए गए है। उनके जाने का किसी ने भी शोक नहीं मनाया। उनके स्थान पर छोटे लेकिन आलीशान हॉल आ गए, उन में से बहुत से मल्टीप्लेक्सों में है, जो, मैं मानूंगा, उन धुएं से भरे, गरम, पसीने से तर और अतीत के बदबूदार गौरवशाली छप्परों से बेहतर है। केवल इतना ही नहीं: इंटरनेट, फेसबुक और ट्विटर के कारण, हर कोई एक फिल्म समीक्षक बन गया है। ■

संक्षेप में

सोशल मीडिया में बृहस्पति ग्रह के चित्रों के कारण हलचल

नासा के जूनो अंतरिक्ष यान ने रहस्मय ग्रह बृहस्पति का एक अभूतपूर्व नजारा दिखाने के लिए शोधकर्ताओं और अंतरिक्ष प्रेमियों को बृहस्पति ग्रह की अनगिनत लुभावनी तस्वीरें भेजी हैं। सबसे हाल की तस्वीर के कारण सोशल मीडिया पर हलचल मची हुई है, जो जानवर, लोग और वस्तुएं घूमते बादलों में दुबके हुए से लोगों को ग्रह पर दिखाई देते हैं उनके लिए सैकड़ों लोग ट्वीट कर रहे हैं।

भारतीय किसान ने यूएई की लॉटरी में ₹29 करोड़ जीते

विकास रिक्काला जो हैदराबाद के एक धान किसान हैं वह दुबई में जॉब पाने में असफल रहने के बाद 20,000 रूपये के लॉटरी के टिकट को लेकर घर लौटे और उन्होंने दुबई लॉटरी के बिग-टिकट से 4 मिलियन डॉलर से अधिक की जीत हासिल की। रिक्काल पहले दुबई में ड्राइवर के पद पर नौकरी करते थे। उन्होंने उसके नाम पर तीन टिकट खरीदने के लिए अपनी पत्नी से 20,000 रूपये उधार लिए थे।

भौतिकशास्त्री ने 4,500 साल पुराने ईजिप्ट के मिट्टी के बर्तनों के खमीर का उपयोग करके ब्रेड बनाई

एक अमेरिकन भौतिकशास्त्री, सीमस ब्लैकली पता लगाना चाहते थे कि सुपरमार्केट से खरीदी गई ब्रेड की तुलना में हजारों साल पहले की ब्रेड के घटक में, उसके स्वाद में कितना अंतर होगा। उन्होंने 4,500 साल पुराने खमीर का इस्तेमाल करके कुछ ब्रेड बनाए जो प्राचीन ईजिप्ट के अवशेषों से एकत्र किए गए थे। ब्लैकली के स्वाद परीक्षण के अनुसार, वे ब्रेड जो उस खमीर का इस्तेमाल कर बनाए गए थे, उन्में आज की ब्रेड की तुलना में ज्यादा स्वाद था।

एडिनबर्ग के ड्यूक की वनुआतु गांव में भगवान के रूप में पूजा की जाती है

प्रिंस फिलिप जो ब्रिटिश रानी के पति हैं, उनकी पूजा वानुअतु के तन्ना द्वीप पर योहानेन के ग्रामीणों द्वारा की जाती है। प्रिंस फिलिप मूवमेंट के अनुयायियों का विश्वास है कि ड्यूक में उनके पूर्वजों की एक आत्मा का अवतरण हुआ था और कुछ लोगों का विश्वास है कि चक्रवात जिसने मार्च में पैसेफिक नेशन को तबाह कर दिया था वह सन् 2016 में उनके आगमन के लिए प्रकृति के द्वारा दिया गया आकस्मिक संकेत था।

जापान - अंग प्रत्यारोपण करने के लिए मानवकृत संकर बनाना

जापान सरकार के विज्ञान मंत्रालय ने पशु-मानव संकर बनाने की रिसर्च को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों को अनुमति दी है, जिनके अंग लोगों में उपयोग करने के लिए लगाए जा सकते हैं। जापानी स्टीम सेल वैज्ञानिक हिरोमित्सु नाकाउची जो कि टोक्यो यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं में प्रमुख शोधकर्ता हैं, उनका प्लान चूहे के भ्रूण के अंदर मानव सेल को रखने का है और पशु-मानव संकर, अंगों के साथ विकसित करने का है जिसे मानव रोगियों में प्रत्यारोपित किया जा सकता है।

करण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

ADVT

Rotary
District 3012

ACT
ANNES CAN TEACH

An initiative of the R'annes of District 3012

Rotarians worldwide contribute man hours worth millions of dollars as volunteer hours for service in all six focus areas of Rotary. While assessing the needs and challenges of Government schools in District 3012, we realised that one of the biggest challenge they face is scarcity of teachers, this ignited the thought of tapping the talent, compassion, empathy and motherly love of Annes. "WE can use the energy of our Annes as volunteers to fill this gap" said the first lady of the district Rtn. Reena Gupta thus ACT (ANNES CAN TEACH) was born. Annes would voluntraily go to government schools to take care of students on aspects of Life skills, social skills, health, hygiene, basic general knowledge and citizenship. The sense of gratification is the motivating factor for the entire ACT team and we all hope that we would be able to bring smiles on many faces.

Shikha Vats
District Chair ACT

Reena Gupta
Advisor, ACT Committee

Deepak Gupta
District Governor